रांची, सोमवार
04.05.2026
वर्ष : 11, अंक : 151, पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रुपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

खबरे हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

दिल्ली के विवेक विहार में भीषण अग्निकांड, 9 लोगों की मौत

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के विवेक विहार फेज-1 स्थित एक रिहायशी चारमंजिला इमारत में रविवार तड़के लगी आग में जान गंवाने वाले नौ लोगों की पहचान कर ली गई है। इस लाक्षागृह में एक ही परिवार के पांच सदस्य जिंदा जले हैं।

पुलिस के अनुसार, दूसरी मंजिल पर पीछे वाले फ्लैट से एक परिवार के पांच लोगों के शव मिले। मृतकों की पहचान अरविंद जैन (60), उनकी पत्नी अनीता जैन (58), बेटे निशांत जैन (35), बहू आंचल जैन (33) और डेढ़ वर्षीय पोता मास्टर आकाश जैन के रूप में हुई है। पहली मंजिल से शिखा जैन (45) का शव बरामद किया गया। तीसरी मंजिल से एक अन्य परिवार के तीन सदस्यों के शव मिले, जिनकी पहचान नितिन जैन (50), उनकी पत्नी शैली जैन (48) और बेटे सम्यक जैन (25) के रूप में हुई है। हादसे में झुलसे नवीन जैन (48)को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत के बारे में फिलहाल विस्तृत जानकारी नहीं दी गई है।

पुलिस के अनुसार, तड़के करीब 3:48 बजे विवेक विहार थाना को एक पीसीआर कॉल के माध्यम से आग लगने की सूचना मिली। पुलिस और दमकल विभाग के अलावा अन्य टीमें तत्काल घटनास्थल (विवेक विहार फेज-1 स्थित मकान नंबर बी-13) पर पहुंचे।दूसरी, तीसरी और चौथी मंजिल पर ऊंची लपटें उठ रही थीं। दमकलकर्मियों और पुलिस ने संयुक्त राहत एवं बचाव अभियान चलाते हुए आग में फंसे करीब 10-15 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला।

आग पर नियंत्रण पाने के लिए 12 दमकल गाड़ियों को बुलाया गया। आग बुझाई जा चुकी है। दमकल विभाग के प्रवक्ता एके मलिक के अनुसार, इस हादसे में नौ लोगों की मौत हुई है।आग इमारत के छह फ्लैटों में रखे घरेलू सामान से फैली। राहत एवं बचाव अभियान के दौरान विभिन्न मंजिलों से नौ झुलसे शव बरामद किए गए।

प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि आग शॉर्ट सर्किट या अन्य तकनीकी कारणों से लगी हो सकती है। वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए विस्तृत जांच की जा रही है। पुलिस भवन की फायर सेफ्टी व्यवस्था, निकास मार्ग और निर्माण मानकों की भी जांच कर रही है। हादसे के बाद पूरे इलाके में मातम पसरा हुआ है।

प्रधानमंत्री ने विवेक विहार हादसे पर दुख जताते हुए मुआवजे की घोषणा की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली के विवेक विहार में रविवार तड़के आग दुर्घटना में मारे गए लोगों के परिजनों और घायलों के लिए मुआवजे की घोषणा की है। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) की ओर से मृतकों के परिजनों को 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी और घायलों को 50 हजार रुपये दिए जाएंगे। दिल्ली के विवेक विहार में रविवार तड़के हुई भीषण आग की घटना पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गहरा दुख जताया है। हादसे पर दुख व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर कहा, रदिल्ली के शाहदरा जिले में आग लगने की घटना में हुई जानमाल की हानि अत्यंत दुखद है। अपनों को खोने वाले सभी लोगों के प्रति हमारी गहरी संवेदना है। मैं ईश्वर से घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।र शाहदरा के रिहायशी इलाके में स्थित एक इमारत में आज तड़के भीषण आग लग गई थी। इस हादसे में नौ लोगों की मौत हो गई जब दो से अधिक लोग मामूली रूप से झुलस गए हैं। उन्हें गुरु तेग बहादुर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मुख्यमंत्री ने विवेक विहार अग्निकांड में 9 लोगों की मौत पर दुख जताया

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने विवेक विहार अग्निकांड में 9 लोगों की मौत पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि इमरात में आग लगने से हुए हादसे में 9 लोगों की मौत से मन व्यथित है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हादसे में घायल हुए लोगों का नजदीकी अस्पताल में उपचार चल रहा है, उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने कहा कि दुख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं पीड़ित परिवारों के साथ हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि उन्हें यह कठिन समय सहने की शक्ति प्रदान करें। मुख्यमंत्री ने बताया कि स्थानीय प्रशासन, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए), दिल्ली फायर सर्विस और दिल्ली पुलिस के सभी आला अधिकारी राहत और बचाव कार्यों में पूरी तत्परता से जुटे हैं। उन्होंने कहा कि स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और प्रभावितों को हर संभव सहायता सुनिश्चित की जा रही है। हमारे स्थानीय विधायक और निगम पार्षद भी राहत कार्य में अपना सहयोग कर रहे हैं। दिल्ली सरकार इस कठिन समय में पीड़ित परिवारों के साथ हर परिस्थिति में मजबूती से खड़ी है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने की जनगणना-2027 में सरना धर्म को अलग पहचान देने की मांग, राष्ट्रपति को लिखा पत्र

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने वर्ष 2027 की जनगणना में आदिवासी समाज के लिए सरना धर्म को अलग पहचान देने की मांग उठाई है। मुख्यमंत्री ने रविवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को पत्र लिखकर सरना धर्म के लिए अलग कोड निर्धारित करने का अनुरोध किया है।

मुख्यमंत्री ने अपने पत्र में कहा कि झारखंड सरकार जनगणना अभियान में पूरा सहयोग कर रही है और उन्होंने स्वयं भी स्व-गणना कर अपनी भागीदारी सुनिश्चित की है। उन्होंने कहा कि किसी भी देश के संतुलित और समावेशी विकास के लिए तथ्य आधारित नीतियां जरूरी होती हैं, जिसके लिए सटीक आंकड़ों का संग्रह बेहद महत्वपूर्ण है।

आदिवासी समाज की पहचान पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस समुदाय की अपनी विशिष्ट सामाजिक, धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराएं हैं। प्रकृति पूजा, सरना स्थल, कुल देवता और ग्राम देवता की मान्यताएं इसे अन्य धर्मों से अलग एक विशिष्ट पहचान प्रदान करती हैं।

मुख्यमंत्री ने वर्ष 2011 की जनगणना का उल्लेख करते हुए बताया कि उस समय अलग कोड नहीं होने के बावजूद देश के 21 राज्यों में लगभग 50 लाख लोगों ने अपने धर्म के रूप में सरना का उल्लेख किया था। उन्होंने कहा कि झारखंड राज्य का गठन भी आदिवासी पहचान के आधार पर हुआ है और यहां की नीतियां इसी दृष्टिकोण पर आधारित हैं।

संवैधानिक प्रावधानों का हवाला देते हुए उन्होंने अनुच्छेद 244, 338ए, 339 और 275 का जिक्र किया। मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति को आदिवासी समाज का संरक्षक बताते हुए इस मामले में हस्तक्षेप की मांग की। साथ ही उन्होंने अनुरोध किया कि जनगणना के दूसरे चरण के फॉर्म में सरना धर्म के लिए अलग कोड सुनिश्चित किया जाए, ताकि आदिवासी समुदाय की धार्मिक पहचान सुरक्षित और संरक्षित रह सके।

छत्तीसगढ़ शराब घोटालाः ईडी ने 13 ठिकानों पर छापे मारकर 53 लाख कैश और 3.2 किलो सोना किया बरामद

एजेंसी

रायपुर। ईडी के रायपुर क्षेत्रीय कार्यालय ने 30 अप्रैल 2026 को रायपुर, दुर्ग-भिलाई और बिलासपुर के 13 ठिकानों पर एक साथ तलाशी अभियान चलाया था। इस कार्रवाई में 53 लाख रुपये नकद और लगभग 3.23 किलोग्राम सोना, आभूषण और बुलियन के रूप में, जिसका मूल्य लगभग 4.86 करोड़ रुपये है, जब्त किया गया। इस ताजा कार्रवाई में कुल 5.39 करोड़ रुपये की चल-अचल संपत्तियां और महत्वपूर्ण दस्तावेज/डिजिटल उपकरण बरामद किए गए हैं।

प्रवर्तन निदेशालय ने छत्तीसगढ़ में 3,200 करोड़ के कथित शराब घोटाले को लेकर अपनी कार्रवाई के संबंध में आज एक महत्वपूर्ण प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए यह जानकारी दी । ईडी अब इस मामले में अंतिम प्रॉसीक्यूशन कंप्लेंट पेश करने की तैयारी में है।

ईडी ने जानकारी दी है कि 2019 से 2022 के बीच हुए इस घोटाले में लगभग 2,883 करोड़ रुपये की 'प्रोसीड्स ऑफ क्राइम' (अपराध की कमाई) अर्जित की गई। विज्ञप्ति में बताया गया कि एक संगठित सिंडिकेट, जिसमें वरिष्ठ नौकरशाह, राजनेता और शराब कारोबारी शामिल थे, ने छत्तीसगढ़ के आबकारी विभाग को हाईजैक कर लिया था। अब तक इस मामले में 6 आरोप पत्र दायर किए जा चुके हैं, जिनमें कुल 81 लोगों को नामजद किया गया है। मुख्य आरोपितों में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल, पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा, पूर्व आईएएस अधिकारी निरंजन दास, अनिल टुटेजा और पूर्व उप सचिव सौम्या चौरसिया के नाम शामिल हैं।

श्रावणी मेला 2026 की तैयारी तेज, मंत्री ने की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक

श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिएः मंत्री

बिभा संवाददाता

देवघर। आगामी श्रावणी मेला को लेकर तैयारियां अब तेज हो गई हैं। इसी क्रम में रविवार को झारखंड सरकार के पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने देवघर परिसदन में देवघर और दुमका के वरीय अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण समीक्षात्मक बैठक की।

बैठक का मुख्य उद्देश्य श्रावणी मेला के दौरान आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा, सुरक्षा और सुगम जलार्पण सुनिश्चित करना रहा। मंत्री ने सभी विभागों को स्पष्ट निर्देश दिया कि श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

मंत्री ने कहा कि श्रावणी मेला झारखंड की पहचान है, जिसमें देश-विदेश से श्रद्धालु देवघर पहुंचते हैं। ऐसे में सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करना होगा, ताकि मेला भव्य, सुरक्षित और सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न हो सके। उन्होंने बताया कि इस वर्ष 31 जुलाई से श्रावणी मेला का शुभारंभ प्रस्तावित है और इसकी तैयारी को लेकर तीन माह पूर्व ही समीक्षा शुरू कर दी गई है। पिछले वर्ष के अनुभवों से सीख लेते हुए इस बार व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने पर जोर दिया जा रहा है, ताकि श्रद्धालु सुखद अनुभव लेकर लौटें। ओवरब्रिज निर्माण को लेकर मंत्री ने कहा कि डीपीआर की प्रक्रिया जारी है और डिजाइन पर काम चल रहा है। यह लंबी प्रक्रिया है, लेकिन प्रयास है कि इसे जल्द पूरा किया जाए।

बैठक में प्रमंडलीय आयुक्त संजय सिंह, देवघर उपायुक्त शशि शेखर सिंह, दुमका उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक प्रवीण पुष्कर, डीडीसी पीयूष सिन्हा, जरमुंडी विधायक देवेंद्र कुंवर, सारठ विधायक उदय शंकर सिंह, देवघर महापौर रवि राउत, उपमहापौर टिप चैटर्जी सहित कई विभागीय अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में पेयजल, स्वास्थ्य सेवा, स्वच्छता, यातायात प्रबंधन और आवास व्यवस्था जैसे अहम बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

पांच राज्यों में हुए चुनावों की मतगणना आज

एजेंसी

नई दिल्लीः पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुड्डुचेरी विधानसभाओं तथा विभिन्न राज्यों के आठ विधानसभा क्षेत्रों के उप चुनावों की मतगणना कड़ी सुरक्षा के बीच सोमवार सुबह आठ बजे शुरू होगी।

पश्चिम बंगाल में दक्षिण 24 परगना जिले की फाल्टा विधानसभा क्षेत्र में पुनर्मतदान कराये जाने के चुनाव आयोग के निर्णय के अनुसार वहां 21 मई को फिर मतदान कराया जायेगा। राज्य की शेष 243 सीटों के चुनावों की मतगणना कल सुबह आठ बजे शुरू होगी।

सभी राज्यों में शुरूआती आधे घंटे में पोस्टल बैलेट पेपर की मतगणना होगी। इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन से की जा रही मतगणना पूरी होने से पहले पोस्टल बैलेट पेपर की मतगणना हर हाल में पूरी कर ली जायेगी।

कल रात तक सभी राज्यों के चुनावों के नतीजे आ जाने की उम्मीद है।

चुनाव आयोग के सूत्रों के अनुसार पांचों राज्यों में मतगणना के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं। सभी मतगणना केन्द्रों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गये हैं।

मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर राष्टव्यापी बहस के बीच पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और केंद्र शासित प्रदेश पुड्डुचेरी की विधानसभा के चुनावों में मतदाताओं ने मतदान में बढ़चढ़कर भागीदारी की। पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में आजादी के बाद मतदान- प्रतिशत के नये रिकार्ड बने।

पश्चिम बंगाल में दो चरणों में हुए चुनाव में मतदान का कुल प्रतिशत 92.47 रहा। पहले चरण में 152 सीटों के लिए 23 अप्रैल को कराये गये मतदान में 93.19 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। दूसरे चरण में आज 142 सीटों पर कुल मिला कर 91.66 प्रतिशत मतदान हुआ। राज्य की कुल 294 सीटों के लिए 2926 उम्मीवार मैदान में हैं।

पश्चिम बंगाल में मतगणना 77 पुलिस पर्यवेक्षक तैनात किये जायेंगे। इसके अलावा 165 विधानसभा क्षेत्रों में विशेष पर्यवेक्षक तैनात किये जायेंगे। पश्चिम बंगाल में मुख्य मुकाबला सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच है। कांग्रेस और वामपंथी दल भी जोर आजमाइश में हैं।

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में 23 अप्रैल को एक चरण में हुए मतदान में सभी 234 सीटों पर कुल 84.93 प्रतिशत वोट पड़े। राज्य में कुल 4023 उम्मीदवार अपनी चुनावी किस्मत आजमा रहे हैं। राज्य में मुख्य मुकाबला सत्तारूढ़ द्रविण मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेतृत्व वाले गठबंधन और विपक्षी अन्ना द्रमुक- भाजपा गठबंधन के बीच है। इस बार अभिनय की दुनिया से तमिलनाडु की राजनीति के अखाड़े में उतरे सी जोसफ विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) ने कुछ सीटों पर मुकाबला त्रिकोणीय बना दिया है।

इन विधान सभा चुनावों के पहले चरण में नौ अप्रैल को असम, केरल तथा पुड्डुचेरी में मतदान कराया गया। असम में 85.46 प्रतिशत मतदाताओं ने मताधिकार का इस्तेमाल किया। राज्य की कुल 126 सीटों के लिये 722 उम्मीदवार मैदान में है। राज्य में मुख्य मुकाबला सत्तारूढ़ भाजपा और विपक्षी कांग्रेस के बीच है।

केरल में 78.17 प्रतिशत मतदान हुआ, जहां 140 सीटों के लिए 890 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। राज्य में मुख्य मुकाबला सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के नेतृत्व वाले वाम लोकतांत्रिक मोर्चे (एलडीएफ) और कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा के बीच है। भाजपा भी राज्य में पूरे दम खम के साथ अपनी उपस्थिति दर्ज कराने में लगी है।

पहले चरण में मतदान का सर्वाधिक प्रतिशत पुड्डुचेरी में रहा, जहां 89.87 प्रतिशत वोट डाले गये। वहां 30 सीटों के लिए 294 उम्मीदवार अपनी चुनावी किस्मत आजमा रहे हैं। पुड्डुचेरी में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन और कांग्रेस की अगुवाई वाले विपक्षी गठबंधन के बीच सीधा मुकाबला है।

गृह मंत्रालय भारत सरकार

हमारी जनगणना हमारा विकास

(जनगणना 2027 का पहला चरण)
स्व-गणना (Self Enumeration) से जुड़े सामान्य प्रश्न और उत्तर (भाग-2)

स्व-गणना क्या है?
स्व-गणना एक ऑनलाइन प्रक्रिया है जिसमें आप प्रगणक की प्रतीक्षा किए बिना, स्वयं SE पोर्टल (se.census.gov.in) पर अपने परिवार की जानकारी भर सकते हैं

स्व-गणना के क्या लाभ हैं?
- अपनी सुविधा से जानकारी भर सकते हैं
- गोपनीयता सुनिश्चित
- जनगणना प्रक्रिया को तेज़ और कुशल बनाती है

स्व-गणना पोर्टल में लॉग-इन कैसे करें?
- राज्य / संघ राज्य क्षेत्र चुनें
- मुखिया का नाम, मोबाइल नंबर और ईमेल (वैकल्पिक) भरें
- OTP द्वारा सत्यापन करें
- स्व-गणना शुरू करें

अपने घर का सही स्थान कैसे चिन्हित करें?
- जिला / पिनकोड चुनें
- क्षेत्र / लैंडमार्क दर्ज करें
- मैप पर ज़ूम करें और घर के पास लोकेशन मार्क करें (सटीक पता न दिखने पर घबराएं नहीं)
- सही लोकेशन चिन्हित करना आवश्यक है

क्या मैं अपनी जानकारी बाद में संशोधित कर सकता / सकती हूँ?
- सबमिट करने से पहले एडिट कर सकते हैं
- सबमिशन के बाद, प्रगणक के आने पर ही बदलाव संभव होगा

क्या स्व-गणना (SE) पोर्टल को भारत के बाहर से एक्सेस किया जा सकता है?
नहीं, यह सुविधा केवल भारत की भौगोलिक सीमा के भीतर उपलब्ध है

यदि सबमिशन के बाद गलती पता चले तो क्या करें?
प्रगणक के आने पर SE ID के साथ सुधार करवाया जा सकता है

क्या मैं फॉर्म सेव करके बाद में पूरा कर सकता / सकती हूँ?
हां, आप प्रोग्रेस सेव कर सकते हैं और निर्धारित समय के भीतर फॉर्म पूरा कर सकते हैं

CBC 19108/13/0080/2627

टोल फ्री - 1855

चलो निभाएं अपनी ज़िम्मेदारी, करें जनगणना में भागीदारी

CensusIndia2027

एक किलो अफीम के साथ तस्कर रंगेहाथ गिरफ्तार

खूँटी पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 5 लाख रुपये कीमत की अवैध अफीम बरामद

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले में अवैध नशे के कारोबार के खिलाफ खूँटी पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने एक युवक को करीब एक किलो अफीम के साथ रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। बरामद अफीम की अनुमानित कीमत लगभग 5 लाख रुपये बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार पुलिस को सूचना मिली थी कि सदर अस्पताल से इट्ठे की ओर जाने वाली मुख्य सड़क पर एक युवक मोटरसाइकिल से अवैध अफीम लेकर बिक्री के लिए पहुंचा है। सूचना मिलते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक विशेष छापेमारी टीम का गठन किया और इलाके की घेराबंदी कर दी।

छापेमारी के दौरान पुलिस ने एक संदिग्ध युवक को काले रंग की पल्सर मोटरसाइकिल पर देखा। पुलिस को देखते ही युवक भागने की कोशिश करने लगा, लेकिन मोटरसाइकिल स्टार्ट नहीं हो पाई। इसके बाद वह बाइक छोड़कर भागने लगा, जिसे पुलिस ने पीछा कर दबोच लिया।

तलाशी के दौरान पुलिस ने मोटरसाइकिल की सीट के अंदर छिपाकर रखे गए काले पॉलिथीन से करीब एक किलो अवैध अफीम बरामद किया। गिरफ्तार युवक की पहचान 25 वर्षीय मानी मुंडा के रूप में हुई है, जो मारंगहादा थाना क्षेत्र का निवासी है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। साथ ही इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोगों की पहचान के लिए जांच तेज कर दी गई है। पुलिस लगातार छापेमारी कर नेटवर्क का पदार्फाश करने में जुटी हुई है। खूँटी पुलिस की इस कार्रवाई को जिले में नशे के खिलाफ बड़ी सफलता माना जा रहा है।

बाबा आम्रेश्वर धाम जाते परिवार की सड़क हादसे में महिला की मौत, पति घायल

बिभा संवाददाता

खूँटी । राँची से खूंटी की ओर आ रहे बाइक सवार परिवार रविवार को अज्ञात चार पहिया वाहन के द्वारा टक्कर मारने से एक महिला की मौत हो गयी। यह दर्दनाक सड़क हादसे में पूजा करने जा रहे एक परिवार की खुशियाँ मातम में बदल गईं। राँची से बाबा आम्रेश्वर धाम जा रहे बाइक सवार परिवार को अज्ञात चारपहिया वाहन ने टक्कर मार दी, जिसमें महिला की मौत हो गई, जबकि पति घायल हो गया। घटना राँची-खूँटी मुख्य मार्ग पर तजना नदी के समीप की है। जानकारी के अनुसार राँची जिले के हरमू विद्यानगर निवासी मनीष कुमार अपनी पत्नी बिनिता देवी और बेटी अरुणा कुमारी के साथ बाबा आम्रेश्वर धाम पूजा करने बाइक से खूँटी आ रहे थे। जैसे ही वे तजना नदी के पास पहुंचे, एक तेज रफ्तार अज्ञात चारपहिया वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गया। हादसे में मनीष कुमार और उनकी पत्नी बेहोश हो गए, जबकि बेटी को मामूली चोटें आईं। स्थानीय लोगों की मदद से सभी को तुरंत सदर अस्पताल पहुंचाया गया, जहाँ चिकित्सकों ने बिनिता देवी को मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि उनके चेहरे पर गंभीर चोटें आई थीं। अरुणा कुमारी ने बतायी कि ‍हम लोग मम्मी-पापा के साथ पूजा करने जा रहे थे, तभी एक गाड़ी ने टक्कर मार दी और भाग गया। मेरी मां पिताजी दोनों बेहोश पड़े थे। जिसको पुलिस और अन्य लोगों की मदद से सदर अस्पताल लाया गया है। मां के चेहरे पर गहरी चोटें आई है और नाक मुंह से खून निकल रहा है। पिताजी को होश आया लेकिन उनको कुछ याद नहीं आ रहा है। घटना की सूचना मिलते ही परिजन सदर अस्पताल पहुंचे, जहां उनका रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं पुलिस ने मामले की जानकारी मिलते ही अस्पताल पहुंचकर आवश्यक प्रक्रिया पूरी की, शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है और फरार वाहन की तलाश शुरू कर दी है। फिलहाल पुलिस हादसे के आरोपी वाहन की पहचान में जुटी है, वहीं इस घटना ने एक बार फिर तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने के खतरे को उजागर कर दिया है।

तेज आंधी-बारिश से विधवा महिला का घर उजड़ा, मुखिया ने मौके पर पहुंच कर दिया सहायता का भरोसा

बिभा संवाददाता

बेड़ो: प्रखंड के मुरतो पंचायत अंतर्गत ग्राम पहाड़कंडरिया में शनिवार शाम लगभग 3 बजे आई तेज आंधी और बारिश ने एक गरीब विधवा महिला के आशियाने को उजाड़ दिया। जानकारी के अनुसार यशोदा देवी, पति स्वर्गीय कृष्णा गोप, के घर का छत तेज हवाओं के कारण पूरी तरह उड़ गया, जिससे उनका घर रहने लायक नहीं बचा। अचानक आई इस आपदा से महिला के सामने रहने और खाने की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है।

घटना के बाद आसपास के ग्रामीणों में भी चिंता का माहौल देखा गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि आंधी इतनी तेज थी कि कई जगहों पर नुकसान की खबरें सामने आई हैं, लेकिन यशोदा देवी का नुकसान सबसे अधिक हुआ है। एकमात्र सहारा छिन जाने से वह खुले आसमान के नीचे जीवन बिताने को मजबूर हो गई हैं।

मामले की सूचना मिलते ही पंचायत की मुखिया सुनीता सोरेंग तत्परता दिखाते हुए मौके पर पहुंचीं और पीड़ित महिला से मिलकर उनका हालचाल जाना। उन्होंने आश्वस्त किया कि जल्द ही आपदा प्रबंधन विभाग के माध्यम से मुआवजा दिलाने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी, ताकि पीड़ित परिवार को राहत मिल सके। साथ ही उन्होंने प्रशासन से भी शीघ्र सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है।

रांची जिला मोमिन कॉन्फ्रेंस ने चलाया एकदिवसीय एसआईआर जागरूकता अभियान

एसआईआर के बहाने मुस्लिम वोटरों को बाहर करने की साजिश की आशंका : मोमिन कॉन्फ्रेंस

बिभा संवाददाता

रांची। नगड़ी प्रखंड में शनिवार को रांची जिला मोमिन कॉन्फ्रेंस द्वारा एकदिवसीय रक्फ़ जागरूकता सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में वक्ताओं ने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा झारखंड में शुरू की गई एसआईआर प्रक्रिया को लेकर अल्पसंख्यक समुदाय में चिंता और आशंका का माहौल है।

सम्मेलन में बताया गया कि राज्य में लगभग 2.65 करोड़ मतदाता हैं और एसआईआर प्रक्रिया के तहत मतदाता सूची का व्यापक सत्यापन, जांच और सुधार किया जाना है। इस दौरान अनुपस्थित, मृत, स्थानांतरित अथवा दोहरी प्रविष्टि वाले मतदाताओं की पहचान की जाएगी। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि पड़ोसी राज्यों में हुए एसआईआर के अनुभवों से यह आशंका पैदा होती है कि झारखंड में भी बड़ी संख्या में मुस्लिम मतदाताओं को निशाना बनाया जा सकता है।

सम्मेलन में कहा गया कि एसआईआर के लिए वर्ष 2003-04 की मतदाता सूची को आधार बनाया गया है, जिसमें कई तरह की विसंगतियां मौजूद हैं। नाम और फोटो में गड़बड़ी जैसी समस्याएं सामने आ रही हैं। वक्ताओं का कहना था कि यदि इन त्रुटियों को समय रहते दूर नहीं किया गया तो बड़ी संख्या में ऐसे लोग वोटर लिस्ट से बाहर हो सकते हैं, जिन्हें इसकी जानकारी तक नहीं होगी।

बैठक में यह भी चिंता जताई गई कि डोर-टू-डोर सत्यापन के दौरान अल्पसंख्यक मुस्लिम परिवारों की महिलाओं की पहचान प्रक्रिया में खानापूर्ति की आशंका है, जिसके कारण उनके नाम हटाए जा सकते हैं। वक्ताओं ने कहा कि यदि ऐसा हुआ तो बड़ी संख्या में मुस्लिम मतदाता अपने मताधिकार से वंचित हो जाएंगे।

मोमिन कॉन्फ्रेंस ने कहा कि झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी इस मुद्दे को लेकर गंभीर हैं और उन्होंने पार्टी स्तर पर बैठक कर एसआईआर से संभावित दुष्परिणामों पर चिंता व्यक्त की है। संगठन ने मुख्यमंत्री द्वारा उठाए गए कदमों का समर्थन किया।

रांची जिला मोमिन कॉन्फ्रेंस के जिला अध्यक्ष शमीम अख्तर ने कहा कि संगठन जल्द ही मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी से मिलकर ज्ञापन सौंपेगा और एसआईआर प्रक्रिया में किसी भी प्रकार के भेदभाव को रोकने की मांग करेगा। उन्होंने कहा कि समाज के लोगों को जागरूक करने के लिए लगातार अभियान चलाया जाएगा।

इस अवसर पर वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता शहीद अहमद, अखिल अख्तर, जमाल अंसारी, इमरान अंसारी, अमरूल होड़ा, रहमतुल्ला अंसारी, मंजूर अंसारी, आजाद अंसारी, मोहम्मद साद, अब्दुल लतीफ अंसारी, शाहनवाज अंसारी, सफीक, समसुल अंसारी सहित दर्जनों लोग उपस्थित थे।

सिदगोड़ा में दिनदहाड़े चोरी, टाटा स्टीलकर्मी के घर से नकद व जेवरात उड़ाए

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। सिदगोड़ा थाना क्षेत्र स्थित अमल संघ के पास एक क्वार्टर में रविवार को दिनदहाड़े चोरी की घटना ने इलाके में हड़कंप मचा दिया। चोरों ने क्वार्टर नंबर एल-4/39 में रहने वाले टाटा स्टील के कर्मचारी राकेश कुमार झा के घर को निशाना बनाते हुए करीब 10 से 12 हजार रुपये नकद के साथ-साथ लाखों रुपये के जेवरात चोरी कर लिए। घटना उस समय हुई जब राकेश कुमार झा अपने परिवार के साथ गांव में एक शादी और मुंडन समारोह में शामिल होने गए हुए थे।बताया जाता है कि घर की देखरेख की जिम्मेदारी एक परिचित व्यक्ति को सौंपी गई थी। रविवार सुबह करीब 8 बजे वह घर को बंद कर अपनी ड्यूटी पर चला गया। इसी बीच चोरों ने सुनसान घर का फायदा उठाते हुए पीछे के दरवाजे को तोड़कर अंदर प्रवेश किया। घर में घुसते ही उन्होंने अलमारी को तोड़ा और उसमें रखे नकद और कीमती गहनों को समेटकर फरार हो गए। वारदात के तरीके से यह अंदाजा लगाया जा रहा है कि चोर पहले से घर पर नजर रखे हुए थे और मौके का इंतजार कर रहे थे।

गांव से रविवार दोपहर करीब 2 बजे जब राकेश कुमार झा वापस अपने घर लौटे तो दरवाजा टूटा हुआ मिला और अंदर का सारा सामान अस्त-व्यस्त पड़ा था। अलमारी भी क्षतिग्रस्त हालत में थी। यह दृश्य देखकर वे सन्न रह गए और तुरंत सिदगोड़ा थाना को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। थाना प्रभारी फैज अहमद ने बताया कि मामले में अज्ञात चोरों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और घटना की जांच की जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

तैलिक साहू महासभा ने छात्रा सोनाक्षी चन्द्रा को किया सम्मानित

जमशेदपुर(बिभा)। सेक्रेड हार्ट कॉन्वेंट स्कूल, जमशेदपुर की छात्रा सोनाक्षी चन्द्रा को आईसीएसई दसवीं कक्षा में 97.60 प्रतिशत अंक लाने पर अखिल भारतीय तैलिक साहू महासभा पूर्वी सिंहभूम जिला द्वारा अंग वस्त्र, एवं सम्मान पत्र उपहार स्वरूप देकर सम्मानित किया गया। साथ ही बधाई एवं शुभकामनाएं दी गयी। रविवार को तैलिक साहू महासभा के जिला कार्यवाहक अध्यक्ष राकेश साहू के नेतृत्व में छात्रा के आवास मां तारिणी कॉलोनी, घाघीडीह जाकर सम्मानित किया गया। छात्रा के पिता शैलेन्द्र कुमार साहू समाज के जिला सचिव हैं। माता चन्द्र कला कुमारी हैं। जिला कार्यवाहक अध्यक्ष राकेश साहू ने बताया कि समाज के जितने भी बच्चे इस बार टॉप किए हैं उन सभी लोगों को सम्मानित किया जाएगा। समाज के द्वारा आने वाले दिनों में ऐसे परिवार और छात्र-छात्रओं को और मनोबल बढ़े इसके लिए रणनीति बनाई जाएगी। मौके पर छात्रा के माता-पिता सहित मुख्य रूप से शिवलोचन शाह, राहुल, रंजीत कुमार साव, पहलाद कुमार, शैलेंद्र कुमार, पूजा साव, मनीष साहू, आयुष कुमार, रीता देवी, सत्यदेव प्रसाद, गुड़िया कुमारी, चंद्रकला देवी उपस्थित थे।

हिदाया एक्सीलेंस स्कूल इटकी में कैरियर गाइडेंस व मोटिवेशनल कार्यक्रम का आयोजन

इटकी (बिभा): इटकी स्टेशन रोड बरी तालाब स्थित हिदाया एक्सीलेंस स्कूल में विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य को ध्यान में रखते हुए कैरियर गाइडेंस एवं मोटिवेशनल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 90 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र भी दीया गाय ! कार्यक्रम के मुख्य वक्ता मुहम्मद गालिब नश्तर और जेएलकेएम के जिला ग्रामीण अध्यक्ष खलील खान और जे ऐम ऐम प्रखंड अध्यक्ष वसीम इकबाल ने विद्यार्थियों को कैरियर चयन शिक्षा के महत्व लक्ष्य निर्धारण और सफलता के लिए निरंतर मेहनत की आवश्यकता पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सही दिशा, अनुशासन और लगन से ही जीवन में सफलता प्राप्त की जा सकती है। ,मौलाना अंसार, हाफिज मुजाहिद साहब, विद्यालय के प्रधानाचार्य मुहम्मद सैफ, एडमिनिस्ट्रेटर मुहम्मद मुसद्दिक साहब एवं शोएब अंजुम साहब सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने विद्यार्थियों को आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने और शिक्षा को प्राथमिकता देने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने अपने कैरियर से जुड़े सवाल पूछे और विशेषज्ञों से मार्गदर्शन प्राप्त किया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

इटकी के मोरो गांव में श्रद्धा और उल्लास के साथ मंडा पूजा संपन्न

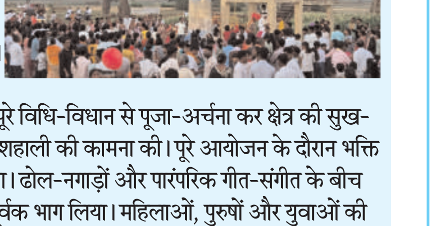

इटकी(बिभा) : प्रखंड अंतर्गत मोरो गाँव में पारंपरिक आस्था और उत्साह के साथ मंडा पूजा धूमधाम से संपन्न हुई। इस पावन अवसर पर गाँव के श्रद्धालुओं ने पूरे विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। पूरे आयोजन के दौरान भक्ति का वातावरण बना रहा। ढोल-नगाड़ों और पारंपरिक गीत-संगीत के बीच श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। महिलाओं, पुरुषों और युवाओं की सक्रिय भागीदारी ने इस आयोजन को और भी भव्य बना दिया। ग्रामीणों ने बताया कि मंडा पूजा उनकी प्राचीन परंपरा का हिस्सा है, जिसे हर वर्ष पूरे श्रद्धा भाव के साथ मनाया जाता है। इस आयोजन ने न केवल धार्मिक आस्था को मजबूत किया, बल्कि सामाजिक एकता और भाईचारे का भी संदेश दिया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में गाँव के सभी लोगों का सराहनीय योगदान रहा, जिससे पूरे क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल बना रहा।

बांसारूली गांव में तीन दिवसीय हरिनाम संकीर्तन शुरू, 6 मंडलियों ने लिया भाग

सिल्ली(बिभा) : तीन दिवसीय हरिनाम संकीर्तन का शुभारंभ बांसारूली गांव मे किया गया। वही जागरण का आयोजन सोमवार को होगा। जिसमें कुल छः कीर्तन मंडली भाग लेंगे। इस कीर्तन मंडली में गोपाल दास गोस्वामी तानासी, कृष्ण दास गोस्वामी निधि टांड, रासबिहारी ओझा. साड़म, पिंटू दास गोस्वामी. रघुनाथपुर, सुखराम बेदिया मिसिरहोटाग एवं राधा रानी महिला संकीर्तन समिति सारामबो की मंडली आदि ने कीर्तन में भाग लिया। वही ग्रामीणों ने कीर्तन का आनंद उठाया। इस आयोजन को सफल बनाने में देवकुमार महतो,सुखदेव महतो,जयनारायण साहु, अरबिन्द साहु एवं समस्त ग्रामवासी मौजूद थे।

धतकीडीह में दिनदहाड़े फायरिंग, दो बदमाश हथियार के साथ गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। बिष्टुपुर थाना क्षेत्र के धतकीडीह स्थित कुरैशी मुहल्ले में रविवार को दिनदहाड़े हुई फायरिंग की घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। बदमाशों ने गामा होटल के पास पहुंचकर हवाई फायरिंग की, जिससे आसपास के लोगों में दहशत का माहौल बन गया और अफरा-तफरी मच गई। लोग अपनी सुरक्षा के लिए इधर-उधर भागने लगे।

घटना की सूचना मिलते ही बिष्टुपुर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच शुरू की। फुटेज के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो बदमाशों को हथियार के साथ गिरफ्तार कर लिया। बताया जा रहा है कि इस घटना में ‍गोरा‍ नामक एक अपराधी का नाम भी सामने आ रहा था।

फायरिंग की घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। होटल संचालक की निशानदेही और मोबाइल लोकेशन के आधार पर पुलिस ने आरोपियों को दबोचा। पुलिस ने घटना में इस्तेमाल किए गए हथियार को भी बरामद कर लिया है।

घटना को अंजाम देने के बाद बदमाश मौके से फरार हो गए थे, जिसके बाद पुलिस ने कपाली इलाके में भी छापेमारी की। फिलहाल गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ जारी है और फायरिंग के पीछे के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

पुलिस का कहना है कि मामले का जल्द ही खुलासा किया जाएगा और पूरे घटनाक्रम की जानकारी सोमवार को सामने लाई जाएगी।

संडे कटौती पर फूटा गुस्सा: चुरी परियोजना में मजदूरों का विद्रोह, 3 घंटे तक काम ठप

काम करो या घर जाओ अफसरशाही बयान से भड़के मजदूर, दबाव में झुका प्रबंधन

बिभा संवाददाता

खलारी। एनके क्षेत्र की चुरी परियोजना रविवार को मजदूरों के आक्रोश का केंद्र बन गई,जब संडे कटौती को लेकर सुबह की पाली में ही हालात बेकाबू हो गए।प्रबंधन की कथित मनमानी के खिलाफ मजदूरों ने एकजुट होकर काम ठप कर दिया और परियोजना परिसर में जोरदार प्रदर्शन शुरू कर दिया।मजदूरों का आरोप है कि प्रबंधन ने खुला भेदभाव करते हुए कुछ मजदूरों को संडे का लाभ दिया, जबकि कई मजदूरों का संडे काट दिया गया। इस फैसले ने मजदूरों में भारी नाराजगी पैदा कर दी।महिला और पुरुष सभी मजदूर एक साथ मैदान में उतर आए। यहां तक कि जिन मजदूरों को संडे का लाभ मिला था,वे भी अपने साथियों के समर्थन में काम छोड़कर आंदोलन में शामिल हो गए।मजदूरों ने सवाल उठाया कि जब एनके क्षेत्र की अन्य परियोजनाओं—डकरा, केडीएच, रोहिणी और पूणार्डीह—में सभी को संडे का लाभ मिल रहा है, तो चुरी परियोजना में ही यह भेदभाव क्यों किया जा रहा है?मामला उस समय और भड़क गया, जब मजदूरों ने जवाब मांगा। और अफसरशाही दिखाते हुए मैनेजर ने कहा—‍जिसे काम करना है करो, नहीं तो घर जाओ।‍ इस बयान ने आग में घी डालने का काम किया।मजदूरों ने इसे अपमानजनक बताते हुए तुरंत काम बंद कर दिया और बाहर निकलकर विरोध प्रदर्शन तेज कर दिया।करीब तीन घंटे तक परियोजना में काम पूरी तरह ठप रहा।इस दौरान प्रबंधन के अधिकारी मजदूरों को मनाने में जुटे रहे,लेकिन मजदूर अपनी मांगों पर अड़े रहे।उनका साफ कहना था कि बिना ठोस आश्वासन के काम पर वापसी नहीं होगी।लगातार बढ़ते दबाव और उत्पादन ठप होने की स्थिति के बीच आखिरकार प्रबंधन को पीछे हटना पड़ा।मजदूरों के अनुसार,प्रबंधन ने भविष्य में संडे कटौती में भेदभाव नहीं करने और सभी मजदूरों के साथ समान व्यवहार करने का आश्वासन दिया।हालांकि मजदूर लिखित गारंटी की मांग पर अड़े रहे, लेकिन मौखिक सहमति और बातचीत के बाद आखिरकार गतिरोध टूट गया।करीब तीन घंटे बाद सभी मजदूर एकजुट होकर काम पर लौट आए और परियोजना में कामकाज फिर से शुरू हो सका। इस घटना ने प्रबंधन की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब अन्य परियोजनाओं में एक समान व्यवस्था लागू है, तो चुरी परियोजना में अलग नियम क्यों अपनाया गया?

प्रबंधन का पक्ष

इस पूरे मामले पर प्रबंधन की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है, जिससे स्थिति और भी संदेह के घेरे में है।

तुलसी भवन में हिन्दी रचनाधर्मिता पर आधारित एकदिवसीय कार्यशाला 'युवा रचनाकार' का आयोजन

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। तुलसी भवन द्वारा संस्थान के मुख्य सभागार में हिन्दी रचनाधर्मिता पर आधारित एकदिवसीय कार्यशाला 'युवा रचनाकार' आयोजित की गई । जिसकी अध्यक्षता संस्थान के अध्यक्ष सुभाष चन्द्र मुनका ने की । जबकि स्वागत सह विषय प्रवेश उपाध्यक्ष राम नन्दन प्रसाद एवं संचालन प्रसन्न वदन मेहता तथा डॉ‍ अजय कुमार ओझा द्वारा किया गया । मुख्य अतिथि के रुप में सुप्रसिद्ध समाज सेवी एवं मेसर्स के.के.बिल्डर्स के प्रबंध निदेशक विकास सिंह मंचासीन रहे । कार्यक्रम का आरंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन एवं उपासना सिन्हा के सस्वर सरस्वती वंदना से हुई । इस अवसर पर नगर के 29 विद्यालयों से 238 छात्र - छात्राएँ , उनके शिक्षकगण तथा नगर के ख्यातिलब्ध साहित्यकारों ने भाग लिया ।

विभिन्न सत्र में आयोजित इस कार्यक्रम में कथा सत्र के विशेषज्ञ अब्दुल बारी मेमोरियल कॉलेज की पूर्व प्राचार्य डॉ‍ मुदिता चन्द्रा तथा समन्वयक सुरेश चन्द्र झा, काव्य सत्र के विशेषज्ञ डी.बी.एम.एस. की प्राध्यापक पामेला घोष दत्ता तथा समन्वयक ब्रजेन्द्र नाथ मिश्र एवं संवाद,सम्प्रेषण तथा समाचार लेखन सत्र के विशेषज्ञ आई.एस.डब्ल्यू.पी. के पूर्व महाप्रबंधक अवतार सिंह तथा समन्वयक वसंत जमशेदपुरी रहे । कार्यक्रम के समापन सत्र में छात्र-छात्राओं द्वारा स्वरचित काव्य पाठ के पश्चात सारे प्रतिभागी बच्चों को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया । जबकि उनके शिक्षक - शिक्षिकाओं को प्रमाण पत्र, अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ प्रदान कर सम्मानित किया गया । आयोजन के अन्तर्गत भोजनावकाश के दौरान निनाद संस्था द्वारा पूनम महानंद के संचालन में भजन जैमिंग प्रस्तुत की गई ।

मौके पर मुख्य रुप से सुभाष चन्द्र मुनका , राम नन्दन प्रसाद, प्रसन्न वदन मेहता, डॉ० यमुना तिवारी 'व्यथित', डॉ० अजय कुमार ओझा, अरुणा भूषण शास्त्री, वीणा पाण्डेय भारती, उपासना सिन्हा, अशोक पाठक 'स्नेही', ब्रजेन्द्रनाथ मिश्र, कैलाश नाथ शर्मा 'गाजीपुरी', रीना सिन्हा, डॉ‍ अरुण कुमार शर्मा, मनीष सिंह वंदन, नीता सागर चौधरी, विजय लक्ष्मी वेदुला, डॉ‍ अरुण सज्जन, डॉ‍ संजय पाठक सनेही, डॉ‍ उदय प्रताप हयात, शैलेन्द्र पाण्डेय शैल, राजेन्द्र साह राज, वीणा कुमारी नंदिनी, सुरेश चन्द्र झा, अनिता निधि, राजेन्द्र सिंह, क्षमाश्री दुबे, मनुश्री दुबे, हरभजन सिंह रहबर तथा विमल किशोर विमल सहित दर्जनों साहित्यकारों की उपस्थिति रही ।

अंत में संस्थान के सह सचिव प्रकाश मेहता द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया ।

बुद्धा पब्लिक स्कूल सिल्ली में बुद्ध पूर्णिमा धूमधाम से मनाई गई

बिभा संवाददाता

सिल्ली : बुद्धा पब्लिक स्कूल सिल्ली में शुक्रवार के दिन बुद्ध पूर्णिमा बड़े धूमधाम से मनाई गई।इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वृंदावन से आए अमर चंद्र शास्त्री,स्वप्न चक्रवर्ती एवं सुभाष श्रीवास्तव मौजूद रहे। सभी सम्मानित अतिथियों ने भगवान बुद्ध की प्रतिमा में पुष्प अर्पित किया और उनके सिद्धांतों का पालन करने की प्रतिज्ञा भी ली।कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के निदेशक ने अपने संबोधन में कहा कि भगवान बुद्ध के द्वारा दिए गए मंत्र विश्व शांति और मानव कल्याण के लिए प्रासंगिक बताया साथ ही पूरा विद्यालय बुद्धं शरणं गच्छामि के वातावरण से पूरे विद्यालय का वातावरण गूंज उठा।वहीं विद्यालय के प्राचार्य वी सुधीर राव ने भगवान बुद्ध के उपदेशों को आज के समय में काफी महत्वपूर्ण बताया। मुख्य अतिथियों ने भगवान बुद्ध के जीवन दर्शन और शिक्षा दर्शन पर अपने विचार व्यक्त किया और उनके विचारों को अपनाने पर जोर दिया।इस मौके पर विद्यालय के शिक्षक एवं शिक्षिकाएं सुषमा सिंह,बिणा पानी देवी,नकुल बड़ाइक,राहुल भद्र,प्रिया दुबे,अंजलि साहू लंकेश्वर,प्रतिमा सिंह,महादेव, विपुल राय,वर्षा रानी,स्मिता कुमारी समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

देश की लोकतांत्रिक और न्यायिक संरचना को मजबूत करने के लिए केंद्र सरकार प्रतिबद्ध : मेघवाल

बिभा संवाददाता

रांची। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल रविवार को रांची दौरे पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया और न्यायिक व्यवस्था, महिला सशक्तीकरण और केंद्र सरकार की प्राथमिकताओं पर विस्तार से बात की। केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि देश की लोकतांत्रिक और न्यायिक संरचना को और मजबूत करने के लिए केंद्र सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने अधिवक्ताओं से अपील की कि वे न्याय प्रणाली को अधिक प्रभावी और सुलभ बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सबसे पहले रांची स्थित आरोग्य भवन में चलंत एकल कंप्यूटर लैब वाहन का उद्घाटन किया। इसके बाद दोपहर एक बजे बरियातू रोड स्थित एक होटल में उच्च न्यायालय के अधिवक्ताओं के सम्मेलन में शामिल हुए। इस सम्मेलन में न्यायिक व्यवस्था की चुनौतियों, सुधारों और अधिवक्ताओं की भूमिका पर चर्चा की गई।

यूनियन ऑफ लॉ ऑफिसर्स की ओर से आयोजित इस सम्मेलन में केंद्रीय कानून मंत्री ने कहा कि भारत की न्यायिक प्रणाली को दुनिया की सर्वश्रेष्ठ व्यवस्था बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार न्यायिक सुधारों के लिए लगातार प्रयासरत है और आने वाले समय में इसमें और पारदर्शिता और गति लाने पर जोर दिया जाएगा।

कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ भी मौजूद रहे। इस अवसर पर नारी शक्ति वंदन अधिनियम का जिक्र करते हुए कहा गया कि यह विधेयक महिलाओं के राजनीतिक सशक्तीकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। मंत्री ने कहा कि यह सरकार का स्पष्ट वादा है कि 2029 तक महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण का लाभ मिलेगा, जिससे देश की आधी आबादी को निर्णय प्रक्रिया में उचित भागीदारी मिल सकेगी।

अपने दौरे के अंतिम चरण में केंद्रीय मंत्री सांसद संस्कृति महोत्सव सह स्वदेशी मेला के समापन समारोह में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने और स्थानीय कारीगरों के समर्थन पर बल दिया। इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने पांच राज्यों के आने वाले चुनाव परिणाम पर पूछे गए सवाल का भी जवाब दिया। उन्होंने कहा कि जनता का निर्णय है और बहुत शानदार फैसला आने वाला है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में फैसला आने वाला है। साथ ही उन्होंने पश्चिम बंगाल में भी भाजपा की जीत का दावा किया।

केंद्रीय मंत्री का यह दौरा प्रशासनिक, न्यायिक और सामाजिक दृष्टिकोण से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जिसमें उन्होंने सरकार की नीतियों और भविष्य की योजनाओं को स्पष्ट रूप से सामने रखा।

रांची के मैरेज पैलेस में शादी के दौरान 30 लाख चोरी, सीसीटीवी के आधार पर तलाश जारी

बिभा संवाददाता

रांची। रांची के बरियातू थाना क्षेत्र स्थित मैथन मैरेज पैलेस में शादी समारोह के दौरान नकदी और जेवरात से भरे बैग की चोरी का सनसनीखेज मामला सामने आया है। घटना रविवार की है, जिसके बाद पीड़ित ने थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है।

प्राथमिकी के अनुसार, नामकुम निवासी विजय कुमार पांडेय अपनी पुत्री का विवाह मैथन मैरेज पैलेस में कर रहे थे। जयमाला के दौरान उनकी पत्नी मंजु पांडेय के पास रखा बैग, जिसमें नकद रुपये, सोने के जेवरात और एक मोबाइल फोन था, एक अज्ञात बच्चा लेकर फरार हो गया।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, मामले की जांच शुरू की, लेकिन अब तक आरोपी का कोई सुराग नहीं लग सका है।

पीड़ित विजय पांडेय ने मैरेज पैलेस प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि समारोह में सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं थे। उनके अनुसार चोरी की कुल राशि करीब 25 से 30 लाख रुपये के बीच है।

थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की जांच जारी है और सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। संदिग्ध की पहचान कर उसे पकड़ने के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है।

झारखंड में 4-5 मई को बारिश, वज्रपात और ओलावृष्टि का अलर्ट, 60 किमी/घंटा तक चलेंगी तेज हवाएं

रांची। झारखंड में मौसम एक बार फिर करवट लेने जा रहा है। मौसम विभाग ने 4 और 5 मई को राज्य के कई जिलों में बारिश के साथ वज्रपात (बिजली गिरने) और ओलावृष्टि की संभावना जताई है। इस दौरान 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का भी अनुमान है। संभावित खराब मौसम को देखते हुए विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, 4 मई को रामगढ़, हजारीबाग, कोडरमा, बोकारो, गिरिडीह, धनबाद, जामताड़ा, देवघर, दुमका, पाकुड़, गोड्डा और साहिबगंज जिलों में बारिश के साथ आंधी-तूफान और वज्रपात की संभावना है। वहीं 5 मई को राजधानी रांची समेत खूंटी, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, रामगढ़, हजारीबाग, बोकारो, कोडरमा, सरायकेला-खरसावां, धनबाद, गिरिडीह, देवघर, जामताड़ा, दुमका, पाकुड़, साहिबगंज और गोड्डा जिलों में भी मौसम का यही मिजाज बना रह सकता है।

संक्षिप्त खबरें

राज्यपाल से प्रतिभाशाली बालक इशांक ने की मुलाकात

रांची(बिभा)। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से रविवार को झारखंड के नन्हें प्रतिभाशाली बालक इशांक ने अपने परिजनों के साथ रांची के लोकभवन में शिष्टाचार भेंट की। उल्लेखनीय है कि मात्र 7 वर्ष की आयु में इशांक ने श्रीलंका और भारत के बीच स्थित लगभग 29 किलोमीटर लंबे पाक जलडमरूमध्य को पार कर एक ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम की है। इस अवसर पर राज्यपाल ने इशांक को इस अद्भुत उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता अनुशासन, साहस और लक्ष्य के प्रति अटूट समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने कहा कि इशांक ने न केवल झारखण्ड, बल्कि पूरे देश का मान बढ़ाया है और अन्य बच्चों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बने हैं। राज्यपाल ने इशांक के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उनके परिजनों एवं प्रशिक्षकों को भी इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए बधाई दी।

पर्यटकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है: मंजूनाथ भजन्त्री

रांची(बिभा) : जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री की अध्यक्षता में जिले के सभी डैम एवं जलाशयों में नौका विहार (बोटिंग) परिचालन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला स्तर पर वाटर ट्रांसपोर्ट एक्शन ग्रुप गठन करने का निर्देश दिया गया, ताकि किसी भी अपातकालीन स्थिति या दुर्घटना में त्वरित एवं प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित की जा सके। बैठक में पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण), गौरव गोस्वामी, अनुमंडल पदाधिकारी, सदर, कुमार रजत, जिला परिवहन पदाधिकारी अखिलेश कुमार, जिला शिक्षा अधीक्षक बादल राज , जिला खेल पदाधिकार शिवेंद्र सिंह, जिला नौका विहार संचालक एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजन्त्री ने स्पष्ट कहा कि पर्यटकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। जिले के डैम एवं जलाशयों को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करते हुए भी किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बच्चों वाले परिवारों से अपील की है कि बोटिंग करते पुरे समय लाइफ जैकेट की बेल्ट को अच्छी तरह से कस कर बांधें। बच्चों की लाइफ जैकेट की बेल्ट अभिभावक स्वयं बांधें और यह सुनिश्चित करें कि बच्चे पूरे समय लाइफ जैकेट पहने रहें। बोटिंग संचालकों को निर्देश दिए गए हैं कि वे बोट को निर्धारित गति सीमा में ही चलाएं। किसी भी प्रकार की स्टंटबाजी, अनावश्यक तेज रफ्तार, या जोखिम भरे तरीके से बोट चलाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसमें जुमार्ना, लाइसेंस निलंबन या कानूनी कार्रवाई शामिल हो सकती है। बच्चों की सुरक्षा की जिम्मेदारी अभिभावकों की होगी। बोटिंग संचालक यात्री क्षमता और निर्धारित गति का पालन करें। उक्त बैठक में तय सभी दिशा-निदेर्शों का सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

संगठन की मजबूती के लिए प्रदेश कांग्रेस ने की सात कमेटियों का गठन

बिभा संवाददाता

रांची। अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी से अनुमोदन के बाद प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने पार्टी संगठन की मजबूती के लिए सात कमेटियों की सूची जारी की।

प्रदेश अध्यक्ष ने रविवार को पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में प्रदेश कांग्रेस कमिटी के साथ अन्य समिति के पदाधिकारी और सदस्यों की सूची जारी की। प्रेस वार्ता में अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के सचिव और प्रदेश सह-प्रभारी भूपेन्द्र मारावी, सतीश पॉल मुंजनी, अभिलाष साहू, सोनाल शांति, राजन वर्मा उपस्थित थे।

प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि जेपीसीसी की एग्जीक्यूटिव कमेटी में एक ट्रेजरर, 16 वाइस प्रेसिडेंट, 43 जनरल सेक्रेटरी, 44 पीसीसी कोऑर्डिनेटर, 81 सेक्रेटरी और 44 जॉइंट सेक्रेटरी होंगे। उन्होंने बताया कि 14 वाइस प्रेसिडेंट को राज्य में एक-एक पार्लियामेंट्री सीट दी जाएगी और 02 वाइस प्रेसिडेंट को पीसीसी के डिपार्टमेंट्स और फ्रंटल्स को गाइड करने और उनके साथ कोऑर्डिनेट करने की ज़िम्मेदारी दी गई है।

वहीं 34 जनरल सेक्रेटरी को डीसीसी प्रेसिडेंट के साथ मिलकर कांग्रेस पार्टी को गाइड करने के लिए जिलों में भेजा जाएगा। बाकी 09 जनरल सेक्रेटरी को ऑर्गनाइजेशन, कनेक्ट सेंटर, मीडिया और कम्युनिकेशन, मॉनिटरिंग, ट्रेनिंग, कांग्रेस प्रॉपर्टी की सुरक्षा और शिकायत सुलझाने जैसी काम की ज़िम्मेदारियां दी जाएगी। कमलेश ने कहा कि 34 पीसीसी कोऑर्डिनेटर को डिपार्टमेंट और फ्रंटल की देखभाल के लिए जिलों में भेजा जाएगा।

10 पीसीसी कोऑर्डिनेटर को कोऑर्डिनेशन की ज़िम्मेदारियां

मौके पर बताया गया कि 10 पीसीसी कोऑर्डिनेटर को पूरे राज्य में कोऑर्डिनेशन की ज़िम्मेदारियां दी जाएगी। इसके अलावा 44 जॉइंट सेक्रेटरी को 44 जरूरी असेंबली इलाकों में सेक्रेटरी की मदद के लिए भेजा जाएगा। कमलेश ने कहा कि जेपीसीसी के प्रेसिडेंट अगले 48 घंटों में एक नोटिफिकेशन जारी करेंगे, जिसमें सभी ऑफिस बेयरर्स और कमेटियों को ज्योग्राफिकल और फंक्शनल ज़िम्मेदारियां दी जाएंगी। उन्होंने बताया कि जेपीसीसी की नई बनी एग्जीक्यूटिव कमेटी में सभी कम्युनिटी, महिलाओं और 45 साल से कम उम्र के युवाओं का सही रिप्रेजेंटेशन होगा। जेपीसीसी के ऑफिस बेयरर्स, डीसीसी के संबंधित प्रेसिडेंट, चुने हुए रिप्रेजेंटेटिव और दूसरे कांग्रेस नेताओं के साथ मिलकर तय पीसी जिलों और असेंबली इलाकों में काम करेंगे।

नवगठित कमिटी में इन कमिटियों का गठन

1. पीसीसी कार्यकारी समिति
2. राजनीतिक मामलों की समिति
3. समन्वय समिति
4. अभियान समिति
5. परिसीमन समिति
6. चुनाव प्रबंधन समिति
7. एसआईआर समिति

मुख्य सचिव ने जनगणना-2027 के तहत स्व-गणना की प्रक्रिया पूरी की

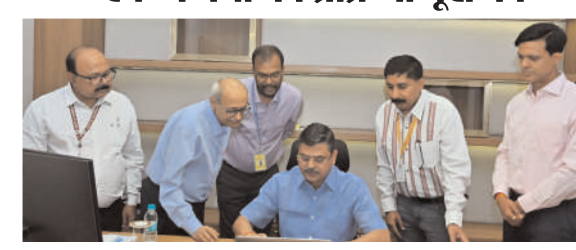

बिभा संवाददाता

रांची : मुख्य सचिव अविनाश कुमार ने जनगणना-2027 के तहत स्व-गणना की प्रक्रिया पूरी की। इस अभियान के तहत 01 मई से 15मई तक स्व-गणना कार्य प्रारंभ हो चुका है। इसी क्रम में रविवार को मुख्य सचिव श्री अविनाश कुमार ने स्व-गणना की प्रक्रिया पूरी की।

15 मई के पश्चात मकान सूचीकरण एवं मकान गणना कार्य दिनांक 16 मई से 14 जून 2026 तक पूरे राज्य में किया जाएगा। इस गहन जनगणना अभियान के दौरान घर-घर जाकर प्रगणक से संबद्ध कर्मी डेटा संग्रह करेंगे। सभी जिलों में इस कार्य के लिए प्रशासनिक तैयारियां शुरू कर दी गई है।

इस मौके पर प्रभात कुमार, निदेशक , जनगणना कार्य निदेशालय झारखण्ड, सुशांत गौरव, नगर आयुक्त नगर निगम रांची, डॉ० सत्येन्द्र कुमार गुप्ता संयुक्त निदेशक, शेषनाथ बैठा जिला सांख्यिकी अधिकारी, रांची, ज्ञानचंद्र महतो सहायक निदेशक आदि उपस्थित रहे।

झारखण्ड प्रदेश शौण्डिक संघ ने शुरू की नि:शुल्क प्याऊ सेवा, महापौर रोशनी खलखो ने किया उद्घाटन

बिभा संवाददाता

राँची: भीषण गर्मी के प्रकोप को देखते हुए झारखण्ड प्रदेश शौण्डिक संघ ने आम जनमानस को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से नि:शुल्क प्याऊ सेवा की शुरूआत की है। संघ की कार्यकारिणी की बैठक में लिए गए निर्णय के तहत वर्द्धमान कंपाउंड स्थित प्रदेश अध्यक्ष के आवास के समक्ष प्रथम प्याऊ का भव्य उद्घाटन किया गया। इस पुनीत कार्य का शुभारंभ राँची की महापौर रोशनी खलखो द्वारा किया गया। उद्घाटन के दौरान महापौर ने संघ के इस सराहनीय प्रयास की प्रशंसा करते हुए कहा कि तपती गर्मी में राहगीरों को शीतल पेयजल उपलब्ध कराना मानवता की सच्ची सेवा है। संघ द्वारा शहर के तीन अन्य स्थानों पर भी आज से प्याऊ सेवा प्रारंभ की गई है, जिससे अधिक से अधिक लोगों को राहत मिल सके। इस सेवा के अंतर्गत रमेश साहु द्वारा स्टील गिलास तथा रमण साहु एवं सुमन साहु द्वारा गुड़-चना की व्यवस्था सभी केंद्रों पर उपलब्ध कराई गई है। इस अवसर पर संघ के अध्यक्ष सुनील साहू एवं महासचिव विद्याधर प्रसाद ने संयुक्त रूप से बताया कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए संघ द्वारा सार्वजनिक स्थानों पर पेयजल की व्यवस्था की जा रही है, ताकि राहगीरों को गर्मी से राहत मिल सके। कार्यक्रम के दौरान जयश्री साहु ने महापौर का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। मौके पर संरक्षक अरुण गुप्ता, कुमुद साहु, वरिष्ठ उपाध्यक्ष उदय साहू सहित रमेश साहु, मयंक साहु, पंकज साहू, कुणाल शाह, अरुणदेव कुमार, कलिंदर साहू, दुर्गेश साहु, मुकेश साहू, सुमन साहू, संजय साहू, ओम प्रकाश साहु, आकाश अंकुर, दिलीप साहु, कुशेश्वर चौधरी, मिथिलेश साहु, नवल साहु, शिवेन्द्र जी, कृष्णा साहु समेत संघ के कई गणमान्य सदस्य एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में महासचिव ने सभी अतिथियों और सदस्यों का आभार व्यक्त किया। साथ ही समाज के अन्य वर्गों से भी इस तरह के परोपकारी कार्यों में आगे आने का आह्वान किया गया।

भाजपा का 'नारी शक्ति' कार्ड सिर्फ एक चुनावी छलावा: अंबा प्रसाद

बिभा संवाददाता

रांची : राजधानी में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस की राष्ट्रीय सचिव अंबा प्रसाद ने भाजपा के महिला हितैषी दावे पर गंभीर सवाल उठाते हुए इसे चुनावी रणनीति का हिस्सा बताया. उन्होंने आरोप लगाया कि महिलाओं के नाम पर राजनीतिक लाभ लेने के लिए भ्रम फैलाया जा रहा है और संविधान की गलत व्याख्या की जा रही है.

कांग्रेस भवन में हुई इस प्रेस वार्ता में महिला कांग्रेस की कई वरिष्ठ नेता भी मौजूद रहीं. अंबा प्रसाद ने कहा कि महिला आरक्षण को लेकर जो प्रचार किया जा रहा है, वह वास्तविकता से अलग है. उनके मुताबिक, वर्ष 2023 में पारित संशोधन के तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण पहले ही संवैधानिक रूप से शामिल किया जा चुका है.

उन्होंने स्पष्ट किया कि संविधान में जोड़े गए प्रावधान, अनुच्छेद 330ए, 332ए और 334ए, पहले से ही इस आरक्षण का आधार तय करते हैं. खासतौर पर अनुच्छेद 334ए में यह उल्लेख है कि यह व्यवस्था जनगणना और परिसीमन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही लागू होगी. ऐसे में इस विषय पर दोबारा बिल लाने या इसे नए रूप में पेश करने को उन्होंने भ्रम पैदा करने की कोशिश बताया.

उन्होंने आरोप लगाया कि आम लोगों, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाली महिलाओं को गुमराह करने की कोशिश की जा रही है. उनका कहना था कि जानकारी के अभाव का फायदा उठाकर गलत संदेश फैलाया जा रहा है. इसके खिलाफ कांग्रेस अब संविधान जागरूकता अभियान चलाने की तैयारी में है, ताकि लोगों तक सही जानकारी पहुंचाई जा सके.

सुंडी शौंडिक समाज की एकजुटता ही समाज की असली ताकत: उदयशंकर

बिभा संवाददाता

रांची : 3 मई को आहूत अखिल भारतीय सूंड़ी शौंडिक वैश्य के राष्ट्रीय कार्यदल की बैठक में जुटे पूरे भारत वर्ष के विभिन्न राज्यों के उपस्थित पदाधिकारियों व प्रतिनिधियों द्वारा सर्वप्रथम सूंड़ी शौंडिक समाज के स्तम्भ एवं संस्थापक प्रथम सभापति स्व राय साहब बलदेव साहू तथा स्व शिव प्रसाद साहू के उनके आवास में अवस्थित मूर्ति को माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित कर उसके उनके आवास से जुलूस के साथ स्व. राय साहब बलदेव साहू, स्व शिव प्रसाद साहू स्मृति भवन कॉन्फ्रेंस हॉल में पहुंचकर उपस्थित मुख्य अतिथि उदय शंकर प्रसाद ,कार्यक्रम की अध्यक्षता सह पूर्व राज्यसभा धीरज प्रसाद साहू, बिहार ओबरा विधानसभा से जुझारू विधायक प्रकाश चन्द्र जी, राष्ट्रीय संयोजक शिवरतन प्रसाद गुप्ता, झारखण्ड प्रदेश शौंडिक संघ के पूर्व अध्यक्ष दिनेश प्रसाद साहू, वर्तमान अध्यक्ष सुनील साहू, आंध्र प्रदेश से आर काशिराव चौधरी, नेपाल के रामुदार महासेठ, उड़ीसा के विक्रम साहू, तेलंगाना से मुरली रत्नाला, सबिता साहूकार,उत्तर प्रदेश से संजय सरस्वती, वनारस से अंकित कुमार मुंबई से रमेश राउत, दिल्ली से रंजन प्रसाद, बिहार से सुमन महासेठ , प्रहलाद पूर्वे, कर्नाटक से अनिल चौधरी, आसाम से रामनाथ सुंडी,समेत उपस्थित अतिथियों के द्वारा सामूहिक रूप से द्वीप प्रज्वलित के साथ भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन, राय साहब स्व बलदेव प्रसाद साहु, शिव प्रसाद साहु जी के फोटो में पुष्प अर्पित के साथ किया गया। कार्यदल बैठक को सम्बोधित करते हुए बैठक के मुख्य अतिथि उदय शंकर प्रसाद साहू ने कहा कि समाज को आगे बढाने के लिये मनभेद को मिटाना तथा एकजुट होकर पूरे राष्ट्र स्तर एक संगठन के नीचे काम करना आज समय की माँग है। अतः उपस्थित सभी समाज के प्रतिष्ठित जनों से आग्रह है कि गुटबाजी एवं निजी स्वार्थ छोड़कर सभी को एक छाता के नीचे आना चाहिए। इसी में समाज की सफलता और इसे मजबूती मिलेगी।

जबकि कार्यसमिति बैठक की अध्यक्षता करते हुए पूर्व राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू ने कहा कि आज प्रण लेने की जरूरत है कि सभी अपने बच्चों का जब विवाह करे तो दहेज नही ले , मृत्यु भोज का भी बंदी पर विचार करें,जबकि समाज अगुवाई करते हुए सामूहिक विवाह आयोजन कर गरीब व असमर्थ लड़कियों तथा उसके परिवार का आर्थिक सहयोग कर उद्धार करे। साथ ही इस राष्ट्रीय कार्यदल सदस्यों के बीच घोषणा किये की बहुत जल्द सूंड़ी शौंडिक वैश्य समाज का ऐतिहासिक महासम्मेलन होगा जिसमें पूरे राष्ट्र का सुंडी शौंडिक वैश्य समाज लाखो की संख्या में उपस्थित होंगे। इस राष्ट्रीय कार्यदल बैठक ने सर्वसम्मति से निर्णय लेते हुए एक संगठन, एक छतरी, एक मंच,बनाने हेतु सहमति दी तथा अखिल भारतीय सूंड़ी शौंडिक वैश्य महासंघ का नामकरण करते हुए इसका प्रथम राष्ट्रीय अध्यक्ष सूंड़ी शौंडिक समाज के राष्ट्रीय संयोजक शिवरतन प्रसाद गुप्ता को बनाया गया।

लोहरदगा सूंड़ी समाज के जिलाध्यक्ष रितेश कुमार ने घोषणा किया की वे अपनो बच्चो का विवाह दहेजमुक्त करेंगे। जबकि इस बैठक में सार्थक पहल करते हुए सामाजिक उत्थान हेतु धर्मशाला निर्माण, दहेजप्रथा उन्मूलन, मृत्यभोज का समाप्ति पर जनजागरण, शैक्षणिक संस्थान की स्थापना, हॉस्पिटल निर्माण के साथ साथ विलक्षण प्रतिभाशाली छात्र छात्राओं को छात्रवृत्ति, सामूहिक विवाह इत्यादि पर सकरात्मक पहल करने का सभी उपस्थित कार्यदल के सभी लोगों ने एक स्वर में प्रण लिया। कार्यक्रम में पधारे सभी उपस्थित प्रतिनिधियों को बुके देकर माला एवं शॉल पहना कर एवं मोमेंटो देकर मंच पर बारी बारी से सम्मानित किया गया।

विधायक नवीन जायसवाल ने किया श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर रोड निर्माण कार्य का शिलान्यास

बिभा संवाददाता

रांची : रांची के कृष्णा नगर, पुंदाग थाना के पीछे फॉरेस्ट रोड स्थित श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर मार्ग के पीसीसी पथ निर्माण कार्य का शुभारंभ हटिया विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री नवीन जायसवाल द्वारा विधिवत पूजा-अर्चना एवं श्रीफल फोड़कर किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र में उत्साह और प्रसन्नता का वातावरण देखने को मिला। स्थानीय श्रद्धालुओं एवं नागरिकों ने विधायक का गर्मजोशी से स्वागत किया।

शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान विधायक नवीन जायसवाल ने कहा कि मंदिर मार्ग का निर्माण क्षेत्र की लंबे समय से चली आ रही महत्वपूर्ण आवश्यकता थी। इस सड़क के निर्माण से मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं, स्थानीय निवासियों तथा राहगीरों को काफी सुविधा मिलेगी। उन्होंने आश्वासन दिया कि निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ कर गुणवत्तापूर्ण तरीके से समय पर पूर्ण कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनसुविधाओं का विस्तार उनकी प्राथमिकता है और क्षेत्र के विकास के लिए सड़क, नाली, जल निकासी एवं अन्य बुनियादी सुविधाओं पर निरंतर कार्य किया जा रहा है। मंदिर मार्ग का निर्माण होने से आसपास के क्षेत्र का आवागमन भी सुगम होगा। कार्यक्रम के अंत में ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने विधायक नवीन जायसवाल के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मंदिर मार्ग के निर्माण से श्रद्धालुओं,आश्रम के निराश्रितजनों, बुजुर्गों एवं स्थानीय लोगों को विशेष लाभ मिलेगा।

झामुमो ने महंगाई और झारखंड के मुद्दों पर केन्द्र सरकार पर साधा निशाना

बिभा संवाददाता

रांची । झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि वर्ष 2014 में महंगाई के खिलाफ दिए गए नारे अब बदल चुके हैं। पिछले 12 वर्षों में खाद्य पदार्थ, ऊर्जा और यात्रा किराये में दो से ढाई गुना तक वृद्धि हुई है। व्यावसायिक गैस सिलेंडर की कीमत 950 रुपये से बढ़ाकर 2000 रुपये के पार पहुंचा दी गई है। होटल और खानपान व्यवसाय प्रभावित हो रहे हैं। लेकिन सरकार को इससे कोई फर्क नहीं पड़ रहा है। भट्टाचार्य रविवार को हरमू स्थित मोर्चा के प्रधान कार्यालय में प्रेस वार्ता में बोल रहे थे।

इस मौके पर उन्होंने केंद्र सरकार पर महंगाई, रेलवे सहित झारखंड में कई मुद्दों पर सरकार को घेरा और केंद्र पर जमकर निशाना साधा। सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि बढ़ती महंगाई से आम लोगों पर बोझ बढ़ा है। छोटे कारोबार प्रभावित हो रहे हैं। देशभर में लोग आर्थिक तंगहाली से गुजर रहे हैं। अर्थव्यवस्था चौपट होने के कगार पर है। यह चिंता का विषय है, लेकिन सरकार को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है। रेलवे के मुद्दे पर उन्होंने केंद्र सरकार पर झारखंड के साथ भेदभाव का आरोप लगाया। उनका कहना था कि राज्य देश को बड़ा राजस्व देता है, इसके बावजूद यहां रेल सुरक्षा और रखरखाव की स्थिति संतोषजनक नहीं है।
उन्होंने नारी शक्ति वंदन विधेयक पर भी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि 33 प्रतिशत आरक्षण पंचायत, नगर निकाय और अन्य निर्वाचित संस्थाओं में भी लागू किया जाना चाहिए। आदिवासी पहचान के सवाल पर उन्होंने कहा कि हेमंत सोरन ने वर्ष 2027 की जनगणना में सरना धर्म कोड शामिल करने की मांग केंद्र सरकार से की है। जिसे जानबूझकर लटकाया गया। उन्होंने कहा कि आदिवासी समुदाय की पहचान सुरक्षित रखना आवश्यक है। बावजूद इसके इसपर सरकार का ध्यान नहीं देना दुखद है।

नाबालिग लड़की का अपहरण, पुलिस ने 15 माह बाद सकुशल बरामद कर आरोपी को दबोचा

बिभा संवाददाता

बोकारो : चास डीएसपी परवीन कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने चीरा चास थाना क्षेत्र से लापता नाबालिग लड़की को सकुशल बरामद कर लिया। मामले में मुख्य आरोपी संतोष कुमार गोस्वामी उर्फ लादेन (29) को धनबाद रेलवे स्टेशन के पास गिरफ्तार किया गया। लड़की को परिजनों के हवाले कर दिया गया है।
9 फरवरी 2025 को नंदुआ स्थान निवासी सुशीला देवी ने अपनी नाबालिग भतीजी के अपहरण की शिकायत दर्ज कराई थी। लगातार जांच के दौरान पुलिस को डिजिटल साक्ष्य मिले, जिनसे खुलासा हुआ कि आरोपी और नाबालिग के बीच सोशल मीडिया पर दोस्ती हुई थी। आरोपी ने उसे बहला-फुसलाकर भगा लिया था। चास थाना प्रभारी पुष्प राज की अगुवाई में गठित टीम ने 2 मई को आरोपी को धनबाद से पकड़ा।
चास डीएसपी परवीन कुमार ने बताया, लंबी जांच के बाद डिजिटल सुरागों के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। नाबालिग सकुशल है और अब परिवार के पास सुरक्षित है। आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।
आरोपी चास थाना क्षेत्र के जोधाडीह मोड का निवासी है। इस सफलता पर पुलिस टीम की सराहना हो रही है।

संक्षिप्त खबरें

एमजीएम स्कूल की छात्राओं ने किया शानदार प्रदर्शन

बोकारो(बिभा)। एमजीएम हायर सेकेंड्री स्कूल सेक्टर चार एफ बोकारो में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। प्राचार्य फादर डा.जोशी वर्गीस ने कहा कि बोकारो के मोहन कुमार मंगलम स्टेडियम में हुए अस्मिता सिटी लीग में स्कूल की छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन किया। छात्राओं ने एथलेटिक्स एवं तीरंदाजी में बेहतर प्रदर्शन करते हुए कई पदक जीते। शाट पुट में कक्षा ग्यारहवीं की कुमारी अदिति ने स्वर्णिम सफलता हासिल की। कक्षा ग्यारहवीं की सुरभि कुमार ने रजत एवं कक्षा बारहवीं की पीहू कुमारी कांस्य पदक हासिल किया। डिस्कस थ्रो में कक्षा ग्यारहवीं की कुमारी अदिति ने रजत पदक प्राप्त किया। तीरंदाजी में हरलीन कौर ने कांस्य पदक हासिल किया। शारीरिक शिक्षा शिक्षक मो. मोहसिन के कुशल मार्गदर्शन में विद्यालय की छात्राओं ने इस प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन किया। प्राचार्य फादर डा.जोशी वर्गीस ने विद्यार्थियों को सम्मानित किया। उप प्राचार्य राखी बनर्जी, शैक्षणिक निदेशक जॉर्ज जोसेफ, हेड मिस्ट्रेस सपना जोशी, शारीरिक शिक्षा शिक्षक- शिक्षिकाओं ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

समावेशी शिक्षा प्रशिक्षण का दूसरा दिन: शिक्षकों ने लिया समान अवसरों का संकल्प

बोकारो(बिभा) : सीबीएसई के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय समावेशी शिक्षा शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का दूसरा दिन उत्साहपूर्ण रहा। अभिषेक कुमार, प्राचार्य एवं वेन्यू डायरेक्टर के मार्गदर्शन में संसाधन व्यक्तियों शिव शंकर यादव और सुश्री पूजा ने शिक्षकों को विविधता को अवसर के रूप में अपनाने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम का मुख्य फोकस समावेशी शिक्षा को व्यवहार में उतारना था। शिक्षा नीतियों पर चर्चा, समूहों में समावेशी पाठ योजनाओं का निर्माण और वास्तविक कक्षा स्थितियों पर विचार-विमर्श हुआ। अलग-अलग शिक्षण विधियाँ, लचीली परीक्षा प्रणाली, सहायक तकनीक, बच्चों का भावनात्मक विकास तथा सकारात्मक वातावरण जैसे बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। शिक्षकों को प्रेरित किया गया कि वे ऐसी कक्षाएँ बनाएँ जहाँ हर बच्चा सुरक्षित, सम्मानित और सक्षम महसूस करे। समापन में सभी ने संकल्प लिया कि अपने विद्यालयों को समान अवसरों का केंद्र बनाएँगे। शिव शंकर यादव ने कहा, समावेशी शिक्षा वह प्रकाश है, जहाँ हर बच्चा सम्मान, आशा और अपनी पूरी क्षमता के साथ आगे बढ़ता है।

खोया मोबाइल 6 माह बाद सीईआईआर पोर्टल से बरामद, सियालजोरी पुलिस ने मालिक को लौटाया

तलगड़िया (बोकारो)(बिभा) : सियालजोरी थाना अंतर्गत बाटबिनोर पंचायत के ग्राम बाटबिनोर निवासी पटल गोराई (पिताः बंशीधर गोराई) का छह माह पूर्व खोया मोबाइल फोन पुलिस ने बरामद कर उन्हें सही सलामत सौंप दिया। पटल गोराई ने बताया कि उनके मोबाइल के खो जाने पर उन्होंने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। सियालजोरी पुलिस ने केंद्रीय उपकरण पहचान पंजीकरण पोर्टल के माध्यम से मोबाइल ट्रैक कर सफलतापूर्वक बरामद किया। थाना प्रभारी रणजीत प्रसाद यादव ने पटल को मोबाइल सौंपते हुए कहा कि तकनीक के सहयोग से ऐसी कार्रवाई से जनता का विश्वास बढ़ता है।

उल्गोरा में रोटरी बोकारो चैरिटेबल ट्रस्ट ने 150 बच्चों को बांटे केक-मिठाई

बोकारो(बिभा) : रोटरी बोकारो चैरिटेबल ट्रस्ट ने अपने गोद लिए गए गांव उल्गोरा में अन्नपूर्णा परियोजना के तहत खाद्य सामग्री वितरण कार्यक्रम आयोजित किया। इस प्ले स्कूल संचालित कार्यक्रम में 2 से 5 वर्ष के लगभग 150 बच्चों को केक, बिस्किट, चिप्स और मिठाइयां वितरित की गईं, ताकि उनका पोषण स्तर मजबूत हो और जीवन में खुशियां आएं। ट्रस्ट द्वारा संचालित इस प्ले स्कूल का मुख्य उद्देश्य बच्चों को नियमित स्कूलों में प्रवेश के लिए तैयार करना है। कार्यक्रम में समिति सदस्य अशोक तनेजा का विशेष सहयोग रहा। ट्रस्ट ने बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए कैरम, टेबल टेनिस, शतरंज और लूडो जैसी सुविधाओं से लैस इनडोर गतिविधि केंद्र भी विकसित किया है। अन्नपूर्णा परियोजना से बच्चों में स्कूल आने की प्रेरणा बढ़ रही है और वे पढ़ाई से जुड़े रहते हैं। ट्रस्ट ऐसे सार्थक प्रयासों से बच्चों व समाज कल्याण के लिए निरंतर कार्यरत है।

भारतीय क्रांतिकारी मजदूर संघ की बैठक में मजदूर हितों पर महत्वपूर्ण फैसले, महाधरना की तैयारी

बिभा संवाददाता

बोकारो : रियांश मैरिज हॉल, बालीडीह में रविवार को भारतीय क्रांतिकारी मजदूर संघ (बीकेएमएस) की आवश्यक बैठक आयोजित हुई। आरिज हुसैन की अध्यक्षता और बबलू मंडल के संचालन में हुई इस बैठक में मजदूर हितों पर विस्तृत चर्चा हुई। संगठन ने महाधरणा से पहले जिले भर में जनसंपर्क अभियान तेज करने का फैसला लिया।
बैठक में निर्णय लिया गया कि महाधरणा से पूर्व बोकारो के नौ प्रखंडों, चास नगर निगम, फुसरो नगर कमेटी समेत पूरे जिले में अधिक से अधिक लोगों से संपर्क किया जाएगा।
जियाडा भवन के सामने बीकेएमएस का ऑफिस खोला जाएगा, जिसका उद्घाटन केंद्रीय महामंत्री जयराम कुमार महतो और केंद्रीय अध्यक्ष अजय कुमार महतो करेंगे। जियाडा भवन के बाहर एकदिवसीय महाधरणा का आयोजन होगा, जिसकी तिथि दोनों नेताओं के निर्देश पर बाद में घोषित की जाएगी। इसमें कम से कम 2000 लोगों की उपस्थिति सुनिश्चित होगी।

केंद्र सरकार के न्यूनतम वेतन को सभी फैक्टरियों में लागू कराना, कार्य अवधि 12 से घटाकर 8 घंटे करना। सभी मजदूरों को पीएफ, ईएसआई, मेडिकल सुविधा, ग्रुप इंश्योरेंस और रविवार को साप्ताहिक अवकाश सुनिश्चित करना।
बालीडीह औद्योगिक क्षेत्र की फैक्टरियों में झारखंड सरकार के नियम अनुसार 75 प्रतिशत स्थानीय झारखंडियों की भर्ती।
फैक्टरियों के प्रदूषण सर्टिफिकेट की जांच, वाहनों की अवैध पार्किंग हटाकर पार्किंग व्यवस्था, सड़कों पर लाइटिंग और मरम्मत के लिए जियाडा को आवेदन। बोकारो औद्योगिक क्षेत्र बालीडीह जियाडा अध्यक्ष बलराम झा, आरिज हुसैन, रथु लहरी, बबलू मंडल, अब्दुल्लाह अंसारी, अफसर अंसारी, गौरीलाल महतो, सुरनजन कपरदार, उमेश महतो, टुनटुन पांडे, रिंकू महतो, संतु कुमार, संजय महतो, हरेक लाल मोहली, वाहिद हुसैन, कुणाल मंडल, राहुल महतो, गुप्तेश्वर मंडल, मंटू कुमार, चुन्नू कुमार, गौरव कुमार, सुबोध महतो समेत सैकड़ों मजदूर भाई उपस्थित हुए। उन्होंने बैठक को सफल बनाया।

वेदांता ईएसएल के सीईओ बने रवीश शर्मा

बिभा संवाददाता

बोकारो : वेदांता ईएसएल स्टील लिमिटेड ने रवीश शर्मा को 1 मई 2026 से कंपनी का मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और पूर्णकालिक निदेशक नियुक्त किया है। इससे पहले वह कंपनी में डिप्टी सीईओ के पद पर कार्यरत थे। मेटल्स और माइनिंग क्षेत्र में 21 वर्षों से अधिक अनुभव रखने वाले रवीश शर्मा ने कंपनी की रणनीतिक पहलों और संचालन को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। डिमर्जर के बाद वेदांता स्टील नए चरण में प्रवेश कर रहा है। ऐसे में सीईओ के रूप में रवीश शर्मा की भूमिका कंपनी के विस्तार, संचालन और व्यवसायिक विकास के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है। वेदांता ईएसएल स्टील लिमिटेड देश की प्रमुख स्टील कंपनियों में शामिल है।

नीट (यूजी) परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न

धनबाद। धनबाद के पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय धनबाद नंबर- 1, डिग्री कॉलेज आरएसपी-2 जामाडोबा, बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल यूनिवर्सिटी, आईआईटी आईएसएम और एसएसएलएनटी कॉलेज में संचालित नीट (यूजी) परीक्षा रविवार को शांतिपूर्वक से संपन्न हुई। सभी केंद्रों के 100 मीटर परिक्षेत्र में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू रही। इसकी जानकारी देते हुए उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन ने बताया कि किसी भी परीक्षा केंद्र या कंट्रोल रूम में किसी समस्या से संबंधित कोई शिकायत दर्ज नहीं हुई।

धारदार हथियार से जानलेवा हमला, सोने की चेन लूटी- मामला दर्ज

बिभा संवाददाता

चास (बोकारो) : चास थाना क्षेत्र में एक युवक पर धारदार हथियारों से जानलेवा हमला करने और सोने की चेन छीनने का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़ित हर्ष पांडेय ने इस संबंध में चिरा चास थाना में लिखित आवेदन देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।
पीड़ित हर्ष पांडेय, निवासी बेटीतांड कौलानी, चास ने बताया कि 1 मई 2026 की शाम करीब 7:30 बजे वह बॉडी स्टेशन जिम के पास व्यायाम करने जा रहा था। इसी दौरान पहले से घात लगाए बैठे महताब अंसारी, आरिफ अंसारी सहित 8-10 अज्ञात लोगों ने अचानक उस पर हमला कर दिया। बताया जाता है कि हमलावरों के पास लोहे की रॉड, कुल्हाड़ी, चाकू और अन्य धारदार हथियार थे।

सभी ने मिलकर हर्ष पांडेय पर ताबड़तोड़ हमला किया, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं। हमले के दौरान उसके सिर और नाक से खून बहने लगा।
पीड़ित के अनुसार, मारपीट के दौरान हमलावरों ने उसके गले से सोने की चेन भी छीन ली। स्थानीय लोगों के बीच-बचाव करने पर सभी आरोपी मौके से फरार हो गए। जाते-जाते आरिफ अंसारी ने पिस्तौल सटाकर जान से मारने की धमकी भी दी।
घटना के बाद पीड़ित और उसका परिवार दहशत में है। मामले को लेकर थाना में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस ने बताया कि केस संख्या 37/26 दिनांक 02 मई 2026 के तहत विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया है तथा एएसआई संजय कुमार मंडल को जांच की जिम्मेदारी सौंपी गई है।
पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

भारत विकास परिषद् की नई कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

बिभा संवाददाता

बोकारो। भारत विकास परिषद् की वर्ष 2026-27 की नई कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह 02 मई को मंगलम (ओल्ड रशियन क्लब), सेक्टर-04 में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ।
कार्यक्रम का शुभारंभ वरिष्ठ सदस्यों द्वारा दीप प्रज्वलन एवं सामूहिक वंदे मातरम् के साथ हुआ। तत्पश्चात निवर्तमान अध्यक्ष ललित वर्मा द्वारा नव-निर्वाचित पदाधिकारियों—अनीता सिन्हा (अध्यक्ष), तनुजा प्रिया (सचिव) एवं ओम प्रकाश वर्णवाल (कोषाध्यक्ष)—को विधिवत दायित्व ग्रहण एवं शपथ दिलाई गई।
समारोह में परिषद् के वरिष्ठ सदस्यों, गणमान्य अतिथियों एवं बड़ी संख्या में सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही।
इस अवसर पर नव-निर्वाचित अध्यक्षा अनीता सिन्हा ने भारत विकास परिषद् के ह्लसंपर्क, सहयोग, संस्कार एवं सेवाह्व के मूल मंत्र को दोहराते हुए समाज सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की तथा संगठन को और अधिक सशक्त एवं गतिशील बनाने का संकल्प व्यक्त किया।

नव-निर्वाचित सचिव तनुजा प्रिया ने अपने संबोधन में सभी सदस्यों के सहयोग से परिषद् को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का विश्वास व्यक्त किया। कार्यक्रम का सफल संचालन निवर्तमान सचिव अनुप कुमार द्वारा किया गया।
अपने संबोधन में उन्होंने परिषद् की गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि भारत विकास परिषद् एक राष्ट्रीय स्तर का स्वैच्छिक संगठन है, जिसकी स्थापना 12 जनवरी 1963 को स्वामी विवेकानंद के आदर्शों से प्रेरित होकर की गई। संगठन संपर्क, सहयोग, संस्कार, सेवा एवं समर्पणह्व के सिद्धांतों पर कार्य करते हुए देशभर की 1600 से अधिक शाखाओं के माध्यम से स्वास्थ्य, शिक्षा एवं विभिन्न सामाजिक क्षेत्रों में सक्रिय योगदान दे रहा है। समारोह के उपरांत सभी उपस्थित अतिथियों के लिए सुस्वादु रात्रि भोज की व्यवस्था की गई, जिसमें सभी ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

खेल के माध्यम से बाल विवाह रोक थाम तथा किशोरी नेतृत्व पर दो दिवसीय प्रशिक्षण

बिभा संवाददाता

बोकारो। सहयोगिनी द्वारा बोकारो जिला अंतर्गत कस्टमर प्रखंड के दांत किया आंगनबाड़ी केंद्र में खेल-खेल के माध्यम से बाल विवाह रोकथाम तथा लड़कियों के नेतृत्व क्षमता को लेकर दो दिनों से प्रशिक्षण का आज शुरूआत किया गया कार्यक्रम की प्रथम सत्र को संबोधित करते हुए सहयोगिनी की समन्वय कुमारी किरण ने कहा कि खेल को सिर्फ खेल नहीं, बल्कि सीखने
और सोचने का एक तरीका मानना चाहिए. ।खेल के जरिए हम लड़कियों से जेंडर, शक्ति , समाज के नियम, शरीर, सहमति और अपने अधिकारों
पर चर्चा कर नेतृत्व क्षमता का विकास किया जाएगा। यह काम रिसर्च प्ले टू पावर से जुड़ा है। जिसमें यह समझने की कोशिश की जा रही है कि खेल कैसे बाल विवाह, जबरन विवाह को रोकने में मदद कर सकता है। इस दौरान सभी किशोरियों के के साथ विभिन्न प्रकार की गतिविधियों का आयोजन किया गया खेल-खेल के माध्यम से उनके बीच छिपी प्रतिभा को निकलते हुए उनके नेतृत्व क्षमता का विकास करने का कार्य किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान सहयोगिनी के निदेशक गौतम सागर ने बताया कि सहयोगिनी द्वारा कसमार प्रखंड के 30 गांव में लड़कियों के नेतृत्व क्षमता तथा उनके बीच होने वाली हिंसा को समाप्त करने के लिए लगातार कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में बढ़ते बाल विवाह को अंकुश लगाने के लिए किशोरियों का नेतृत्व क्षमता के साथ-साथ उनके अभिभावक तथा विभिन्न स्टेकहोल्डर के साथ चरणबद्ध तरीके से गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। सहयोगिनी की एनिमेटर मंजू देवी ने बताया कि गांव में किशोरी क्लब का गठन किया गया है जिसके माध्यम से उनके बीच होने वाले हिंसा तथा बाल विवाह के मामलों को रोका जाता है। साथ ही उन्हें सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से भी जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान पंडा पंचायत की 40 किशोरियों के साथ विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस दौरान पायल कुमारी, स्वाति कुमारी, अनिता कुमारी आदि उपस्थित थे।

जिले के विभिन्न थानों का एसपी ने किया औचक निरीक्षण

बिभा संवाददाता

बोकारो। पुलिस अधीक्षक नाथु लाल मीणा ने जिले के विभिन्न थानों का रविवार को औचक निरीक्षण किया। जिसमें बी एस सिटी , पिंडराजोरा, पेटरवार, कसमार व जरीडीह थाना शामिल थे। निरीक्षण के दौरान एस पी ने थाना क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति ,सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई एवं सीरिस्ता के कार्यों की समीक्षा की गई। मीणा ने उपस्थित पदाधिकारियों से पूछताछ कर आवश्यक दिशा-निर्देश व आम जनता की समस्याओं का त्वरित व विधिवत समाधान करने का पदाधिकारियों को निर्देश दिया। इसके अलावा सभी लंबित कांडों, वारंट, इस्तेहार व कुर्की का ससमय निष्पादन , पासपोर्ट , चरित्र सत्यापन संबंधित मामलों को समयबद्ध तरीके से निष्पादन हेतु निर्देशित किया गया । प्रत्येक थाना में सप्ताह में एक दिन थाना दिवस का आयोजन अनिवार्य रूप से करने के संबंध में भी निर्देशित किया गया । साथ ही नीट परीक्षा के सफलतापूर्वक आयोजन के लिए सभी परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण कर व सुरक्षा,चेकिंग के संबंध में आवश्यक दिशानिर्देश दिया।

बरही बैंक लूट कांड का खुलासा, 3 अपराधी गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: हजारीबाग जिले के बरही थाना क्षेत्र में 24 अप्रैल 2026 को हुई बैंक ऑफ महाराष्ट्रा शाखा में लूट की बड़ी वारदात का पुलिस ने सफलतापूर्वक खुलासा कर लिया है। इस मामले में पुलिस ने तीन शातिर अपराधियों को गिरफ्तार करते हुए लूटे गए 20 लाख रुपये नकद और 912.22 ग्राम सोना बरामद किया है। घटना के दिन करीब 3:15 बजे चार अज्ञात अपराधियों ने हथियार के बल पर बैंक में घुसकर कर्मचारियों को बंधक बना लिया था। अपराधियों ने बैंक से 4.22 लाख रुपये नकद और लगभग 3.987 किलोग्राम सोना लूट लिया था। वारदात को अंजाम देने के बाद सभी कर्मियों को स्ट्रॉन्ग रूम में बंद कर बाहर से ताला लगाकर दो मोटरसाइकिल से फरार हो गए थे।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर विशेष जांच टीम (रक्ळ) का गठन किया गया। टीम ने सीसीटीवी फुटेज खंगालते हुए अपराधियों की पहचान की और उनके भागने के रास्तों पर लगातार छापेमारी की।

जांच के दौरान एक काले रंग की स्कॉर्पियो से रेकी किए जाने का खुलासा हुआ। इसी सुराग के आधार पर पुलिस टीम उत्तर प्रदेश के वाराणसी पहुंची, जहां एसटीएफ के सहयोग से सारनाथ थाना क्षेत्र में घेराबंदी कर तीन अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

गिरफ्तार अपराधियों के पास से लूटे गए आभूषणों के साथ-साथ गलाया गया सोना और भारी मात्रा में नकदी बरामद की गई। पुलिस के अनुसार, वारदात में इस्तेमाल की गई दो पल्सर मोटरसाइकिल गया रेलवे स्टेशन की पार्किंग से बरामद की जाएंगी। पुलिस अब इस कांड में शामिल अन्य अपराधियों की तलाश में जुटी हुई है और पूरे नेटवर्क का खुलासा करने की दिशा में कार्रवाई जारी है।

जबलपुर के बरगी डैम हादसे के मृतकों को दी गई श्रद्धांजलि

बिभा संवाददाता

लातेहार/चंदवा । मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले स्थित बरगी डैम में हुए दर्दनाक क्रूज हादसे ने पूरे देश को शोक में डुबो दिया। इस हादसे में कई लोगों की असमय मौत हो गई, जिससे हर किसी का दिल दहल उठा। इसी दुःखद घटना को लेकर युवा भारत चंदवा के द्वारा इंदिरा गांधी चौक, चंदवा में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजकुमार पाठक ने की। उपस्थित लोगों ने मोमबत्तियां जलाकर और दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित की।कार्यक्रम का माहौल बेहद भावुक रहा, जहां हर आंख नम थी और सभी ने एकजुट होकर दिवंगतों को श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर युवा भारत चंदवा के अध्यक्ष आदर्श रविराज ने कहा कि जबलपुर की यह घटना बेहद पीड़ादायक है, जिसने कई परिवारों को गहरे शोक में डाल दिया है। हम सभी पीड़ित परिवारों के साथ खड़े हैं और ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि उन्हें इस दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करें। सभा में सांसद प्रतिनिधि दीपक निषाद सहित बिनोद कुमार गुड्डू, गोविन्द अग्रवाल,शिवकेश्वर यादव, राहुल जायसवाल, प्रदीप ठाकुर, राजू प्रसाद, धीरज कुमार, अंकित, गोलू, राजन कुमार, कृष्ण कुमार छोटू, आशीष गुप्ता, विजय कुमार,सौरभ बिट्ठू, सौरभ पांडेय, मुकेश कुमार, विष्णु गुप्ता,उदय प्रसाद,पंकज विश्वास, मनीष गुप्ता, अनिकेत भास्कर, साकिन्द्र लोहरा, सेठी मुंडा,अजय वर्मा,नितिन कुमार, सौरभ गुप्ता, धीरज कुमार,अक्षय यादव और उपेंद्र समेत कई लोग उपस्थित रहे।

पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी के गठन में शामिल किए गए पूर्व राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू, शीर्ष नेतृत्व के प्रति किया आभार व्यक्त

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी की पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी के गठन में शामिल किए जाने पर पूर्व राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू ने शीर्ष नेतृत्व के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया है। इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने के बाद उन्होंने कहा कि यह निर्णय संगठन की मजबूती, आपसी विश्वास और समर्पित कार्यकताओं के प्रति नेतृत्व की सकारात्मक सोच को स्पष्ट रूप से दर्शाता है।

धीरज प्रसाद साहू ने अपने बयान में कहा कि पार्टी नेतृत्व ने जिस भरोसे के साथ उन्हें यह दायित्व सौंपा है, वह उनके लिए सम्मान के साथ-साथ एक बड़ी जिम्मेदारी भी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा से लोकतांत्रिक मूल्यों और संगठनात्मक मजबूती के लिए जानी जाती रही है, और पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी का गठन इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह कमेटी राज्य की राजनीतिक परिस्थितियों, रणनीतियों और संगठनात्मक गतिविधियों को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएगी।

उन्होंने आगे कहा कि झारखंड जैसे राज्य में, जहां सामाजिक और राजनीतिक विविधता है, वहां पार्टी को मजबूत करने के लिए समर्पित नेतृत्व और सक्रिय कार्यकताओं की आवश्यकता है। इस कमेटी के माध्यम से पार्टी जमीनी स्तर पर कार्यकताओं के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर सकेगी और जनता के मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने में सक्षम होगी। उन्होंने कहा कि संगठन को मजबूत करना ही उनका प्राथमिक लक्ष्य रहेगा।

पूर्व सांसद ने यह भी कहा कि कांग्रेस पार्टी का इतिहास त्याग, संघर्ष और जनसेवा से भरा हुआ है। ऐसे में पार्टी के प्रति उनकी जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वे पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करते हुए संगठन को और अधिक सशक्त बनाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि वे कार्यकताओं के साथ मिलकर पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का काम करेंगे।

धीरज प्रसाद साहू ने कहा कि वर्तमान समय में राजनीतिक चुनौतियां बढ़ रही हैं, ऐसे में संगठनात्मक एकता और मजबूत रणनीति की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी के सदस्य के रूप में वे राज्य की राजनीतिक गतिविधियों पर नजर रखते हुए पार्टी हित में निर्णय लेने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि वे वरिष्ठ नेताओं के मार्गदर्शन और कार्यकताओं के सहयोग से संगठन को नई दिशा देने का प्रयास करेंगे।

अंत में उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व का पुनः आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह जिम्मेदारी उनके लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि वे इस विश्वास पर खरा उतरने के लिए पूरी ईमानदारी और मेहनत के साथ कार्य करेंगे तथा झारखंड में कांग्रेस पार्टी को और अधिक मजबूत बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे।

संक्षिप्त खबरें

रेड डे सेलिब्रेशन में नन्हे बच्चों ने बिखेरी रंगों की छटा

हजारीबाग(बिभा): हैप्पी हिप्पो प्ले स्कूल में रेड डे सेलिब्रेशन का आयोजन बड़े ही उत्साह और उमंग के साथ किया गया। इस विशेष कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को लाल रंग के प्रति जागरूक करना और उनके रंगों की समझ को बेहतर बनाना था।कार्यक्रम के दौरान नन्हे-मुन्ने बच्चे लाल रंग से जुड़े विभिन्न ऑब्जेक्ट्स बनकर स्कूल पहुंचे। किसी ने सेब का रूप धारण किया तो कोई गुलाब, टमाटर,तरबूज, स्ट्रॉबेरी और अन्य लाल वस्तुओं के रूप में नजर आया। बच्चों की आकर्षक वेशभूषा और उत्साह ने पूरे वातावरण को रंगीन और आनंदमय बना दिया।शिक्षकों ने बच्चों को खेल-खेल में लाल रंग की पहचान कराई और उससे जुड़ी वस्तुओं के बारे में जानकारी दी। इस तरह के गतिविधि-आधारित कार्यक्रमों से बच्चों का मानसिक विकास होने के साथ-साथ उनकी सीखने की रुचि भी बढ़ती है। कार्यक्रम के अंत में बच्चों ने विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों में भाग लिया और रेड डे को खुशी और उत्साह के साथ मनाया। स्कूल प्रबंधन ने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी शिक्षकों और अभिभावकों का आभार व्यक्त किया।

जिले के पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई नीट की परीक्षा

लातेहार(बिभा) : जिले में रविवार को नीट परीक्षा 2025 का आयोजन शांतिपूर्ण, पारदर्शी एवं कदाचार-मुक्त वातावरण में संपन्न हुआ। लातेहार, में पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय में परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। परीक्षा के सफल संचालन को लेकर उप विकास आयुक्त सैय्यद रियाज अहमद,अपर समाहर्ता रामा रविदास,अनुमंडल पदाधिकारी अजय कुमार रजक,जिला शिक्षा पदाधिकारी श्री प्रिंस कुमार एवं अन्य वरीय अधिकारियों ने परीक्षा केंद्र का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिले में कुल 166 अभ्यर्थियों के लिए परीक्षा आयोजित की गई थी, जिनमें से 158 अभ्यर्थी उपस्थित हुए, जबकि 08 अनुपस्थित रहे। प्रशासन द्वारा परीक्षा केंद्र पर पेयजल, शौचालय, बिजली एवं सुरक्षा की समुचित व्यवस्था की गई थी। परीक्षा की पारदर्शिता बनाए रखने के लिए केंद्र पर वीडियोग्राफी भी कराई गई। परीक्षा प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई और कहीं से किसी प्रकार की अनियमितता की सूचना नहीं मिली।

हजारीबाग मेयर पर सोशल मीडिया में आपत्तिजनक पोस्ट, साइबर थाना में दिया एफआईआर का आवेदन

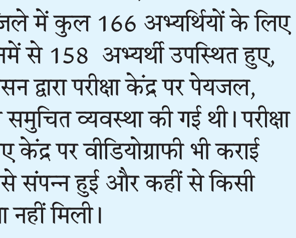

हजारीबाग(बिभा)। नगर निगम के महापौर अरविंद राणा के विरुद्ध सोशल मीडिया पर फैलाए जा रहे झूठे एवं साम्प्रदायिक पोस्ट के खिलाफ सख्त कदम उठाते हुए साइबर थाना में प्राथमिकी दर्ज करने हेतु आवेदन दे दिया है।

आवेदन में नगर निगम चुनाव में भाजपा समर्थित उम्मीदवार रह चुके महापौर प्रत्याशी सुदेश चंद्रवंशी (पिता बैजनाथ चंद्रवंशी, निवासी बड़ा बाजार) एवं हितेश रंजन (पिता राजेश ठाकुर) द्वारा एक भ्रामक पोस्ट प्रसारित की गई, जिसमें वार्ड 16 में कथित रूप से स्लॉटर हाउस को पुनः चालू कराने के लिए 5 करोड़ का फंड पास कराने का आरोप लगाया गया। महापौर अरविन्द कुमार राणा ने इस आरोप को पूरी तरह झूठा, निराधार और मनगढ़ंत बताया है। महापौर अरविन्द कुमार राणा के अनुसार, यह पोस्ट उनकी छवि धूमिल करने के साथ-साथ समाज में वैमनस्य फैलाने की सोची-समझी साजिश है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की अफवाहें शहर की शांति व्यवस्था को प्रभावित कर सकती हैं और जनता को गुमराह करती हैं। साथ ही आरोपितों के सोशल मीडिया अकाउंट एवं इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की जांच कर सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग कि गई है। महापौर अरविन्द कुमार राणा ने कहा कि विकास कार्यों को लेकर किसी भी प्रकार का दुष्प्रचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। इस संदर्भ में महापौर अरविन्द कुमार राणा ने बताया कि हजारीबाग की शांति, सौहार्द और विकास से कोई समझौता नहीं होगी।

नीट परीक्षा कदाचारमुक्त हुई सम्पन्न, सुरक्षा व्यवस्था रही चाक-चौबंद, प्रशासन पूरी तरह सतर्क

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। जिले में राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (नीट) के माध्यम से आयोजित नीट (यूजी)-2026 परीक्षा का आयोजन रविवार को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं कदाचारमुक्त वातावरण में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। परीक्षा के जिला में एकमात्र केंद्र पीएम जवाहर नवोदय विद्यालय जोगना सेन्हा लोहरदगा निर्धारित किया गया था जिसे लेकर उपायुक्त संदीप कुमार मीना के निर्देश पर जिला प्रशासन द्वारा व्यापक तैयारी की गई थी। सभी परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा एवं विधि-व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। प्रशासनिक अधिकारियों, दंडाधिकारियों एवं पुलिस बल की सक्रिय मौजूदगी के कारण परीक्षा पूरी तरह पारदर्शी माहौल में संपन्न हुई। परीक्षा में कुल 245 परीक्षार्थियों में से 238 परीक्षार्थी उपस्थित और 7 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा के दौरान प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों ने अपने दायित्वों का गंभीरता एवं सतर्कता के साथ निर्वहन किया। परीक्षा केंद्र पर लगातार निगरानी रखी गई तथा परीक्षा संचालन की प्रत्येक गतिविधि पर प्रशासन की पैनी नजर रही। परीक्षा केंद्र के बाहर अनावश्यक भीड़ जमा न हो, इसके लिए भी विशेष व्यवस्था की गई थी। उपायुक्त द्वारा शुक्रवार को ही परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया गया था तथा केंद्राधीक्षक को कड़े निर्देश दिए गए थे कि किसी भी परिस्थिति में कदाचार या अनुचित गतिविधि बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

परीक्षार्थियों की प्रवेश प्रक्रिया पूरी तरह निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप कराई गई। प्रवेश द्वार पर सघन जांच, बायोमेट्रिक सत्यापन एवं मेटल डिटेक्टर के माध्यम से जांच की व्यवस्था की गई थी।

परीक्षा केंद्रों के आसपास धारा-163 के तहत निषेधाज्ञा लागू रही, जिससे शांति एवं अनुशासन बनाए रखने में सहायता मिली। संवेदनशील केंद्रों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई थी। वहीं यातायात व्यवस्था को भी सुचारु बनाए रखने के लिए ट्रैफिक पुलिस को विशेष निर्देश दिए गए थे, ताकि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

अपर स्माहर्ता जितेंद्र मुंडा, अनुमण्डल दंडाधिकारी अमित कुमार, अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी श्रद्धा केरकेट्टा व वरीय पदाधिकारियों द्वारा लगातार परीक्षा केंद्र का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया तथा परीक्षार्थियों से भी संवाद कर उन्हें आवश्यक सहयोग प्रदान किया। परीक्षा समाप्त होने के बाद केंद्रों से उत्तर पुस्तिकाओं एवं अन्य गोपनीय सामग्रियों को सुरक्षा के बीच निर्धारित स्थानों तक पहुंचाया गया। जिला प्रशासन ने परीक्षा के सफल संचालन में सहयोग करने वाले सभी अधिकारियों, कर्मियों, पुलिस बल, केंद्राधीक्षकों एवं शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया। प्रशासन ने कहा कि सभी के समन्वित प्रयास से परीक्षा शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष वातावरण में संपन्न हो सकी।

मिशन होस्पिटल में महिलाओं के लिए निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन 06 मई को

हजारीबाग: हजारीबाग के रविन्द्र पथ स्थित बिजली ऑफिस के सामने संत कोलम्बस मिशन हॉस्पिटल में 06 मई 2026 बुधवार को महिलाओं के लिए जननी स्वास्थ्य मेला के तहत निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर में महिलाओं को चिकित्सकीय परामर्श के साथ-साथ मुफ्त दवा, बीपी जांच, नेत्र जांच, सर्वाइकल कैंसर स्क्रीनिंग, शुगर एवं हीमोग्लोबिन की जांच निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अलावा अन्य आवश्यक जांचों पर भी भारी छूट प्रदान की जाएगी। इस अवसर पर संत कोलम्बस मिशन हॉस्पिटल के संचालक डॉ. प्रवीण श्रीनिवास ने कहा कि महिलाओं के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने और समय पर जांच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से इस शिविर का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने अधिक से अधिक महिलाओं से इस अवसर का लाभ उठाने की अपील की।

भगवा ध्वज समिति हजारीबाग के द्वारा शहीद स्मारक पर प्रत्येक दिन माल्यार्पण कर दीप जलाया जाएगा

शहीदों का सम्मान करना हमारा कर्तव्य : अनूप

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : रविवार को हजारीबाग परिसदन स्थित शहीद स्मारक एवं परिसर में बीते कुछ महीनो से गंदगी अंबार बना हुआ था एवं नशेड़ियों का अड्डा बनता जा रहा है जिसको देखते हुए हजारीबाग के समाजसेवियों ने आज सुबह 5:00 से शहीद स्मारक स्थल पहुंच कर निस्वार्थ भावना से श्रमदान करते हुए शहीद स्मारक स्थल एवं पूरे परिसर का साफ सफाई किया गया जहां पर गंदगी का अंबार निकाला एवं परिसर से दारू का बोतलें एवं नशीली पदार्थ के समान निकला जिसे सभी लोगों ने साफ करते हुए उसे स्थल से हटा दिया गया एवं परिसर में पेड़ के गिरे हुए पत्ते को जलाया साथ ही साथ स्मारक स्थल को स्वच्छ जल से बेहतरीन तरीके से धोकर साफ किया । सफाई करने वाले में भगवा ध्वज समिति के अध्यक्ष एवं समाजसेवी अनूप भाई, झारखंड मुक्ति मोर्चा के हजारीबाग नगर महिला अध्यक्ष श्वेता दुबे, झारखंड +2 शिक्षक संघ के संयुक्त सचिव राम बिलास पासवान (टिंकू) भाजपा किसान मोर्चा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष प्रदीप प्रसाद मेहता, हजारीबाग सदर मंडल भाजपा के उपाध्यक्ष मनोज कुमार यादव, शिक्षक उमेश कुमार, शिक्षक टिंकू पासवान , संजू कुमार, कारू यादव, सुरेंद्र वर्मा, नीरज चंद्रवंशी, अधिवक्ता प्रमोद वर्मा, जितेंद्र चंद्रवंशी, दिलीप यादव, प्रतिमा कुमारी, भवंती देवी, सुनील वर्मा ने पूरे मेहनत और सेवा भाव से साफ सफाई किया।

सफाई के बाद सभी लोगों ने शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित किया। इस स्वच्छता कार्यक्रम में भगवा ध्वज समिति हजारीबाग के अध्यक्ष अनूप भाई ने कहा कि भगवा ध्वज समिति की ओर से शहीद स्मारक पर प्रत्येक दिन प्रातः काल माल्यार्पण किया जाएगा एवं संध्या में प्रत्येक दिन दीप जलाया जाएगा। वही झामुमो महिला मोर्चा के नगर अध्यक्ष श्वेता दुबे ने कहा कि शहीद हुए लोग देश सेवा के लिए बलिदान हुए हैं इसलिए हम सभी का कर्तव्य बनता है कि शहीद स्मारक को हमेशा साफ सुथरा बनाए रखेंगे और हम सभी को संकल्प लेना चाहिए कि यह कार्य निरंतर चलता रहेगा साथ ही परिसर में बहुत जल्द वृक्षारोपण कर फूल पत्तियों का पौधा लगाया जाएगा और परिसर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखेंगे।

रामनारायण रोड बना निर्माण का नर्क — बालू-डस्ट से जाम नालियां, 5 साल से बदहाल वार्ड 13 के लोग

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: वार्ड नंबर 13 रामनारायण रोड इन दिनों विकास की नहीं, बल्कि भारी लापरवाही और अव्यवस्था की कहानी बयां कर रहा है। सड़क के बीचों-बीच बेतरतीब ढंग से गिराए गए बालू और डस्ट ने न सिर्फ आवागमन को बाधित कर दिया है, बल्कि पूरे इलाके की जल निकासी व्यवस्था को भी ठप कर दिया है। हालात ऐसे हैं कि स्थानीय निवासियों का जीना दूभर हो गया है।

मुहल्लेवासियों के अनुसार, पिछले करीब पांच वर्षों से एक अपार्टमेंट का निर्माण कार्य चल रहा है। इस दौरान निर्माण से जुड़े लोगों द्वारा नियम-कानूनों की खुलेआम अनदेखी की जा रही है। सड़क को ही निर्माण सामग्री रखने का अड्डा बना दिया गया है, जहां-तहां बालू और डस्ट गिराकर छोड़ दिया जाता है। इसका सीधा असर नालियों पर पड़ा है, जो पूरी तरह जाम हो चुकी हैं।

नालियों के जाम होने से गंदा पानी सड़कों और घरों के सामने जमा हो जाता है। खासकर बारिश के मौसम में स्थिति और भी भयावह हो जाती है, जब जलभराव के कारण लोगों का घर से निकलना मुश्किल हो जाता है। गंदगी और बदबू के कारण क्षेत्र में रहना किसी चुनौती से कम नहीं रह गया है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि इस समस्या को लेकर कई बार शिकायत की जा चुकी है, लेकिन न तो अपार्टमेंट मालिक और न ही ठेकेदार इस पर कोई ध्यान दे रहे हैं। यहां तक कि वार्ड पार्षद विकास यादव द्वारा उठाई गई आपत्ति को भी नजरअंदाज कर दिया गया है।

अब बड़ा सवाल यह है कि आखिर कब तक वार्ड 13 की जनता इस तरह की लापरवाही और प्रशासनिक निष्क्रियता का शिकार होती रहेगी? क्या जिम्मेदारों पर कोई कार्रवाई होगी, या फिर लोगों को यूं ही नारकीय जीवन जीने को मजबूर रहना पड़ेगा?

फ्लड लाइट में सीमा देसाई टूर्नामेंट का भव्य शुभारंभ, महिला क्रिकेट को मिल रहा नया आयाम

झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन की पहल, हजारीबाग में चार टीमों के बीच रोमांचक मुकाबले शुरू

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से आयोजित महिला वर्ग का प्रतिष्ठित सीमा देसाई टूनामेंट एक मई से संजय सिंह स्टेडियम में फ्लड लाइट की रोशनी के बीच भव्य रूप से शुरू हो गया है। हजारीबाग में इस स्तर के आयोजन को लेकर खिलाड़ियों एवं खेल प्रेमियों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। रात्रिकालीन माहौल में खेले जा रहे मुकाबलों ने प्रतियोगिता को और आकर्षक बना दिया है। टूर्नामेंट में झारखंड ग्रीन, झारखंड रेड, झारखंड येलो एवं झारखंड ब्लू चार टीमों की भागीदारी सुनिश्चित की गई है। प्रत्येक टीम में 16-16 खिलाड़ी शामिल हैं,जो अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रही हैं। प्रतियोगिता के माध्यम से राज्य की उभरती महिला क्रिकेटरों को एक सशक्त मंच प्रदान किया जा रहा है, जिससे वे अपने खेल कौशल को निखारते हुए बड़े स्तर तक पहुंच सकें। टीमों के साथ अनुभवी कोच शुभलक्ष्मी शर्मा, सीमा सिंह, आशा सिंह, कविता रॉय, राजकुमार, प्रकाश मुंडा, सनी गुप्ता एवं जसकरण सिंह खिलाड़ियों का मार्गदर्शन कर रहे हैं। खिलाड़ियों की फिटनेस और प्रदर्शन को बेहतर बनाए रखने के लिए प्रशिक्षक महादेव सिंह एवं अनिकेश कुमार की तैनाती की गई है, जबकि फिजियो के रूप में पूजा दत्ता एवं अमना ओबैद अपनी सेवाएं दे रही हैं। मैचों के संचालन की जिम्मेदारी अंपायर सूरज साहू एवं इफ्तेखार अहमद निभा रहे हैं। वहीं स्कोरर के रूप में परबीर सिंह, ऑब्जर्वर मनोज कुमार सिंह तथा लाइजनिंग ऑफिसर के रूप में सूरज कुमार (जेएससीए) की उपस्थिति आयोजन को सुव्यवस्थित बना रही है। शनिवार को सांसद मनीष जायसवाल स्वयं संजय सिंह स्टेडियम पहुंचे, जहां उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने की दिशा में इस प्रकार के आयोजन अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि हजारीबाग में फ्लड लाइट के बीच इस स्तर का टूनामेंट आयोजित होना जिले के लिए गौरव का विषय है और इससे स्थानीय प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का सुनहरा अवसर मिलेगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यहां से निकली प्रतिभाएं आने वाले समय में राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर हजारीबाग का नाम रोशन करेंगी। उन्होंने आगे कहा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा का माध्यम नहीं, बल्कि अनुशासन, समर्पण और टीम भावना का सशक्त आधार है। इस तरह के आयोजन युवाओं को सकारात्मक दिशा प्रदान करते हैं और समाज में खेल संस्कृति को मजबूत बनाते हैं। आयोजन को लेकर शहर में उत्साह का माहौल है और इसे हजारीबाग को खेल मानचित्र पर नई पहचान दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा रहा है।

एनएच 39 पर दर्दनाक हादसा, अज्ञात वृद्ध महिला की मौत

लोहरदगा : जिले में कुडू रांची मुख्य पथ एनएच-39 पर कुडू थाना क्षेत्र के चेटर मोड़ के पास रविवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया। सड़क किनारे गंभीर रूप से घायल अवस्था में एक अज्ञात वृद्ध महिला पड़ी मिली,जिससे इलाके में सनसनी फैल गई।स्थानीय लोगों ने मानवता दिखाते हुए तत्काल महिला को कुडू सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया,लेकिन वहां मौजूद चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों के अनुसार महिला को गंभीर चोटें आई थीं,जिससे आशंका जताई जा रही है कि वह किसी तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की चपेट में आ गई। घटना की सूचना मिलते ही कुडू थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। प्रथम दृष्टया यह सड़क दुर्घटना का मामला प्रतीत हो रहा है,लेकिन पुलिस अन्य संभावनाओं को भी ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है।इधर खबर लिखे जाने तक मृत महिला की पहचान अब तक नहीं हो पाई है,जिससे पुलिस के सामने चुनौती बनी हुई है।

मिनाब 168 : महाशक्ति के पतन का कारण बनती मासूमों की शहादत

तनवीर जाफ़री

याद कीजिये गत 10 अप्रैल 2026 को जब एक ईरानी प्रतिनिधिमंडल पाकिस्तान की मध्यस्थता में अमेरिका से बात चीत करने के मकसद से इस्लामाबाद पहुंचा था और अमेरिका की तरफ से उपराष्ट्रपति जेडी वेंस वार्ता का नेतृत्व कर रहे थे उस समय ईरानी प्रतिनिधिमंडल जिस # मिनाब 168 अंकित विमान में बैठकर इस्लामाबाद आया था उस विमान ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा था।

अमेरिका व इस्राईल द्वारा गत 28 फरवरी से ईरान पर किये गये संयुक्त हमलों में हालाँकि ईरान में मरने वालों की संख्या सूत्रों द्वारा अलग अलग बताई जा रही है। परन्तु अनुमानतः इन हमलों में अब तक लगभग 6,000 से भी अधिक ईरानी नागरिकों लोगों के मारे जाने की संभावना है। जबकि लगभग 26,500 से भी अधिक लोगों के घायल होने के आंकड़े सामने आये हैं। परन्तु ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह सैय्यद अली खामनेई,अनेक उच्चस्तरीय नेता,अधिकारी व वैज्ञानिकों की हत्या से भी अधिक चर्चा ईरान में हुये जिस एक हमले को लेकर हो रही है वह है दक्षिणी ईरान के मिनाब शहर के एक प्राइमरी स्कूल पर 28 फरवरी को अमेरिकी वायु सेना द्वारा किया गया वह हमला जिसने हमले के समय स्कूल में पढ़ रहे 168 मासूम बच्चों को शहीद कर दिया। ईरान ने मुख्य रूप से इसी एक हमले को रेखांकित करते हुये विश्वशांति की बात करने वाले अमेरिका को पूरी दुनिया में बेनकाब करने की मुहिम चलाई। इतना ही नहीं बल्कि इसी हमले ने मानवीय संवेदना रखने वाले कई अमेरिकी सांसदों व उच्चाधिकारियों को भी आवाज उठाने को मजबूर किया।

याद कीजिये गत 10 अप्रैल 2026 को जब एक ईरानी प्रतिनिधिमंडल पाकिस्तान की मध्यस्थता में अमेरिका से बात चीत करने के मकसद से इस्लामाबाद पहुंचा था और अमेरिका की तरफ से उपराष्ट्रपति जेडी वेंस वार्ता का नेतृत्व कर रहे थे उस समय ईरानी प्रतिनिधिमंडल जिस # मिनाब 168 अंकित विमान में बैठकर इस्लामाबाद आया था उस विमान ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा था। ईरानी स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ, ईरानी विदेश मंत्री अरागची व ईरानी प्रतिनिधिमंडल ने इसी # मिनाब 168 नामक विमान से ही तेहरान से पाकिस्तान की यात्रा की थी। इस विमान में आगे की 168 सीटों पर अमेरिकी हमले में शहीद हुये बच्चों की तस्वीरें रखी गईं। हर सीट पर उनके खून से सने हुये क्षतिग्रस्त स्कूल बैग व शहीद बच्चों के जूते व साथ ही उन्हें श्रद्धांजलि देने हेतु फूल भी रखे गये थे। यह पहला मौका था जबकि ईरान जैसे किसी साहसी देश ने स्वयं को महाशक्ति बताने वाले अमेरिका के वास्तविक क्रूर चेहरे को इस निराले अंदाज से बेनकाब किया था। # मिनाब 168 विमान केवल पाकिस्तान ही नहीं आया बल्कि अरागची 26-27 अप्रैल को इसी विमान पर सवार होकर इस्लामाबाद और ओमान के दौरे के बाद रूस भी पहुंचे। जहां उन्होंने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से महत्वपूर्ण मुलाकात की।

अमेरिका में भी मिनाब के शहीद मासूमों का खून सर चढ़कर बोलता दिखाई दे रहा है। इस हमले को लेकर राष्ट्रपति ट्रंप को राजनीतिक और सड़क स्तर पर भी विरोध का सामना करना पड़ रहा है। डेमोक्रेट्स द्वारा साफ तौर पर इसे गैर जिम्मेदाराना अमेरिकी हमला मानकर ट्रंप प्रशासन से इस हमले की जिम्मेदारी स्वीकार करने की मांग रहे हैं। क्योंकि जांच में अमेरिकी टोमाहॉक मिसाइल इस्तेमाल होने की पुष्टि हो चुकी है। यह मिसाइल केवल अमेरिका के पास ही है। अमेरिकी डेमोक्रेट सांसदों ने पेंटागन से निष्पक्ष जांच की मांग करते हुये रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ से जवाब भी तलब किया है। इन अमेरिकी सीनेटर्स ने इसे हताहत होने वाला दशकों का सबसे बुरा नागरिक मामला बताया है साथ ही ट्रंप प्रशासन पर अपनी जवाबदेही स्वीकार न करने का भी आरोप लगाया गया है। कई सीनेटर्स तो इसे अमेरिकी सेना की भयानक गलती भी बता रहे हैं। इसी मिनाब घटना को लेकर अमेरिका में कई जगह सड़कों पर भी प्रदर्शन हुये हैं। न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर से लेकर सैन फ्रांसिस्को, शिकागो और मिल्वौकी तक में कई जगह में हजारों प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतरे और उन्होंने हैंड्स ऑफ ईरान के नारे लगाए। यहाँ की कैपिटल हिल पर प्रतीकत्मक रूप से बच्चों के स्कूल बैग रखकर विरोध प्रदर्शन हुआ। इसमें कई डेमोक्रेट सांसद भी शामिल हुये थे। हद तो यह है कि व्हाइट हाउस के बाहर इसी अप्रैल में हुए व्यापक प्रदर्शनों में ट्रंप को युद्ध अपराधी बताकर उसे हटाने की भी जोरदार मांग हुई।

बहरहाल, इस्राईल हो या उसका संरक्षक अमेरिका,इन दोनों ही देशों ने विश्व अनेक देशों में युद्धापराध अंजाम देने के अनेक क्रूरतम इतिहास लिखे हैं। सही मायने में तो युद्धापराध अंजाम देने के यह आदी हो चुके हैं। याद कीजिये 1960-70 के मध्य लंबे समय तक चले वियतनाम युद्ध को। यही अमेरिका है जिसने बड़ी बेरहमी से यहाँ लाखों लोगों की हत्यायें की थीं। इनमें एक दिल दहलाने वाली घटना दक्षिण वियतनाम के माई लाई गांव में हुई थी जहाँ न केवल 500 से अधिक निहत्थे नागरिकों जिनमें महिलाएं, बच्चे, बुजुर्ग शामिल थे की हत्या की गई थी बल्कि उनका सामूहिक बलात्कार किया गया उनके शवों का जलाया गया व अपमान किया गया था। पूरे के पूरे कई गांव जला दिए गये थे। इसी तरह 2003 के ईराक युद्ध के दौरान अबूगरेब जेल में कैदियों की प्रताड़ना के अलावा इराक में कई नागरिक नरसंहार की घटनाएं हुईं। इसी तरह अफगानिस्तान में भी नागरिक हत्या,बलात्कार जैसे कई कारनामे उजागर हुए थे। अमेरिका की तर्ज पर इस्राईल भी लेबनॉन,पश्चिमी किनारे व गजा के इलाकों में मानव नरसंहार के कई इतिहास लिख चुका है। यह तो इतने क्रूर हैं कि भूखे बच्चों को पहले खाने पानी की लालच देकर भीड़ इकट्ठी करते हैं उसके बाद उन मजबूरों को खाना पानी देने के बजाये उनपर बंबारी कर हत्याएं कर देते हैं। इस्राईली प्रधानमंत्री तो इस समय अंतर्राष्ट्रीय अदालत का वांछित मुजरिम भी है।

परन्तु इस बार इनका पाला पड़ा था ईरान में मिनाब के मासूमों से। इनकी चीख पुकार व बद्दुआएं पूरे विश्व में इस कद्र गूँज रही हैं कि मानवीय ह्रदय रखने वाले अमेरिकी भी इस घटना से सदमे में हैं तथा वे यह महसूस कर रहे हैं कि यह घटना कहीं वैश्विक अमेरिकी चौधर के पतन का कारण न बन जाये। तभी ट्रंप प्रशासन इस घटना से पल्ला झाड़ने की असफल कोशिश करता भी दिखाई देता है। परन्तु वास्तविकता तो यह है कि मिनाब स्कूल हमले की वजह से और ईरान युद्ध नीति के चलते ही अमेरिका में ट्रंप की लोकप्रियता नकारात्मक 20-23% तक गिर गई है। इसी तरह के विरोध के चलते ट्रंप ने अपने कई अधिकारियों को बर्खास्त कर दिया जबकि कई ने इस्तीफा देकर अपनी इज्जत बचने में ही अपनी भलाई समझी। कहना गलत नहीं होगा कि मासूमों की शहादत को याद दिलाने वाला प्रतीक मिनाब 168 पूरे विश्व में नरसंहार की इबारत लिखने वाली महाशक्ति को बेनकाब कर छोड़ेगा तथा इसके पतन का कारण भी बनेगा।

संपादकीय

ट्रंप का 'तूफान' क्या है?

राष्ट्रपति ट्रंप अब भी युद्धोन्मादी हैं। ईरान को ह्यकब्रिस्तान-साह्न बनाने के बावजूद उनका दिल नहीं पसीजा है। उन्होंने अब भी किसी ह्यतूफानह्न के आने की धमकी दी है और दावा किया है कि उस तूफान को कोई रोक नहीं सकेगा। क्या ट्रंप अब ईरान पर परमाणु हमला भी कर सकते हैं? अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के प्रमुख ने ईरान में परमाणु स्थितियों पर चिंता जताई है और ईरान के परमाणु कार्यक्रम के दुरुपयोग की आशंका भी व्यक्त की है। हालांकि हम किसी परमाणु दुर्घटना की संभावना को नहीं मानते, क्योंकि रूस के राष्ट्रपति पुतिन करीब 90 मिनट की बातचीत में राष्ट्रपति ट्रंप को सचेत कर चुके हैं कि अब हमले के अंजाम बहुत बुरे और गंभीर होंगे। चीन भी ऐसे बयान दे चुका है और इसी माह ट्रंप का चीन जाना प्रस्तावित है। बीती 28 फरवरी से जो विनाशकारी हमले ईरान पर किए गए हैं, बीच-बीच में युद्धविराम के 'नाटक' भी खेले गए हैं, तेल-गैस-खाद आदि की आवाजाही इस कदर बाधित हुई है कि दुनिया में 'महामंदी' के संकट फैलने लगे हैं। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भी महामंदी के आसार की चेतावनी दी है, क्योंकि वैश्विक अर्थव्यवस्था की विकास-दर 2 फीसदी से भी कम होने के संकेत मिल रहे हैं। यदि दुनिया में ऊर्जा-संकट, सप्लाई चेन का अवरुद्ध होना, खाद्य-संकट यूं ही जारी रहे, तो भुखमरी के हालात भी पुख्ता हो सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय कारोबार भी बैठ सकता है। खुद अमरीका के पेंटागन की रपट है कि अभी तक ईरान युद्ध पर 25 अरब डॉलर खर्च किए जा चुके हैं। यह राशि अधिक भी हो सकती है। पेंटागन ने 1.5 ट्रिलियन डॉलर के अतिरिक्त बजट की मांग संसद से की है, लेकिन अमरीकी संसद राष्ट्रपति ट्रंप से पूछ रही है कि जब 2025 के हमले में ईरान के परमाणु एवं यूरेनियम संवर्धन कार्यक्रम को तबाह कर दिया गया था, तो फिर यह युद्ध क्यों किया गया? राष्ट्रपति उसी परमाणु कार्यक्रम की नए सिरे से बात क्यों कर रहे हैं? क्या ईरान का यूरेनियम संवर्धन कार्यक्रम आज भी जारी है? अब सैनिक और युद्धपोत मध्य-पूर्व के क्षेत्रों में क्यों मौजूद हैं?

क्या अमरीकी संसद राष्ट्रपति ट्रंप को बाध्य कर सकती है कि वह सैनिकों की वापसी का आदेश दें? युद्ध पर 25 अरब डॉलर नासा के खर्च के बराबर है, जिसे ट्रंप की सामंतवादी सोच ने यूं ही फूक दिया। कैबिनेट में उपराष्ट्रपति वेंस शुरू से ही युद्ध-विरोधी थे, लेकिन अब उनका युद्ध मंत्री हेगसेथ के साथ विवाद बढ़ गया है। उपराष्ट्रपति का गंभीर आरोप है कि युद्ध मंत्री राष्ट्रपति ट्रंप को गलत ब्रीफ कर रहे हैं, लिहाजा ईरान से अभी तक अमरीका जीत नहीं पाया है। उपराष्ट्रपति का आग्रह है कि अब युद्ध को स्थायी विराम दिया जाना चाहिए। इस तरह युद्ध के मुद्दे पर ट्रंप कैबिनेट विभाजित है और राष्ट्रपति 'तूफान' की धमकियां दे रहे हैं! पेंटागन भी राष्ट्रपति को गलत सूचनाएं दे रहा है। हकीकत यह है कि अमरीकी मिसाइलों, ड्रोन, थाड, पैट्रियट आदि वायु रक्षा प्रणालियों और अन्य हथियारों के भंडार काफी कम हो चुके हैं। रणनीतिक तौर पर यह अमरीका के लिए खतरनाक स्थिति है। हथियारों के पर्याप्त भंडारण के लिए अपेक्षित उत्पादन में 3-5 साल का वक्त भी लग सकता है।

चिंतन-मनन

संत की उदारता

संत बेनजोई के पास कई बालक शिक्षा ग्रहण करने के लिए आते थे। वह अपने सभी शिष्यों की शिक्षा पूर्ण करने के बाद ही उन्हें वहां से जाने की अनुमति देते थे। वह उद्दंड व शरारती शिष्यों को भी आज्ञाकारी और संस्कारी बनाकर ही दम लेते थे। एक बार उनके आश्रम में बहुत ही शरारती और बदतमीज लड़का आया। एक दिन वह चोरी करते हुए पकड़ा गया। बेनजोई ने उसे चोरी की बुराइयों से अवगत कराया और क्षमा कर दिया, लेकिन वह लड़का इतना बिगड़ैल था कि उस पर बेनजोई की शिक्षा का कोई प्रभाव नहीं पड़ा। उसने दोबारा चोरी की और एक शिष्य को बेवजह पीट दिया। यह शिकायत बेनजोई तक पहुंची तो उन्होंने उसे फिर बुलाकर प्रेम से समझाया और एक बार फिर क्षमा कर दिया। यह देखकर आश्रम के अन्य शिष्य आगबबूला हो गए। शाम की प्रार्थना के समय सभी शिष्य एकजुट होकर बोले, गुरुजी, यह बार-बार चोरी करता रहेगा, हमें पीटता रहेगा और आप उसे क्षमा करते रहेंगे। यह कैसा न्याय है? यदि आप इसे आश्रम से नहीं निकाल सकते तो हम सभी यह आश्रम छोड़कर चले जाते हैं।

इस पर बेनजोई विनम्रता से बोले, मैंने माना कि तुम सब अच्छे हो, संस्कारी हो। कभी किसी कुसंग में न रहने के कारण दुष्कर्मों से दूर हो। यह अबोध किशोर अपने दुर्व्यसनी पिता और भाइयों द्वारा ठुकराया हुआ है। इसे मैं सुधारने, संस्कारित करने के उद्देश्य से यहां लेकर आया हूं। मुझे यह भी मालूम है कि तुम यदि इस आश्रम से चले गए तो अन्य किसी शिक्षक से शिक्षा प्राप्त कर सकते हो, किंतु इस बिगड़ैल लड़के को कौन अपने यहां रखेगा? इसे सुधरने का मौका कैसे मिलेगा? वह किशोर भी यह सब सुन रहा था। उसकी आंखें भर आईं। वह उनसे क्षमा मांगते हुए बोला, गुरुजी, मुझे माफ कर दीजिए। फिर कभी आपको शिकायत का मौका नहीं मिलेगा। उसने अन्य शिष्यों से भी माफी मांगी।

चुनावी जीत-हार न बने जीवन-मरण का प्रश्न

डॉ हिदायत अहमद खान

देश के पांच राज्यों पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में मतदान संपन्न होने के साथ ही सभी की नजरें मतगणना के साथ आने वाले रिजल्ट पर टिक गई हैं। इस बार के विधानसभा चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन की कवायद भर नहीं हैं, बल्कि लोकतंत्र की विश्वसनीयता, चुनाव आयोग जैसी संस्थाओं की निष्पक्षता और जनता के भरोसे की परीक्षा भी साबित होने वाले हैं। सोमवार 4 मई को होने वाली मतगणना को लेकर जिस प्रकार राजनीतिक तापमान बढ़ा हुआ है, वह इस बात का संकेत है कि चुनाव अब सिर्फ जीत-हार का खेल नहीं रहा, बल्कि राजनीतिक अस्तित्व का प्रश्न बन गया है। मतदान के बाद आमतौर पर राजनीतिक दल अपनी-अपनी जीत के दावे करते हुए देखे जाते हैं, लेकिन इस बार खासकर पश्चिम बंगाल में चुनावी प्रक्रिया को लेकर उठे विवादों ने पूरे देश का ध्यान खींचा है। मतगणना में पर्यवेक्षकों की नियुक्ति को लेकर मामला पहले हाईकोर्ट और फिर सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा। यह स्थिति दशार्ती है कि चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता को लेकर संदेह बढ़ा है। हालांकि चुनाव आयोग ने अतिरिक्त पर्यवेक्षकों की नियुक्ति और नियमों के पालन का भरोसा दिया है, फिर भी सवाल यह है कि क्या केवल प्रशासनिक कदम जनता के विश्वास को बहाल करने के लिए पर्याप्त हैं? खासतौर पर तब जबकि चुनाव के दौरान यह सुनने को मिला कि पश्चिम बंगाल में चुनाव टीएमसी और भाजपा के बीच नहीं बल्कि टीएमसी और चुनाव आयोग के बीच हो रहा है। इसने न सिर्फ चुनाव प्रक्रिया को बल्कि निर्वाचन आयोग की विश्वसनीयता पर ही सवालिया निशान लगा दिया। चुनाव की तिथि घोषित होने से लेकर चुनाव प्रचार और मतदान के बीच और अब परिणाम आने से पहले तक जिस तरह का माहौल बनता दिखा है, वह लोकतंत्र के लिए चिंताजनक है। इसने न सिर्फ चुनाव आयोग की स्वतंत्र व निष्पक्ष के साथ ईमानदार प्रक्रिया पर संदेह पैदा किया बल्कि न्यायपालिका क्या कर रही है, इस पर भी नजर डालने को मजबूर किया है। न्यायालय की तारीख पर तारीख वाली परिपाटी से लेकर सख्त टिप्पणी के बाद फैसलों को रोके रखने ने लोगों को सवाल उठाने का मौका फराहम कराया है। जब यह कहा जाने लगे कि तमाम जांच एजेंसियां और स्वतंत्र संवैधानिक संस्थाएं भी केंद्र के इशारे पर उठ-बैठ और फैसले लेने से लेकर कार्रवाई करती नजर आ रही हैं तो वाकई चिंता का विषय हो जाता है। इस पूरी कवायद में विपक्ष के संविधान बचाओ मुहिम को सही ठहराया जाना उचित लगने लगता है।

बहरहाल पांच राज्यों में मतदान पूर्ण होने के साथ ही अब नतीजे आने का इंतजार है, क्योंकि इससे यह भी मालूम चलेगा कि जो एग्जिट पोल्स अभी तक जो दावा करते आ रहे हैं वो कितने सही बैठते हैं। एग्जिट पोल्स ने इस बार अलग-अलग राज्यों में भिन्न-भिन्न तस्वीरें पेश की है। कहीं स्पष्ट बहुमत, तो कहीं कांटे की टक्कर दिखाकर लोगों का ध्यान भी खूब खींचा है। टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी के दावे 200 के पार से अलग पश्चिम बंगाल में मुकाबला बेहद करीबी बताया जा रहा है, जहां 'साइलेंट वोटर' निर्णायक भूमिका में होने का दावा भी किया जा रहा है। यह अनिश्चितता लोकतंत्र की खूबसूरती भी है और चुनौती भी। नतीजे प्रभावित न हों और हेर-फेर से मतदाताओं के मतों को बचाने मानों एक अलग ही संघर्ष जारी है। इसी प्रकार तमिलनाडु में संभावित राजनीतिक बदलाव का दावा किया जा रहा है। यह एक नई दिशा की ओर इशारा करता है। पारंपरिक द्रविड़ राजनीति के बीच नए चेहरे का उभार यह दशार्ता है कि मतदाता अब विकल्प तलाशने के लिए तैयार हैं, जो गलत भी साबित हो सकता है। वहीं असम में सत्तारूढ़ दल की संभावित लगातार तीसरी जीत यह संकेत देती है कि क्षेत्रीय नेतृत्व और संगठनात्मक मजबूती अभी भी निर्णायक कारक हैं। इसकी भी परीक्षा होगी और परिणाम बताएंगे कि कौन पास और कौन फेल रहा। केरल में सत्ता परिवर्तन की परंपरा लौटने की संभावना और वामपंथी राजनीति के कमजोर पड़ने के संकेत एग्जिट पॉल्स से मिलते हैं। यदि ऐसा होता है, तो यह केवल एक राज्य का परिणाम नहीं होगा, बल्कि देश की राजनीतिक दिशा पर भी असर डालेगा। दूसरी ओर, पुडुचेरी में गठबंधन की वापसी का दावा किया जा रहा है। इन तमाम परिदृश्यों के बीच सबसे अहम सवाल यह है कि क्या चुनावी प्रक्रिया जनता के विश्वास पर खरी उतर रही है? चुनाव आयोग की भूमिका, न्यायपालिका का हस्तक्षेप और राजनीतिक दलों का आचरण तीनों मिलकर लोकतंत्र की नींव को मजबूत या कमजोर करते हैं। जब चुनाव परिणाम आने से पहले ही विवाद, आरोप-प्रत्यारोप और कानूनी लड़ाइयां शुरू हो जाती हैं, तो यह लोकतांत्रिक स्वास्थ्य के लिए शुभ संकेत नहीं है। यहां समझना होगा कि चुनाव केवल सरकार बनाने या गिराने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि यह जनता की आवाज का सबसे सशक्त माध्यम भी हैं। यदि इस प्रक्रिया पर ही सवाल उठने लगें, तो लोकतंत्र की आत्मा आहत होना ही होना है। इसलिए जरूरी है कि सभी पक्ष चाहे वे राजनीतिक दल हों, चुनाव आयोग हो या न्यायपालिका अपनी जिम्मेदारी को समझें और पारदर्शिता तथा निष्पक्षता को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। कुल मिलाकर सेवा का भाव जो सभी स्तर पर देखने को मिलना चाहिए वह कहीं गुम हो चुका है। इसलिए ये चुनाव एक तरह से जीवन-मरण का प्रश्न बन गए हैं, जो होना नहीं चाहिए।

उबलती धरती, डगमगाती थाली, संकट में किसान

डॉ. सत्यवान सौरभ

हीटवेव की मार से हरियाणाझ्रपंजाब की खेती और किसानों की आय दोनों संकट में जलवायु परिवर्तन के इस निर्णायक दौर में चरम गर्मी अब केवल एक मौसमी विचलन नहीं रह गई है; यह एक गहरे संरचनात्मक संकट के रूप में उभर रही है, जो वैश्विक खाद्य प्रणालियों की बुनियाद को हिला रही है। बढ़ते तापमान और तीव्र होती हीटवेव्स ने कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन और खाद्य आपूर्ति श्रृंखलाओं को एक ऐसे दबाव में ला खड़ा किया है, जहां हर कड़ी कमजोर पड़ती दिख रही है। वैज्ञानिक और नीति-निमार्ता अब इसे एक 'रिस्क मल्टीप्लायर' के रूप में पहचान रहे हैं—ऐसा कारक जो न केवल स्वयं नुकसान पहुंचाता है, बल्कि अन्य जोखिमों को भी कई गुना बढ़ा देता है। यदि अब निर्णायक कदम नहीं उठाए गए, तो चरम गर्मी आने वाले दशकों में वैश्विक खाद्य सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा व्यवस्थित खतरा बन जाएगी।

चरम तापमान का सबसे प्रत्यक्ष और स्पष्ट प्रभाव फसलों पर पड़ता है। यह स्थापित तथ्य है कि 30 डिग्री सेल्सियस से ऊपर का तापमान गेहूं, चावल और मक्का जैसी प्रमुख फसलों के लिए प्रतिकूल होता है। अधिक तापमान पौधों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया को बाधित करता है, परागण को प्रभावित करता है और दानों के विकास को अधूरा छोड़ देता है। परिणामस्वरूप उत्पादन में गिरावट आती है, जो कई मामलों में 10 से 50 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। यह केवल मात्रा की समस्या नहीं है—गर्मी के कारण अनाज का पोषण स्तर भी घटता है, जिससे खाद्य गुणवत्ता प्रभावित होती है। इस प्रकार, यह संकट उत्पादन और पोषण दोनों को एक साथ चोट पहुंचाता है।

पशुपालन क्षेत्र भी इस तापीय दबाव से अछूता नहीं है। उच्च तापमान के कारण पशुओं में हीट स्ट्रेस बढ़ता है, जिससे उनकी उत्पादकता पर सीधा असर पड़ता है। डेयरी पशुओं में दूध उत्पादन में कमी, मुर्गियों में अंडा उत्पादन का घट जाना और सूअरों में वृद्धि दर का धीमा होना इसके प्रमुख उदाहरण हैं। चरम परिस्थितियों में पशुओं की मृत्यु तक हो सकती है, जिससे किसानों की आय पर गंभीर चोट पड़ती है। मत्स्य पालन में स्थिति और भी जटिल हो जाती है—समुद्री तापीय लहरों के कारण जल में घुलित ऑक्सीजन की मात्रा घटती है, जिससे मछलियां तनावग्रस्त हो जाती हैं और उनका जीवित रहना कठिन हो जाता है। इस तरह, अत्यधिक गर्मी खाद्य उत्पादन के सभी प्रमुख स्त्रोतों को एक साथ प्रभावित कर रही है। लेकिन असली चुनौती तब सामने आती है जब ये प्रभाव एक-दूसरे को बढ़ाने लगते हैं। चरम गर्मी सूखे को जन्म देती है, जिससे जल संसाधनों पर अभूतपूर्व दबाव पड़ता है। सिंचाई के लिए पानी की कमी फसलों की उत्पादकता को और घटा देती है, जबकि पशुओं और मनुष्यों के लिए जल संकट गंभीर रूप ले लेता है। इसके अलावा, उच्च तापमान कीटों और रोगों के प्रसार के लिए अनुकूल परिस्थितियां पैदा करता है। टिड्डी दल जैसी घटनाएं अधिक बार और अधिक तीव्रता से देखने को मिल रही हैं, जो कुछ ही दिनों में विशाल फसल क्षेत्र को नष्ट कर सकती हैं। इस प्रकार, तापमान वृद्धि केवल एक अलग-थलग समस्या नहीं, बल्कि एक ऐसे चक्र का हिस्सा है जो लगातार खुद को मजबूत करता जाता है।

वन क्षेत्रों में भी इसका गहरा प्रभाव दिखाई देता है। बढ़ती गर्मी और सूखे के कारण जंगलों में आग लगने की घटनाएं बढ़ रही हैं, जिससे जैव विविधता को नुकसान पहुंचता है और कार्बन चक्र बाधित होता है। यह एक खतरनाक दुष्चक्र को जन्म देता है—जंगलों की आग से कार्बन उत्सर्जन बढ़ता है, जो आगे तापमान वृद्धि को और तेज करता है, और यह वृद्धि फिर नई आग की घटनाओं को जन्म देती है। इस चक्र का प्रभाव अंततः कृषि और खाद्य प्रणालियों पर ही पड़ता है।

चरम गर्मी का एक महत्वपूर्ण लेकिन अक्सर अनदेखा पहलू श्रम उत्पादकता पर इसका प्रभाव है। कृषि क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिक, विशेषकर विकासशील देशों में, अत्यधिक तापमान के कारण काम करने में असमर्थ हो जाते हैं। जब 'गीला बल्ब तापमान' एक निश्चित सीमा से ऊपर पहुंच जाता है, तो मानव शरीर के लिए लंबे समय तक काम करना जानलेवा हो सकता है। यह स्थिति एक प्रकार का 'हीट-इकोनॉमी ट्रैप' पैदा करती है, जहां गर्मी सीधे श्रम, उत्पादन और आय—तीनों को सीमित कर देती है। अनुमान है कि दक्षिण एशिया जैसे क्षेत्रों में साल के सैकड़ों दिन ऐसे हो सकते हैं, जब श्रमिकों के लिए काम करना संभव नहीं रहेगा। इसका सीधा असर किसानों और मजदूरों की आय पर पड़ता है, जिससे आर्थिक असुरक्षा बढ़ती है। इन सभी प्रभावों का सम्मिलित परिणाम एक 'कैस्केडिंग फेल्योर' के रूप में सामने आता है। जब फसलें असफल होती हैं, पशुधन प्रभावित होता है और श्रमिक काम नहीं कर पाते, तो खाद्य आपूर्ति श्रृंखला टूटने लगती है। इसका सीधा असर बाजार पर पड़ता है—खाद्य कीमतें बढ़ती हैं, जिससे गरीब और कमजोर वर्गों के लिए भोजन तक पहुंच और कठिन हो जाती है। यह स्थिति कुपोषण, गरीबी और सामाजिक अस्थिरता को जन्म देती है। कई क्षेत्रों में यह प्रवासन को भी बढ़ावा देती है, जहां लोग जीविका की तलाश में अपने घर छोड़ने को मजबूर हो जाते हैं। इस प्रकार, चरम गर्मी एक पर्यावरणीय समस्या से कहीं अधिक—एक व्यापक सामाजिक-आर्थिक संकट बन जाती है।

भारत जैसे कृषि प्रधान देश के लिए यह चुनौती और भी गंभीर है। हरियाणा, पंजाब और उत्तर भारत के अन्य हिस्सों में हाल के वर्षों में हीटवेव्स के कारण गेहूं और चावल की पैदावार पर प्रतिकूल प्रभाव स्पष्ट रूप से देखा गया है। विशेष रूप से देर से बोई गई फसलों पर इसका असर अधिक पड़ता है, जिससे उत्पादन में 10 से 15 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई है। भारत की हरित क्रांति का केंद्र रहे ये क्षेत्र अब जलवायु अस्थिरता के सबसे बड़े प्रयोगशाला बनते जा रहे हैं। इसके साथ ही, भूजल का अत्यधिक दोहन और बढ़ती गर्मी मिलकर जल संकट को और गहरा कर रहे हैं, जो कृषि की स्थिरता के लिए गंभीर खतरा है। इस संकट का प्रभाव समान रूप से वितरित नहीं है। छोटे और सीमांत किसान, महिलाएं और युवा सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। उनके पास सीमित संसाधन, कम तकनीकी जानकारी और जोखिम उठाने की कम क्षमता होती है। परिणामस्वरूप, वे जलवायु परिवर्तन के इस बढ़ते दबाव के सामने अधिक असुरक्षित हो जाते हैं। इस प्रकार, अत्यधिक गर्मी केवल पर्यावरणीय चुनौती नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक असमानताओं को भी गहरा करने वाला कारक बन रही है। ऐसे में समाधान की दिशा में ठोस और बहुआयामी रणनीतियों की आवश्यकता है। सबसे पहले, अनुकूलन (adaptation) पर ध्यान देना होगा। जलवायु-स्मार्ट कृषि पद्धतियां—जैसे गर्मी-सहनशील बीजों का उपयोग, फसल विविधीकरण, ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई, तथा छायादार खेती—इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। इसके अलावा, मौसम पूर्वानुमान और प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों को मजबूत करना आवश्यक है, ताकि किसान समय रहते अपने निर्णय बदल सकें और नुकसान को कम कर सकें।

पशुपालन के क्षेत्र में भी सुधार की आवश्यकता है। बेहतर वेंटिलेशन वाले शेड, पर्याप्त जल उपलब्धता और चयनात्मक प्रजनन जैसी तकनीकों के माध्यम से पशुओं को गर्मी के प्रभाव से बचाया जा सकता है। साथ ही, बीमा योजनाओं और वित्तीय सहायता के जरिए किसानों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना भी आवश्यक है, ताकि वे जलवायु जोखिमों का सामना कर सकें।

नीतिगत स्तर पर, सरकारों को एक समग्र और दीर्घकालिक दृष्टिकोण अपनाना होगा। जल संरक्षण, जैव विविधता संरक्षण और सतत कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देना प्राथमिकता होनी चाहिए। भारत में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन और अन्य कृषि योजनाओं को जलवायु परिवर्तन के अनुरूप पुनर्गठित करने की आवश्यकता है। साथ ही, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहयोग बढ़ाना और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करना अनिवार्य है, क्योंकि दीर्घकालिक समाधान केवल शमन (mitigation) के माध्यम से ही संभव है।

घर ले आएं लक्ष्मी चरण पादुका

न-संपदा की प्राप्ति हेतु लक्ष्मी के पूजन का विधान है। ऐसा माना जाता है कि दीपावली की रात लक्ष्मी जी घर में आती हैं। इसीलिए लोग दहलीज से लेकर घर के अंदर जाते हुए लक्ष्मी जी के पांव बनाते हैं। इसी मान्यता के चलते हम लक्ष्मी जी को स्थाई करने हेतु घर में लक्ष्मी जी के चरणों का प्रतीक लक्ष्मी चरण पादुका स्थापित करते हैं।

लक्ष्मी जी के चरणों का रहस्य : शास्त्रों के अनुसार महालक्ष्मी के चरणों में सोलह शुभ चिन्ह होते हैं। यह चिन्ह अष्ट लक्ष्मी के दोनों पावों से उपस्थित 16 (षोडश) चिन्ह है जो के 16 कलाओं का प्रतीक हैं। शास्त्रों में मां लक्ष्मी को षोडशी भी कहकर पुकारा जाता है। ये सोलह कलाएं हैं 1.अन्नमया, 2. प्राणमया, 3.मनोमया, 4.विज्ञानमया, 5. आनंदमया, 6. अतिशयिनी, 7. विपरिनाभिमी, 8.संक्रमिनी, 9.प्रभवि, 10. कुंथिनी, 11 विकासिनी, 12.मर्यदिनी, 13. सन्हालादिनी, 14.आह्लादिनी, 15.परिपूर्ण, 16.स्वरुपवस्थित।

शास्त्रों में चंद्रमा की सोलह कलाओं का भी वर्णन आता है। चंद्रमा की सोलह कलाएं हैं अमृत, मनदा, पुष्प, पुष्टि, तुष्टि, ध्रुति, शाशनी, चंद्रिका, कांति, ज्योत्सना, श्री, प्रीति, अंगदा, पूर्ण और पूर्णामृत का उल्लेख है। वास्तवकिता में ये सोलह कलाएं सोलह तिथियां हैं जिसके क्रम में अमावस्या एकम से लेकर चतुर्दशी तथा पूर्णिमा। लक्ष्मी चरण पादुका के लक्ष्मी के षोडशी रूप के 16 चिन्ह इस प्रकार हैं 1 प्राण, 2.श्री, 3. भू, 4.कीर्तिं, 5.इला, 5 लीला, 6.कांति, 7.विद्या, 8 विमला, 8.उत्कर्शिनी, 9.ज्ञान, 10 क्रिया, 11. योग, 12.प्रहवि, 13. सत्य, 14. इसना 15. अनुग्रह, 16. नाम। अष्ट लक्ष्मी के दोनों चरणों में इस सोलह कलाओं के प्रतीक चिन्ह स्थापित होते है। सोलह कलाओं वाली श्री लक्ष्मी षोडशी का रहस्य : जो श्री विद्या सोलह कलाएं प्रदान करे वही षोडशी है। लक्ष्मी का यह स्वरुप ऐश्वर्य, धन, पद जो भी चाहिए सभी कुछ प्रदान करता है। इनके श्री चक्र को श्रीयंत्र कहा जाता है। इनका एक नाम श्री महा त्रिपुरा सुंदरी यां ललिता भी है। त्रिपुरा समस्त भुवन मे सर्वाधिक सुन्दर है। महालक्ष्मी का यह स्वरुप जीव को शिव बना देता है। यह श्री कुल की विद्या है। इनकी पूजा से साधक को पूर्ण समर्थ प्राप्त होता है। लक्ष्मी चरण पादुका इन्हीं ललिता श्री देवी के चरणों का प्रतीक है जिसमें सोलह चिन्ह बने होते हैं। लक्ष्मी चरण पादुका जहां भी स्थापित कि जाती है वहां से समस्याओं का नाश होता है। इसकी स्थापना से धनाभाव खत्म होकर स्थाई धन संपत्ति का मार्ग प्रशस्त होता है। इसे मकान, दुकान, आफिस या कहीं भी दरवाजे पर चिपकाना भी शुभ होता है। अष्ट धातु से निर्मित यह चरण पादुका सुख-समृद्धि हेतु निश्चित ही उपयोगी सामग्री है।

घर-कार्यस्थल पर न रखें श्रीगणेश की ये मूर्तियां

भगवान श्रीगणेश मंगलकारी देवता हैं। जहां श्रीगणेश का नित पूजन-अर्चन होता है, वहां रिद्धि-सिद्धि और शुभ-लाभ का वास होता है। वास्तु शास्त्र में भगवान श्रीगणेश को महत्वपूर्ण स्थान प्रदान किया गया है। धन से संबंधित जो भी बाधाएं आती हैं उसका दोष घर अथवा दुकान में ही मौजूद होता है। बहुत कुछ ऐसा होता है जिनकी अनजाने में अनदेखी हो जाती है। वास्तु दोष-विघ्न दूर करते हैं विनायक। जिस घर के मुख्य द्वार पर भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा या तस्वीर होती है, वहां रहने वालों की दिनों-दिन उन्नति होती है। आम, पीपल और नीम से बनी श्रीगणेश की मूर्तिं घर के मुख्य दरवाजे पर लगाएं। इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा आती है। घर के मुख्य द्वार पर चौखट के ऊपर भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा या तस्वीर लगानी चाहिए। उनके आस-पास सिंदूर से उनकी दोनों पत्नियों के नाम रिद्धि-सिद्धि लिखने की परम्परा है। घर में पूजा के लिए भगवान श्रीगणेश की शयन या बैठी हुई मुद्रा में मूर्तिं शुभ मानी जाती है। कार्यस्थल पर खड़ी हुई मुद्रा में भगवान श्रीगणेश की मूर्तिं लगाएं। इससे स्फूर्ति और उमंग बनी रहती है। ध्यान रहे कि खड़े हुए श्रीगणेश जी के दोनों पैर जमीन को स्पर्श करते हुए हों। इससे कार्य में स्थिरता आती है। घर में भगवान श्रीगणेश का चित्र लगाते समय ध्यान रखें कि चित्र में मोदक या लड्डू और चूहा अवश्य होना चाहिए। घर में भगवान श्रीगणेश की ज्यादा मूर्तिंयां या तस्वीरें नहीं होनी चाहिए।

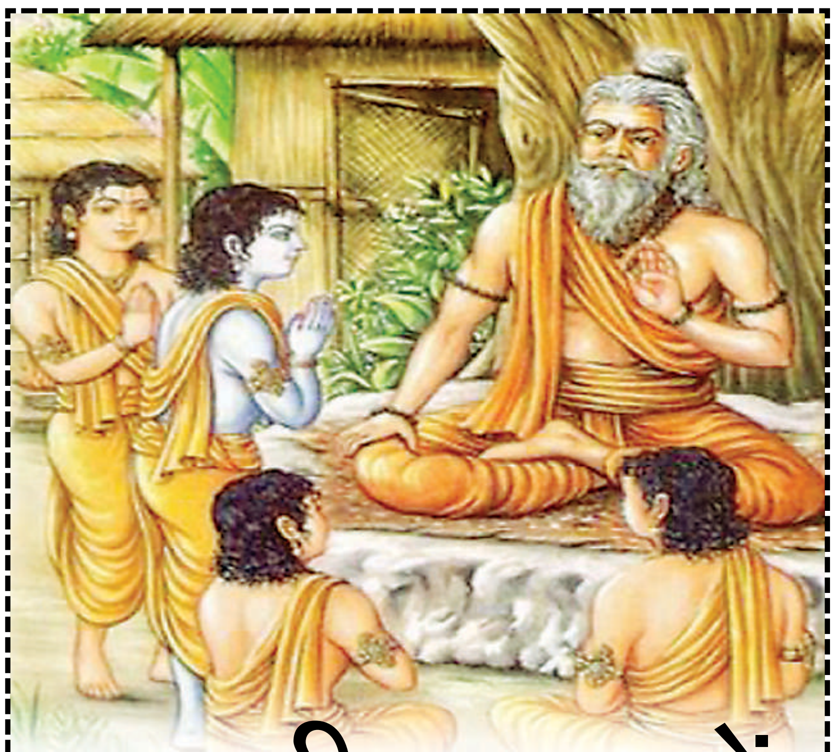

इनकी शरण में गए थे भगवान के ये अवतार

भगवद् गीता जी में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं, विगतेच्छा भय क्रोधो य : सदा मुक्त एव स : जो इच्छा, भय और क्रोध से रहित है वह सदा मुक्त ही है। इस उपरोक्त ज्ञान रूप तप से पवित्र होकर बहुत से भक्त भगवान के स्वरूप को प्राप्त कर चुके हैं। जो मनुष्य सदैव कामनाओं के अधीन रहता है उसमें सदैव भय व्याप्त रहता है। कामनाओं में विघ्न पड़ने से क्रोध उत्पन्न होता है और क्रोध से विवेक रूपी ज्ञान शक्ति का नाश होता है।

इसलिए हे अर्जुन। न हि ज्ञानेन सदृशं पवित्रमिह विद्यते इस संसार में ज्ञान के समान पवित्र करने वाला नि :संदेह कुछ भी नहीं है। भगवान के नाम का आश्रय लेने वाला सदैव भय मुक्त रहता है। असुरराज रावण, जिसे ब्रह्मा जी से वर प्राप्त था, भगवान शिव की जिस पर विशेष कृपा थी, समस्त देवतागण, नवग्रह जिसके अधीन थे। केवल भगवान श्री राम नाम का आश्रय लेकर ज्ञानियों में अग्रगण्य श्री हनुमान जी ने उसकी लंका को भस्मीभूत कर दिया। बाली पुत्र अंगद ने अपने प्रभु के नाम के बल पर ही रावण की सभा में बड़े-बड़े योद्धाओं को अपने पृथ्वी पर जमाए हुए पैर को हिलाने के लिए आमंत्रित किया। भय मुक्त अंगद के मुख पर जो आत्मविश्वास था, वह केवल भगवद् नाम की ही कृपा थी जिस कारण रावण सहित सभी योद्धाओं को अपमानित होना पड़ा था। जब तक मनुष्य के मन में भय समाया रहता है तब तक उसमें निश्चयात्मिका बुद्धि का अभाव रहता है। जब तक अर्जुन के मन में युद्ध के प्रति भय था, कि कहीं उसके हाथों अपने गुरुजनों का वध हो जाने से, अधर्म न हो जाए, वह इस निर्णय को लेने में अक्षम थे कि युद्ध करने, अथवा न करने में सही विकल्प कौन-सा है। भगवान की शरण प्राप्त करने से ही वह श्रेष्ठ निर्णय लेने में सफल रहे, जब उन्होंने स्वयं को भगवान का शिष्य मान लिया। शिष्यस्तेहं शाधि मां त्वां प्रपन्नम। इस प्रकार अर्जुन ने सभी प्रकार से भगवान की शरण प्राप्त कर ली।

मनुष्य जीवन में निर्णय-अनिर्णय की स्थिति सदैव बनी रहती है। विवेक शक्ति से युक्त होकर ही मनुष्य सही निर्णय का चुनाव करता है। भय से युक्त मन में विवेक शक्ति का अभाव होता है। मार्कण्डेय ऋषि मां भगवती से अभय प्रदान करने के लिए स्तुति करते हैं : सर्व स्वरूपे सर्वेशे सर्वशक्ति समन्विते। भयभयस्राहि नो देवि दुर्गे देवि नमोस्तुते। हे मां ! आप सर्वस्वरूपा, सर्वेश्वरी, सभी शक्तियों से सम्पन्न हैं। आप मुझे भय से मुक्त करें। हे देवि ! आपको नमस्कार है। मां आदि शक्ति सभी प्रकार के भय का नाश करने वाली है।

षोड वर्ष के बालक मार्कण्डेय ने मृत्यु को समीप जान, जब मृत्युंजय भगवान शिव जी की चंद्रशेखरमाश्रय मम किं करिष्यति वै यम : से स्तुति कर भगवान शिव को प्रसन्न कर न केवल आश्रय प्राप्त किया अपितु भगवान शिव से अमरत्व भी प्राप्त किया। भय नाम अंधकार का है। यह अंधकार अज्ञानता, अश्रद्धा और संशययुक्त बुद्धि से उत्पन्न होता है। इसी से जीव का नाश होता है।

योगी और भोगी दोनों को अंतिम समय का भय होता है परन्तु दोनों के भय में अंतर है। भोगी जीवन भर सांसारिक पदार्थों का संग्रह करता है ताकि बुढ़ापे के समय उसका जीवन कष्टमय न हो। योगी जीवन पर्यन्त यह अभ्यास करता है कि प्रयाण काल (शरीर छोड़ते समय) में उसकी चित्त वृत्ति परमात्मा में स्थिर रहे क्योंकि यह नियम है कि परमेश्वर के ध्यान के अभ्यास रूप योग से युक्त, दूसरी ओर न जाने वाले चित्त से निरंतर चिंतन करता हुआ मनुष्य परम प्रकाश रूप दिव्य पुरुष को अर्थात परमेश्वर को ही प्राप्त होता है। जटायु, बाली, भीष्म पितामह ने अंतिम समय में अपनी चित्त वृत्तियों को भगवान के श्रीमुख पर स्थिर कर परमधाम प्राप्त किया।

श्री राम चंद्र कृपालु भज मन।
हरण भव भय दारूणम

भगवान श्री राम अत्यंत कृपालु हैं तथा सांसारिक बंधनों के भय से मुक्त करने वाले हैं इसलिए हे मन। तू केवल उनका नाम ही भज।

वंदे विष्णुं

सभी लोकों के एकमात्र स्वामी भव भय हरने वाले भगवान विष्णु की हम वंदना करते हैं। उपरोक्त स्तुतियों में भय से मुक्ति हेतु ही भगवान की वंदना भक्तों द्वारा की जाती है। काक भुशुण्डि जी श्रीराम की कृपा से, भागवत प्रवक्ताओं में अग्रगण्य शुकदेव मुनि जी भगवान श्री कृष्ण जी की कृपा से ही निर्भय होकर इस संसार में विचरण करते हैं। माया के बंधन में बंधा जीव सदैव भय से युक्त रहता है। केवल भगवद् नाम का आश्रय ही जीव की बुद्धि को निर्भय बनाता है। उसके लिए आवश्यक है कि मनुष्य भगवान की दिव्य लीलाओं का स्वाध्याय करे अथवा श्रवण परायण होकर रसास्वादन करे। कलिकाल में केवल गोविंद नाम ही सब प्रकार के भय का नाश करने वाला है।

पीपल की पूजा का रहस्य

दधीचि पुत्र पिप्पलाद ने जब माता से अपने पिता की देवताओं द्वारा अस्थियां मांगे जाने और उनसे बने वज्र से अपने प्राण बचाने का पौराणिक विवरण सुना तो उनके मन में देवताओं के प्रति घृणा उपजी। मैं इनसे पिता को 'सताने' का बदला लूंगा। ऐसा संकल्प करके पिप्पलाद तप करने लगे। कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव प्रकट हुए और बोले, वर मांगो।

पिप्पलाद ने नमन किया और बोले, प्रभु ! अगर आप मुझ पर प्रसन्न हैं तो कृपा करके अपना रौद्र रूप प्रकट कीजिए और इन देवताओं को जलाकर भस्म कर दीजिए। शिव यह अनुरोध सुन कर स्तब्ध रह गए, परंतु वचन तो पूरा करना ही था। देवताओं को जलाने के लिए तीसरा नेत्र खोलने का उपक्रम करने लगे। इस आरंभ की प्रथम परिणति यह हुई कि पिप्पलाद का रोम-रोम जलने लगा। वह चिल्लाए और बोले, प्रभु ! यह क्या हो रहा है ? देवता नहीं, उल्टा मैं ही जला जा रहा हूं। शिव ने कहा, देवता तुम्हारी देह में ही समाए हुए हैं। अवयवों की शक्ति उन्हीं की सामर्थ्य है। देव जलें और तुम अछूते बचे रहो यह तो संभव नहीं है। पिप्पलाद ने अपनी याचना वापस ले ली तो शिव ने कहा, देवताओं ने त्याग का अवसर देकर तुम्हारे पिता को कृत-कृत्य और तुम्हें गौरवान्वित किया है। मरण तो होता ही है, न तुम्हारे पिता बचते और न काल के ग्रास से वृत्रासुर बचा रहता। यश, गौरव प्राप्त करने का लाभ प्रदान करने के लिए देवताओं के प्रति कृतज्ञ होना ही उचित है। पिप्पलाद का भ्रम दूर हो गया। उनकी तपस्या आत्म-कल्याण की दिशा में मुड़ गई। पिप्पलाद को ही पीपल कहते हैं। उनके त्याग, साधना और परोपकार की भावना के कारण उन्हें पूजा जाने लगा। पीपल समस्त वृक्षों में सबसे पवित्र इसलिए माना गया है क्योंकि स्वयं भगवान श्रीहरि विष्णु पीपल में निवास करते हैं। श्रीमद् भागवत गीता में स्वयं भगवान श्रीकृष्ण ने अपने श्रीमुख से उच्चारित किया है कि,वृक्षों में मैं 'पीपल' हूं।

स्कंद पुराण के अनुसार पीपल के मूल (जड़) में विष्णु, तने में केशव, शाखाओं में नारायण, पत्तों में भगवान हरि और फलों में समस्त देवताओं से युक्त भगवान सदैव निवास करते हैं। ऑक्सीजन 'प्राण-वायु' कही जाती है। प्रत्येक जीवधारी ऑक्सीजन लेता है व कार्बन डाईआक्साइड छोड़ता है। ऑक्सीजन देने के अतिरिक्त पीपल में अनेक विशेषताएं हैं जैसे इसकी छाया सर्दी में गर्मी देती है और गर्मी में शीतलता देती है। इसके अतिरिक्त पीपल के पत्तों से स्पर्श करने से वायु में मिले संक्रामक वायरस नष्ट हो जाते हैं। इसकी छाल, पत्तों और फल आदि से अनेक प्रकार की रोगनाशक दवाएं बनती हैं। इस दृष्टि से भी पीपल पूजनीय है।

भगवान शिव ने कब, कहां और किसे दिया अमरत्व का वरदान

भारत विभिन्न संस्कृति और धर्मों का घर है। हमारे देश में भिन्न-भिन्न धर्मों को मानने वाले लोग रहते हैं। भारत के प्रसिद्ध धार्मिक पूजा स्थलों में से एक अमरनाथ धाम है। अमरनाथ हिंदुओं का प्रमुख तीर्थस्थल है। कश्मीर राज्य के उत्तर पूर्व से 135 हजार मीटर की दूरी पर अमरनाथ की गुफा स्थित है। अमरनाथ गुफा भगवान शिव के प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक है। कहा जाता है कि इसी गुफा में भगवान शिव ने मां पार्वती को अमर कथा का रहस्य बताया था। एक बार पार्वती द्वारा अमर होने की कथा सुनने की जिद्द करने पर भगवान शिव पार्वती को अमर कथा सुनाने के लिए समुद्रतल से 13,600 फुट की ऊंचाई पर स्थित इस स्थान पर लाए। गुफा में प्रवेश करने से पहले भगवान शिव ने अपने गले में सुशोभित नाग और सिर पर सजे चांद को उतार दिया। ताकि माता पार्वती के अलावा कोई और कथा न सुन सके। यहां आकर उन्होंने माता पार्वती को कथा सुनानी आंरभ की लेकिन माता को कथा के मध्य में ही नींद आ गई। इस दौरान इस गुफा में कबूतरों के दो बच्चों ने जन्म लिया, जिन्होंने अमर कथा सुन अमरता प्राप्त की। जब शिव जी को यह ज्ञात हुआ तो वह क्रोधित हो गए और उन्हें मारने के लिए आगे बढ़े। तभी कबूतरों ने भगवान शिव को कहा कि अगर वे उन्हें मारेंगे तो अमर कथा झूठी साबित हो जाएगी। तब शिव जी ने अपने क्रोध को शांत कर उन्हें वरदान दिया कि युगों-युगों तक तुम दो कबूतरों का जोड़ा शिव-पार्वती का प्रतीक बन कर इस गुफा में निवास करेगा। उसी समय से यह स्थान अमरनाथ गुफा के नाम से प्रचलित हुआ। मान्यता है कि इन कबूतरों के दर्शन करने से शिव-पार्वती के दर्शनों जितना पुण्य मिलता है। इनके दर्शनों से वंचित रहने वाले हर व्यक्ति की यात्रा असफल मानी जाती है।

क्रूज हादसा : चौथे दिन मिले चाचा-भतीजे के शव, अब मरने वालों की संख्या हुई 13

-मृतकों में 4 बच्चे और 8 महिलाएं शामिल, अभी भी जारी सर्चिंग ऑपरेशन

धनबाद (एजेंसी)। जबलपुर,(ईएमएस)। जबलपुर के बरगी क्रूज हादसे में रविवार सुबह कामराज आर का शव निकाला गया। इससे पहले सुबह करीब 6 बजे उनके 8 साल के भतीजे मयूरन की डेडबॉडी मिली थी। वह त्रिची (तमिलनाडु) से आया था। हादसे में अब तक 13 लोगों की मौत हो चुकी है। इससे पहले शनिवार शाम 6 बजे दो बच्चों के शव मिले थे। इनमें से एक की पहचान श्रीतमिल पिता कामराज (5) और विराज पिता कृष्ण सोनी (5) के रूप में हुई थी। हादसे के पहले दिन 4 शव, दूसरे दिन 5, तीसरे दिन 2 और चौथे दिन दो शव मिले। मृतकों में 4 बच्चे और 8 महिलाएं शामिल हैं। सीएसपी अंजुल अयंक मिश्रा ने बताया कि एहतियात के तौर पर आज दिनभर सर्चिंग अभियान चलाया जाएगा। बता दें 30 अप्रैल की शाम करीब 5 बजे मप्र टूरिज्म का पर्यटकों से भरा क्रूज बरगी डैम में डूब गया था। उसमें करीब 47 पर्यटक सवार थे, जबकि टिकट सिर्फ 29 लोगों की ही कटी थी। हादसा किनारे से करीब 300 मीटर दूर हुआ था। उस वक्त हवा की रफ्तार करीब 74 किमी/घंटा थी। बरगी क्रूज हादसे में जान गंवाने वाले तमिलनाडु के पर्यटकों के शव उनके गृह राज्य भेजे गए। जबलपुर के डुमना एयरपोर्ट से कार्गो विमान के जरिए शवों को त्रिची रवाना किया गया। शुरुआत में तकनीकी कारणों से एक कार्गो विमान में दिक्कत आई, जिसके बाद शवों को दूसरे विमान से भेजा गया। मृतकों के परिजन भी साथ में गए। प्रशासन की ओर से अन्य शवों को भी उनके गृह राज्यों तक पहुंचाने की तैयारी की जा रही है।

हैदराबाद में खौफनाक घटना, कार के बोनट पर व्यक्ति को 2 किमी तक घसीटा

-पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की

हैदराबाद, (एजेंसी)। हैदराबाद के मीरपेट इलाके में सड़क में हुए विवाद के बाद एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। दरअसल यू-टर्न को लेकर हुए झगड़े के बाद एक कार चालक ने एक व्यक्ति को लगभग 2 किलोमीटर तक कार के बोनट पर घसीट दिया। यह घटना 1 मई की रात की बताई जा रही है। पुलिस ने मीडिया को बताया, कि पीड़ित व्यक्ति अपने बेटे के साथ दोपहिया वाहन पर जा रहा था। बेटे ने यू-टर्न लेने के लिए इंडिकेटर दिया था, जिस पर पीछे से आ रहे कार चालक से बहस हो गई। विवाद बढ़ने पर कार चालक ने कथित तौर पर युवक के बाल पकड़ लिए, जिससे वह सड़क पर गिरकर घायल हो गया। अपने बेटे को बचाने के लिए पिता कार के बोनट पर चढ़ गया, लेकिन चालक ने गाड़ी रोकने के बजाय उसे लेकर आगे तेजी से बढ़ता चला गया। आरोपी कार चालक मीरपेट से बालापुर तक लगभग 2 किलोमीटर तक पीड़ित को बोनट पर घसीटता रहा और बाद में मौके से फरार हो गया। घटना का वीडियो सामने आने के बाद मामला और गंभीर हो गया है। पीड़ित की शिकायत पर मीरपेट पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है।

गायक फाजिलपुरिया के मैनेजर के घर पर फायरिंग, सुरक्षाकर्मी को लगी गोली

गुरुग्राम (एजेंसी)। सेक्टर 40 थाना क्षेत्र के कन्हई गांव में शनिवार रात बाइक सवार बदमाशों ने गायक राहुल फाजिलपुरिया के मैनेजर के घर के बाहर फायरिंग की। यहां चार राउंड फायरिंग की गई। इसमें एक गोली घर के बाहर सुरक्षा में तैनात सिपाही को लगी। सूचना मिलते ही पुलिस के साथ-साथ अपराध शाखा और फॉरेंसिक की टीमें मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस के मुताबिक सौरभ यादव को पहले ही दीपक नांदल गैंग की तरफ से धमकी मिली थी। उसे काफी समय से विदेशी नंबर से वॉट्सएप कॉल आ रहे थे। सौरभ पहले राहुल फाजिलपुरिया के मैनेजर थे और उसके सबसे ज्यादा करीबी भी रहे हैं। रात करीब साढ़े 11 बजे बाइक सवार दो युवक आए जिन्होंने चार राउंड फायरिंग की। इस दौरान सुरक्षा में तैनात सिपाही कुलबीर घर के बाहर मौजूद थे, जिन्हें एक गोली पेट को छूकर निकल गई। वारदात के बाद बदमाश फरार हो गए। घायल सिपाही कुलबीर को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बता दें इससे पहले पिछले साल जुलाई में गायत राहुल फाजिलपुरिया पर भी जानलेवा हमला हुआ था। एसपीआर रोड पर दो बदमाशों ने उनकी गाड़ी पर फायरिंग की थी। इसके बाद गायक के फाइनेंसर की भी गोलियां माकर हत्या कर दी गई थी। बताया जाता है कि दीपक नांदल और राहुल फाजिलपुरिया के बीच पैसों के लेनदेन को लेकर काफी समय से विवाद चल रहा है। दीपक ने सभी मामलों में सोशल मीडिया पर पोस्टर जारी कर घटना की जिम्मेदारी ली थी और पैसे वापस करने के लिए धमकी दी थी।

चंडीगढ़ में चली आंधी-तूफान, घरेलू उड़ानों पर पड़ा असर, उड़ानें देरी से हुई रवाना

चंडीगढ (एजेंसी)। रविवार सुबह अचानक मौसम ने करवट ली और तेज आंधी तूफान के साथ भारी बारिश ने चंडीगढ़ और आसपास के क्षेत्रों में जनजीवन अस्त व्यस्त कर दिया। इसका सीधा असर चंडीगढ़ इंटरनेशनल एअरपोर्ट की उड़ानों पर पड़ा, जहां कई घरेलू उड़ानों को देर से रवाना होना पड़ा। जानकारी के मुताबिक सुबह 7ः50 बजे हैदराबाद के लिए रवाना होने वाली एअर इंडिया की फ्लाइट एआई-1862 को मौसम की खराब स्थिति के कारण करीब एक घंटे देरी यानी 9ः02 बजे चंडीगढ़ एअरपोर्ट से उड़ान भर सकी। इस तरह सुबह 8ः10 बजे बेंगलुरु के लिए इंडिगो की फ्लाइट 6ई 6634 भी प्रभावित हुई और यह विमान 9ः18 बजे रवाना हुआ। वहीं सुबह 8ः20 बजे मुंबई के लिए प्रस्थान करने वाली एअर इंडिया की फ्लाइट एआई-472 भी समय पर उड़ान नहीं भर सकी और यह 9ः09 बजे मुंबई के लिए रवाना हुई। हालांकि, एअरपोर्ट पर आने वाली उड़ानों पर इस मौसम का ज्यादा प्रभाव नहीं देखा गया। इसका मुख्य कारण एअरफोर्स द्वारा लगाया गया नोटम बताया जा रहा है। इस नोटम के तहत रविवार को सुबह 7ः40 बजे से पहले और दोपहर 1ः30 बजे के बाद आगमन की अनुमति तय की गई थी, जिससे लैंडिंग संचालन नियंत्रित और सुरक्षित रहा। एअरपोर्ट अधिकारियों के मुताबिक खराब मौसम के बावजूद सुरक्षा मानकों को प्राथमिकता देते हुए उड़ानों का संचालन सावधानीपूर्वक किया गया।

चेहरा बदलने से सरकार का चरित्र नहीं बदलेगा, नीतीश की तर्ज पर चलेगा बिहार

डिप्टी सीएम बोले- मुसलमानों को डरने की जरूरत नहीं, जेडीयू का ट्रिपल सी पर फोकस

पटना (एजेंसी)। बिहार के डिप्टी सीएम विजय कुमार चौधरी ने कहा कि मुसलमानों को डरने की जरूरत नहीं है। चुनाव से पहले 25 से 30 फिर से नीतीश का नारा दिया गया था। अगले पांच साल बिहार उसी तर्ज पर चलेगा, जैसा नीतीश कुमार चाहते हैं नीतीश के मन मुताबिक ही बीजेपी ने सम्राट चौधरी को मुख्यमंत्री बनाया है। सम्राट चौधरी का बैकग्राउंड भी बीजेपी वाला नहीं है। पटना से चंपारण तक अचानक प्रेसवार्ता कर ताबड़तोड़ सुरक्षा वाली गारंटी दी?

सियासी गलियारे में सवाल पूछे जा रहे हैं कि अचानक ऐसा क्या हुआ, जो प्रेस के जरिए गारंटी दी जाने लगी है? राजनीतिक संशयों के बीच उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने अल्पसंख्यकों को सुरक्षा और विकास का भरोसा दिलाया। उन्होंने साफ किया कि सत्ता का शीर्ष चेहरा बदलने से सरकार का चरित्र नहीं बदलेगा। पटना जेडीयू प्रदेश कार्यालय में मीडिया से मुखातिब विजय चौधरी ने कहा कि भले ही कमान सम्राट चौधरी के हाथों में है, लेकिन सरकार का एजेंडा वही रहेगा जो नीतीश कुमार ने पिछले दो दशकों में स्थापित किया है। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि बीजेपी के नाम का डर दिखाकर अल्पसंख्यकों को गुमराह करना अब संभव नहीं है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विजय चौधरी ने जोर देकर कहा कि चुनाव से पहले दिया गया 25 से 30 फिर से नीतीश का नारा सरकार के लिए प्रतिबद्धता है। अगले पांच साल बिहार का शासन उसी तर्ज पर चलेगा जैसा नीतीश कुमार चाहते हैं। सीएम सम्राट चौधरी ने भी विधानसभा में साफ कर दिया है कि उनकी सरकार क्राइम, करप्शन और कम्युनलिज्म (3सी) से कोई समझौता नहीं करेगी। सांप्रदायिकता के खिलाफ सरकार की नीति पूरी तरह स्पष्ट है। चौधरी ने आरजेडी का नाम लिए बिना 2005 से पहले की सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि पहले की सरकारें अल्पसंख्यकों को सिर्फ सुरक्षा का डर दिखाकर सत्ता हासिल करती थीं। सरकार का दायित्व केवल सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि नागरिकों की माली हालत सुधारना भी है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष केवल बीजेपी का डर दिखाकर अल्पसंख्यकों का राजनीतिक शोषण करता रहा है। चौधरी यहीं नहीं रूके। उन्होंने नीतीश कुमार के शासनकाल में अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए उठाए गए कामों को भी गिनाया।

नीतीश कुमार के कार्यकाल में मदरसों की ढांचागत और शैक्षणिक स्थिति में अभूतपूर्व सुधार हुआ। छात्र क्रेडिट कार्ड और पोशाक योजना जैसी योजनाओं का लाभ बिना भेदभाव के मुस्लिम समाज को मिला। कमजोर तबके के उत्थान के लिए चलाई गई योजनाओं ने अल्पसंख्यकों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाया। सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के लिए सरकार हमेशा अपनी जीरो टॉलरेंस नीति पर अडिग रही। दरअसल 2023 की बिहार जाति आधारित गणना के मुताबिक राज्य में मुस्लिम आबादी 17.7फीसदी है। इनमें अनुमान के मुताबिक 12-14फीसदी मुस्लिम जेडीयू को और 70-75फीसदी आरजेडी को वोट डालते हैं। जो मुस्लिम जेडीयू को वोट देते हैं, वो सिर्फ और सिर्फ नीतीश पर भरोसा करते हैं। अब कुर्सी बदल गई तो उसे मेंटेन रखना एक चुनौती है। अब सीएम की कुर्सी नीतीश से खिसककर बीजेपी के सम्राट चौधरी के पास पहुंच गई है। आरजेडी कुछ गेम न कर दे, इसे लेकर पहले की तैयारी के तौर पर जेडीयू के प्रेस कॉन्फ्रेंस को देखा जा रहा है।

बंगाल की खाड़ी में चीन का जासूसी जहाज शी यान 6 दाखिल, भारत के रणनीतिक बैकयार्ड में ड्रैगन की सेंध का प्रयास

नई दिल्ली (एजेंसी)। जासूसी की अपनी पुरानी फितरत को दोहराते हुए चीन ने एक बार फिर बंगाल की खाड़ी में अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। बीजिंग का अत्याधुनिक रिसर्च वेसल और जासूसी जहाज 'शी यान 6' भारतीय समुद्री सीमा के करीब रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्र में दाखिल हो चुका है। सैटेलाइट इमेजरी और विशेषज्ञों द्वारा साझा किए गए नक्शों से इस बात की पुष्टि हुई है कि मालदीव के माले में ईंधन और रसद भरने के बाद यह जहाज अब सीधे भारत के रणनीतिक बैकयार्ड की टोह लेने के मिशन पर निकल पड़ा है। यह जहाज मार्च 2025 में हिंद महासागर क्षेत्र में दाखिल हुआ था और तब से लगातार भारत की समुद्री गतिविधियों पर नजर रख रहा है। शी यान 6 का यह मिशन केवल वैज्ञानिक शोध तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारत के ग्रेटर निकोबार प्रोजेक्ट के लिए एक बड़ा खतरा माना जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, चीन का यह साइलेंट किलर जहाज चार प्रमुख तरीकों से भारत की सुरक्षा में सेंध लगा सकता है। सबसे बड़ा खतरा समुद्री सतह के नीचे का डेटा चोरी करना है, जो भविष्य में चीनी पनडुब्बियों के लिए गुप्त रास्ते बनाने में मदद कर सकता है। चीन की इस चालबाजी का दूसरा बड़ा कारण उसका मलक्का डिलेमा है। चीन का लगभग 80 प्रतिशत तेल व्यापार मलक्का जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है, जहाँ भारत का ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट एक गेटकीपर की भूमिका निभाता है। चीन चाहता है कि वह इस प्रोजेक्ट की भौगोलिक और सैन्य जानकारी समय से पहले जुटा ले, ताकि युद्ध जैसी स्थिति में भारतीय नाकेबंदी को चकमा दिया जा सके।

भाजपा नेता की हत्या के मामले में कांग्रेस विधायक कुलकर्णी की सदस्यता रद्द

-धारवाड़ विधानसभा सीट रिक्त घोषित

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में भाजपा नेता योगेश गौड़ा की हत्या के मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद कांग्रेस विधायक विनय कुलकर्णी को विधानसभा की सदस्यता से अयोग्य घोषित कर दिया गया है। कर्नाटक विधानसभा सचिवालय द्वारा जारी एक आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, कुलकर्णी की सदस्यता 15 अप्रैल 2024 से समाप्त मानी गई है, जिस दिन विशेष अदालत ने उन्हें दोषी करार दिया था। यह कार्रवाई भारतीय संविधान के अनुच्छेद 191(1)(ई) और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 8 के तहत की गई है।

विधानसभा सचिव एम.के. विशालाक्षी द्वारा जारी इस आदेश में स्पष्ट किया गया है कि अयोग्यता न केवल उनकी सजा की अवधि के दौरान प्रभावी रहेगी, बल्कि जेल से रिहाई के बाद भी अगले छह वर्षों तक लागू रहेगी। यह प्रतिबंध तभी हट सकता है जब किसी उच्च या सक्षम अदालत द्वारा उनकी दोषसिद्धि और सजा पर रोक लगा दी जाए। इस फैसले के बाद धारवाड़ विधानसभा सीट को आधिकारिक तौर पर रिक्त घोषित कर दिया गया है। यह मामला वर्ष 2016 का है, जब 15 जून को धारवाड़ के एक जिम में भाजपा नेता योगेश गौड़ा की निर्मम हत्या कर दी गई थी। गौड़ा को विनय कुलकर्णी का राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी माना जाता था। घटना के समय कुलकर्णी सिद्धारमैया सरकार में कैबिनेट मंत्री थे। शुरुआत में उन पर कोई कार्रवाई नहीं हुई, लेकिन भाजपा द्वारा इसे बड़ा मुद्दा बनाए जाने और जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपे जाने के बाद कुलकर्णी की मुश्किलें बढ़ गईं। सीबीआई जांच में उन्हें हत्या की साजिश रचने का मुख्य आरोपी पाया गया। बेंगलुरु की विशेष अदालत ने 15 अप्रैल को कुलकर्णी समेत 16 अन्य लोगों को इस हत्याकांड में उम्रकैद की सजा सुनाई थी। हालांकि विधानसभा अध्यक्ष यू.टी. खादर ने शुरुआत में सजा की आधिकारिक सूचना मिलने तक कार्रवाई में देरी की बात कही थी, लेकिन विपक्षी दलों और सामाजिक कार्यकर्ताओं के बढ़ते दबाव के बाद यह अधिसूचना जारी की गई। कुलकर्णी, जो वर्तमान में कर्नाटक अर्बन वॉटर सप्लाई एंड ड्रेनेज बोर्ड के अध्यक्ष भी थे, ने इस सजा के खिलाफ उच्च न्यायालय में अपील दाखिल की है। फिलहाल वह बेंगलुरु सेंट्रल जेल में बंद हैं। इस घटनाक्रम ने राज्य की राजनीति में हलचल मचा दी है, क्योंकि एक रसूखदार नेता को अपने ही राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी की हत्या के षड्यंत्र में पद गंवाना पड़ा है।

पश्चिम बंगाल चुनाव: मतगणना से पहले फाल्टा में भारी बवाल

अभिषेक बनर्जी ने मुख्य चुनाव आयुक्त पर साधा निशाना

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों की आहट के बीच प्रदेश का सियासी पारा चरम पर पहुंच गया है। 4 मई 2026 को होने वाली मतगणना से ठीक पहले दक्षिण 24 परगना जिले का फाल्टा विधानसभा क्षेत्र भारी तनाव और हिंसा के आरोपों का केंद्र बन गया है। फाल्टा में तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार जहांगीर खान के करीबी सहयोगी इस्राफील चौकीदार के खिलाफ स्थानीय जनता का गुस्सा फूट पड़ा है। ग्रामीणों, विशेषकर महिलाओं ने सड़कों पर उतरकर टीएमसी नेताओं पर डराने-धमकाने और घर जलाने की धमकी देने के गंभीर आरोप लगाए हैं।

यह विवाद तब और गहरा गया जब भाजपा आईटी सेल की ओर से सोशल मीडिया पर दावा किया गया कि फाल्टा में मतदाताओं को धमकाने के आरोप में अतीबुर शेख, हबीब शेख और हबीब मोल्ला को गिरफ्तार किया गया है, लेकिन मुख्य आरोपी इस्राफील चौकीदार अब भी पुलिस की पकड़ से बाहर है। भाजपा ने सवाल उठाया कि क्या बंगाल पुलिस कार्रवाई के लिए सत्ताधारी दल के निर्देशों का इंतजार कर रही है। स्थानीय महिलाओं का आरोप है कि उन्हें धमकी दी गई है कि यदि भाजपा चुनाव जीतती है, तो उनके घर जला दिए जाएंगे और खून-खराबा होगा।

विवाद उस समय व्यक्तिगत हमले में बदल गया जब निर्वाचन आयोग ने शिकायतों के आधार पर फाल्टा में फिर से चुनाव कराने का निर्णय लिया। इस फैसले के बाद टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर सीधा निशाना साधते हुए उन्हें कठपुतली तक कह डाला। अभिषेक बनर्जी ने विपक्षी नेताओं को चुनौती देते हुए कहा कि उनके डायमंड हार्बर मॉडल को कोई नुकसान नहीं पहुँचा सकता। उन्होंने विरोधियों को फाल्टा में आकर चुनाव लड़ने की खुली चुनौती दी।

निर्वाचन आयोग की इस कार्रवाई और अभिषेक बनर्जी के कड़े तेवरों ने चुनाव की निष्पक्षता को लेकर एक नई बहस छेड़ दी है। जहां विपक्षी दल इसे सत्ता की हताशा बता रहे हैं, वहीं टीएमसी इसे राज्य की छवि खराब करने की साजिश करार दे रही है। फिलहाल फाल्टा में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और पूरे राज्य की नजरें 4 मई को आने वाले जनादेश पर टिकी हैं।

अखिलेश यादव ने बीजेपी को बताया 'झूठ की सोन पपड़ी' : फाल्टा में पुनर्मतदान के फैसले पर उठाए सवाल, टीएमसी की जीत का दावा

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला है। फाल्टा विधानसभा सीट पर पुनर्मतदान के फैसले को लेकर उन्होंने बीजेपी की मंशा पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह पार्टी 卐झूठ की सोन पपड़ी卐 की तरह है, जो एक झूठ के ऊपर दूसरा झूठ चढ़ाती है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए आरोप लगाया कि बीजेपी अपनी संभावित हार से बचने के लिए बहाने ढूंढ रही है। उन्होंने कहा कि फाल्टा में दोबारा मतदान कराने का फैसला इसी दिशा में एक कदम है। उन्होंने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए। उनके अनुसार, पुनर्मतदान का फैसला मीडिया रिपोर्ट्स और टीवी प्रसारण के आधार पर लिया गया, जो कई गंभीर सवाल खड़े करता है। अखिलेश ने कहा कि यदि मतदान केंद्रों के अंदर तक मीडिया की पहुंच थी, तो यह नियमों के विपरीत है, खासकर तब जब सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। सपा प्रमुख ने यह भी कहा कि यदि बूथ कैप्चरिंग जैसी आशंका जताई गई है, तो चुनावी पर्यवेक्षकों की भूमिका की जांच होनी चाहिए और जरूरत पड़ने पर उनके खिलाफ कार्रवाई भी की जानी चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि यदि किसी अधिकारी की लापरवाही के कारण पुनर्मतदान की नौबत आई है, तो उसके खर्च की जिम्मेदारी भी तय होनी चाहिए। इसके साथ ही अखिलेश यादव ने दावा किया कि बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को स्पष्ट बढ़त मिल रही है और जनता ने पहले ही उसे आगे कर दिया है। उन्होंने बीजेपी पर 卐षड्यंत्र卐 रचने का आरोप लगाते हुए कहा कि पार्टी के कार्यकर्ता हर कोशिश को नाकाम कर देंगे। अखिलेश यादव ने कार्यकर्ताओं से सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा कि जब तक जीत का आधिकारिक प्रमाण हाथ में न आ जाए, तब तक पूरी तरह चौकन्ना रहना जरूरी है।

तिरुपति लड्डू विवाद: टीटीडी ने बिना जांच के खरीदा 70 लाख किलो घी

जांच रिपोर्ट में बड़े भ्रष्टाचार का हुआ खुलासा

अमरावती (एजेंसी)। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) द्वारा विश्व प्रसिद्ध तिरुपति लड्डू बनाने के लिए इस्तेमाल किए गए घी की खरीद में एक बड़े घोटाले और प्रशासनिक विफलता का खुलासा हुआ है। आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा गठित एक सदस्यीय जांच आयोग ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि टीटीडी ने बिना अनिवार्य गुणवत्ता जांच के 70 लाख किलोग्राम से अधिक घी की खरीद की। इस लापरवाही के कारण ही आपूर्तिकर्ताओं को प्रसाद के लिए मिलावटी घी देने का मौका मिला।

मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू द्वारा नियुक्त सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी दिनेश कुमार की अध्यक्षता वाले आयोग ने अपनी रिपोर्ट में स्पष्ट किया कि यह पूरी तरह से प्रशासनिक विफलता थी। रिपोर्ट के अनुसार, टीटीडी के अधिकारियों ने शुरू में भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के कड़े मानकों को लागू करने की योजना बनाई थी, जिसे जुलाई 2022 से प्रभावी होना था। हालांकि, बाद में नियमों में गुपचुप तरीके से ढील दे दी गई और आपूर्तिकर्ताओं को जरूरी जांचों से छूट प्रदान की गई। इसी छूट का फायदा उठाकर भारी मात्रा में घटिया गुणवत्ता वाला घी खरीदा गया।

आयोग ने पाया कि निविदा (टेंडर) प्रक्रिया के दौरान सुरक्षा मानकों को जानबूझकर कमजोर किया गया। कम कीमत की बोलियों को बिना जांचे स्वीकार किया गया और उन कंपनियों को भी ठेके दिए गए, जिनके पास पर्याप्त उत्पादन क्षमता तक नहीं थी। जांच में सबसे चौंकाने वाला तथ्य यह सामने आया कि अगस्त 2022 की एक लैब रिपोर्ट, जिसमें घी में वनस्पति वसा (वेजिटेबल फैट) की मौजूदगी की पुष्टि हुई थी, उसे अधिकारियों ने दबा दिया। मिलावट सिद्ध होने के बावजूद संबंधित कंपनियों को काली सूची (ब्लैकलिस्ट) में डालने के बजाय उनसे आपूर्ति जारी रखी गई। रिपोर्ट में टीटीडी की अपनी प्रयोगशाला की स्थिति पर भी सवाल उठाए गए हैं। बताया गया कि लैब के आधुनिकीकरण का काम तीन साल तक टाल दिया गया और निरीक्षण समितियों में उन्हीं लोगों को रखा गया जो खरीद प्रक्रिया से जुड़े थे, जिससे स्वतंत्र निगरानी खत्म हो गई। प्रीमियर एग्री फूड्स, एआर डेयरी फूड और भोले बाबा ऑर्गेनिक डेयरी जैसी कंपनियों पर मिलावटी घी और सिंथेटिक केमिकल के इस्तेमाल के गंभीर आरोप हैं। आयोग ने इस पूरी गड़बड़ी के लिए टीटीडी बोर्ड, खरीद समिति के सदस्यों और वरिष्ठ अधिकारियों को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया है। प्रशासन की इस अनदेखी ने न केवल करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था को ठेस पहुँचाई, बल्कि खाद्य सुरक्षा के मानकों की भी धज्जियां उड़ा दीं।

फारूक अब्दुल्ला ने कहा- कश्मीरी पंडितों के बगैर अधूरा है जेएंडके

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में शांति, भाईचारे और सुरक्षा को लेकर दो महत्वपूर्ण स्वर उभरे हैं। एक ओर नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने कश्मीरी पंडितों की घर वापसी की वकालत करते हुए घाटी के पुराने स्वरूप को बहाल करने पर जोर दिया है, वहीं दूसरी ओर उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने नशे के कारोबार और आतंकवाद के गठजोड़ को खत्म करने के लिए निर्णायक युद्ध का शंखनाद किया है।एक पुस्तक विमोचन समारोह के दौरान फारूक अब्दुल्ला ने कश्मीरी पंडितों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि कश्मीर सभी समुदायों का साझा घर है और पंडितों के बिना यह अधूरा है। उन्होंने 1990 के दशक में हुए पलायन को क्षेत्र के लिए सबसे बड़ा मानवीय और सांस्कृतिक नुकसान बताया।

अब्दुल्ला ने भावुक होते हुए कहा, मैं अल्लाह से दुआ करता हूं कि जो लोग यहां से चले गए, वे अपने घरों को वापस लौटें और एक बार फिर खुशहाली से रहें। कश्मीर की असली पहचान हिंदू, मुस्लिम और सिख समुदायों का आपसी मेलजोल ही है। उन्होंने उम्मीद जताई कि घाटी में जल्द ही वह दौर वापस आएगा जब सभी समुदाय पुराने गौरव और भाईचारे के साथ एक साथ रहेंगे। घाटी के सामाजिक ताने-बाने को मजबूत करने की इस अपील के बीच, प्रशासन सुरक्षा और युवाओं के भविष्य को लेकर बेहद सतर्क है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने केंद्र शासित प्रदेश में बढ़ते नशे के कारोबार को एक रणनीतिक साजिश करार दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नशीली दवाओं का व्यापार सीधे तौर पर आतंकवाद से जुड़ा है, जिसका उद्देश्य युवाओं को बर्बाद करना और नारको-टेरर के जरिए अशांति फैलाना है। प्रधानमंत्री के नशा मुक्त भारत अभियान के तहत उपराज्यपाल ने एक विशेष 3पी रणनीति को लागू किया है। इस रणनीति का मुख्य उद्देश्य ड्रग सप्लाई चेन को ध्वस्त करना, शिक्षा के माध्यम से जागरूकता फैलाना और नशे के शिकार युवाओं का प्रभावी पुनर्वास करना है। प्रशासन का मानना है कि सीमाओं पर सक्रिय सप्लाई चेन को तोड़ना न केवल युवाओं को बचाएगा, बल्कि आतंकवाद की फंडिंग पर भी करारी चोट करेगा। अब यह अभियान एक जन आंदोलन का रूप ले चुका है, जिसमें पुलिस और जनता के बेहतर तालमेल से सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं।

कनाडा बनाम भारत: सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो ने छेड़ी वर्क-लाइफ बैलेंस की बहस

नई दिल्ली(एजेंसी)। सोशल मीडिया पर इन दिनों एक भारतीय मूल के व्यक्ति का वीडियो काफी चर्चा बटोर रहा है, जिसमें उसने कनाडा और भारत के आईटी सेक्टर के कार्य परिवेश के बीच के बड़े अंतर को उजागर किया है। इस वीडियो ने प्रोफेशनल जगत में वर्क-लाइफ बैलेंस को लेकर एक नई राष्ट्रीय बहस छेड़ दी है। वीडियो में वह व्यक्ति कनाडा के एक ऑफिस का दृश्य दिखाते हुए बताता है कि वहां शाम 4ः30 बजते ही कर्मचारी अपना काम समेटकर घर के लिए निकल जाते हैं। उसके अनुसार, विदेशों में समय पर ऑफिस छोड़ना एक सामान्य संस्कृति है, जहां लोग काम के बाद अपनी निजी जिंदगी और परिवार को प्राथमिकता देते हैं।

कनाडा की तुलना भारत से करते हुए उस व्यक्ति ने बताया कि भारत के आईटी ऑफिसों में स्थिति इसके बिल्कुल विपरीत है। यहां कर्मचारियों को अक्सर 10 से 12 घंटे की लंबी शिफ्ट करनी पड़ती है। कई मामलों में तो कर्मचारी तब तक अपनी सीट नहीं छोड़ पाते, जब तक उनके वरिष्ठ अधिकारी या बॉस उन्हें जाने का संकेत न दे दें। वीडियो के मुताबिक, कनाडा में काम के बाद लोग अपने शौक पूरे करने, जिम जाने या घूमने के लिए स्वतंत्र होते हैं, जबकि भारत में काम के भारी दबाव और हर समय उपलब्ध रहने की अपेक्षा के कारण लोगों के पास खुद के लिए समय ही नहीं बचता।

वीडियो का मुख्य संदेश यह है कि काम केवल आजीविका का साधन होना चाहिए, न कि पूरी जिंदगी का केंद्र। उस व्यक्ति ने सुझाव दिया है कि यदि भारत में भी काम के घंटों और ओवरटाइम को लेकर कड़े नियम लागू किए जाएं, तो यहां के कार्य परिवेश में बड़ा सुधार हो सकता है। इस वीडियो पर नेटिजन्स की मिली-जुली प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। जहां बड़ी संख्या में लोग विदेशी वर्क-कल्चर की तारीफ कर रहे हैं, वहीं विशेषज्ञों का मानना है कि भारत में प्रतिभा की कमी नहीं है, लेकिन ऑफिस कल्चर में आमूलचूल बदलाव की आवश्यकता है। यह वीडियो एक गंभीर सवाल खड़ा करता है कि क्या निरंतर बढ़ता पेशेवर दबाव हमारी व्यक्तिगत खुशियों को निगल रहा है?

नीट (यूजी)-2026 परीक्षा साहेबगंज में शांतिपूर्ण व सफलतापूर्वक संपन्न

नीट परीक्षा के सफल आयोजन हेतु जिले में बनाए गए तीन परीक्षा केंद्र

नीट परीक्षा को लेकर 06 स्टैटिक, 03 उड़नदस्ता व 01 गश्ती दल दंडाधिकारी प्रतिनियुक्त

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा आयोजित नीट (यूजी)-2026 परीक्षा रविवार को साहेबगंज जिला मुख्यालय स्थित तीन परीक्षा केंद्रों पर सफल, शांतिपूर्ण, पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित वातावरण में संपन्न हुई। परीक्षा का आयोजन एक ही पाली में किया गया, जिसमें कुल 614 परीक्षार्थी शामिल हुए। वहीं परीक्षा के सफल संचालन को लेकर जिला प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक तैयारियां पहले से ही सुनिश्चित की गई थीं। प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई थी। कदाचारमुक्त परीक्षा के लिए सख्त निगरानी व्यवस्था भी लागू की गई थी। इस दौरान उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी दीपक कुमार दूबे ने सभी परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और परीक्षा संचालन में लगे अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। वहीं उपायुक्त श्री दूबे ने परीक्षा के सफल एवं शांतिपूर्ण आयोजन में सहयोग करने वाले सभी पदाधिकारियों, कर्मियों एवं आमजनों के प्रति आभार व्यक्त किया।

उधवा में मेंटेनेंस कार्य को लेकर आज रहेगी बिजली आपूर्ति बाधित

उधवा(बिभा)। 33 केवी उधवा फीडर में मेंटेनेंस कार्य को लेकर सोमवार को बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। इसकी जानकारी देते हुए कनीय विद्युत अभियंता चंदन कुमार ने बताया कि 33 केवी उधवा फीडर में मेंटेनेंस कार्य किया जाएगा। इस कारण से उधवा फीडर में सुबह 9 बजे से शाम 5 तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। उन्होंने बताया कि उपभोक्ता आवश्यक कार्य पूर्व में ही निपटा लें। विभाग ने आमजनों से सहयोग की अपील करते हुए असुविधा के लिए खेद व्यक्त किया है?। उन्होंने बताया कि मेंटेनेंस कार्य पूर्ण होते ही बिजली आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी।

इलाज के दौरान पत्रकार मामलत शेख का निधन, प्रेस क्लब ने जताई संवेदना

बिभा संवाददाता

बरहरवा। बरहरवा प्रखंड के एक पत्रकार का शनिवार को आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन से पत्रकारों में शोक की लहर है। जानकारी के अनुसार मिजार्पुर पंचायत निवासी दैनिक समाचार पत्र के पत्रकार मामलत शेख (42) पिछले कुछ महीनों से बीमार चल रहे थे। उनका इलाज पश्चिम बंगाल के कोलकाता में चल रहा था। इसी दौरान शनिवार शाम इलाज के दौरान उनका निधन हो गया। रविवार को उनका पार्थिव शरीर पैतृक आवास लाया गया। उधर, घटना की सूचना मिलने पर बरहरवा प्रेस क्लब के अध्यक्ष दीपक आनंद अपने साथियों के साथ दिवंगत पत्रकार के घर पहुंचे और शोकाकुल परिवार से मिलकर संवेदना व्यक्त की। श्री आनंद ने कहा की मामलत शेख एक कर्मठ और जुझारू पत्रकार थे। उन्होंने लगभग 15 वर्षों तक पत्रकारिता के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनका असामयिक निधन पत्रकारिता जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। हम सभी उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हैं, और इस दुख की घड़ी में उनके परिवार के साथ खड़े हैं। मौके पर जुल्लु रहमान, इस्माइल शेख, भास्कर यादव, बैदुल आलम, मुख्तार शेख, शाहिद अनवर, सिराज शेख, मु-?ना राजा, उपमुखिया आलमगीर शेख सहित अन्य लोग मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

तालझारी में एबीवीपी का हस्ताक्षर अभियान जारी, पांचवें दिन भी दिखा जनसमर्थन

तालझारी(बिभा)। तालझारी में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव की मांग को लेकर चलाया जा रहा हस्ताक्षर अभियान पांचवें दिन भी जारी रहा। बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, युवाओं और आम नागरिकों ने हस्ताक्षर कर अभियान को समर्थन दिया। वहीं कार्यकताओं ने बताया कि मालदा टाउनझकिउल इंटरसिटी (13409-10) और हावड़ा इंटरसिटी (13427-28) ट्रेनों के ठहराव नहीं होने से क्षेत्रवासियों को काफी परेशानी होती है। यात्रियों को दूर के स्टेशनों से ट्रेन पकड़नी पड़ती है, जिससे समय और पैसे दोनों की समस्या बढ़ती है। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि लंबे समय से चल रहे इस आंदोलन के बावजूद न तो रेल प्रशासन और न ही स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने कोई ठोस पहल की है, जिससे लोगों में नाराजगी है। परिषद ने चेतावनी दी है कि जल्द निर्णय नहीं होने पर उग्र आंदोलन किया जाएगा। मौके पर विद्यार्थी परिषद के एसएफएस सहसंयोजक गौरव कुमार सुमन, नगरमंत्री सौरभ गुप्ता, नगर सहमंत्री आशीष कुमार, रवि किशन, लक्ष्मी कुमारी, सुहानी कुमारी आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कांग्रेस नेता मुन्नम संजय बने झारखंड प्रदेश महासचिव, कार्यकर्ताओं में खुशी

देवघर(बिभा)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मुन्नम संजय को झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी का महासचिव बनाए जाने पर जिले भर के कांग्रेस कार्यकताओं में खुशी का माहौल है। उनके मनोनयन पर पार्टी नेताओं और कार्यकताओं ने बधाई देते हुए इसे संगठन के लिए सकारात्मक कदम बताया है। इस अवसर पर मुन्नम संजय ने कहा कि एक साधारण कार्यकर्ता को इतनी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपना पार्टी नेतृत्व का विश्वास दशार्ता है। उन्होंने इसके लिए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, प्रदेश प्रभारी के राजू, सह प्रभारी बेला प्रसाद, प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, विधायक दल के नेता प्रदीप यादव, मंत्री दीपिका पांडे सिंह, स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी, वरिष्ठ नेता फुरकान अंसारी और जिला अध्यक्ष राजेंद्र दास सहित सभी नेताओं और कार्यकताओं के प्रति आभार जताया। मुन्नम संजय ने कहा कि वे पार्टी के विश्वास पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे। उन्होंने संगठन को मजबूत करने, कार्यकताओं को साथ लेकर चलने और कांग्रेस की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ काम करने का संकल्प लिया।

शक्ति विद्यालय पोखरिया में नेताजी सुभाष चंद्र बोस समिति ने किया भोजन का वितरण

धनबाद(बिभा): श्याम नगर भूली स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस समिति द्वारा आज शक्ति विद्यालय, पोखरिया में रह रहे अनाथ बच्चों के बीच भोजन वितरण का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मथुरा प्रसाद महतो, मुख्य सचेतक, झारखंड सरकार के दिशा-निर्देश एवं उनके मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। समिति के सदस्यों ने विद्यालय में रह रहे बच्चों को भोजन कराया, जिससे बच्चों के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही थी। समिति द्वारा बताया गया कि वे प्रत्येक रविवार को जरूरतमंद लोगों के लिए एक समय के भोजन का वितरण करते हैं। इस अवसर पर समिति के सदस्यों ने यह संकल्प लिया कि वे प्रत्येक माह कम से कम एक बार इन बच्चों से मिलने आएंगे और उनके साथ समय बिताकर हर संभव सहायता प्रदान करेंगे। इस कार्यक्रम के दौरान सभी ने एक सुखद अनुभव साझा किया और इसे जीवन का एक खास पल बताया। कार्यक्रम को सफल बनाने में समिति के संरक्षक राजेंद्र प्रसाद साहू, अध्यक्ष राकेश कांति विश्वास, मीडिया प्रभारी नीलकमल खावस, सचिव दिलबाग सिंह, रोटी बैंक यूथ क्लब के अध्यक्ष रवि शेखर, गौरव अरोड़ा, प्रदीप श्रीवास्तव, सोनू कुमार सहित नारी शक्ति के रूप में मंजू सिंह एवं पूर्णिमा विश्वास की महत्वपूर्ण उपस्थिति रही।

एफटीएस एकल युवा रांची द्वारा 'पुण्यार्थ' के अंतर्गत गोसेवा का आयोजन

रांची(बिभा): फ्रेंड्स ऑफ ट्राइबल सोसाइटी (एफटीएस) एकल युवा, रांची चैप्टर द्वारा 'पुण्यार्थ' कार्यक्रम के अंतर्गत हरमू स्थित गौशाला में गोसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संगठन के युवाओं ने गौमाता को हरा चारा, गुड़ एवं अन्य पोषक आहार खिलाया तथा गौशाला परिसर की साफ-सफाई में सक्रिय सहयोग प्रदान किया। चैप्टर अध्यक्ष अभिनव मित्तल ने कहा, हमारा संकल्प है कि प्रतिमाह नियमित रूप से गोसेवा का आयोजन किया जाए। यह हमारा सामाजिक एवं सांस्कृतिक दायित्व है। सभी युवाओं से आग्रह है कि इस पुण्य कार्य में बढ़-चढ़कर भाग लें और संगठन को अपना सहयोग प्रदान करें। कार्यक्रम में एकल युवा के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

महिला आरक्षण बिल केंद्र सरकार जल्द लागू करे : राजद

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। महिला आरक्षण बिल लागू कराने को लेकर राजद पिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष सुनील साहू राज्य के विभिन्न जिला के दौरा कर रहे है,इसी क्रम मे साहिबगंज परिसदन पहुँचने पर राजद के जिला अध्यक्ष सत्यनारायण यादव के नेतृत्व मे राजद कार्यकर्ताओ ने बुके एवं फूल माला पहनाकर स्वागत किया। इसके बाद राजद के जिला अध्यक्ष सत्यनारायण यादव की अध्यक्षता में परिसदन मे बैठक की गई। बैठक को सम्बोधित करते हुए राजद पिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष सुनील साहू ने केंद्र सरकार पर महिला आरक्षण बिल को लेकर महिलाओं को दिग्भ्रमित करने का आरोप लगाया है। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि महिला आरक्षण के नाम पर देश की महिलाओं के साथ धोखाधड़ी की जा रही है।उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने वर्ष 2023 में महिला आरक्षण बिल पारित किया था, लेकिन अब तक इसे लागू नहीं किया गया है।उनका आरोप है कि सरकार संशोधन के नाम पर केवल चुनावी लाभ के लिए महिलाओं को भ्रमित करने की कोशिश कर रही है।वही राजद के जिला अध्यक्ष सत्यनारायण यादव ने कहा कि देश की महिलाएं सरकार की मंशा को समझती हैं और भाजपा की कथनी और करनी में अंतर स्पष्ट रूप से देख रही हैं।उन्होंने मांग की कि यदि केंद्र सरकार वास्तव में महिलाओं के हित में काम करना चाहती है, तो 2023 में पारित महिला आरक्षण अधिनियम को अविलंब लागू करे।उन्होंने कहा कि इस बिल के लागू होने से देश के संघीय ढांचे के सभी स्तरों पर महिलाओं के प्रतिनिधित्व को बढ़ावा मिलेगा और यह एक ऐतिहासिक कदम साबित हो सकता है।वही बोरिया से चिरंजीवी प्रसाद राम एवं बरहेट से नन्दलाल साह ने अपने समर्थको के साथ राजद का सदस्यता ग्रहण किया, जहाँ प्रदेश अध्यक्ष सुनील साहू एवं जिला अध्यक्ष सत्यनारायण यादव ने फूल माला पहनाकर उनका स्वागत किया। वही सुनील साह को साहेबगंज राजद के पिछड़ा प्रकोष्ठ का जिला अध्यक्ष बनाया। मौके पर राजद के प्रदेश सचिव मुन्ना यादव, साहेबगंज जिला उपाध्यक्ष संजय कुमार यादव, दिनेश यादव, विमल यादव, ब्राह्मदेव यादव, चिरंजीवी प्रसाद राम, रामावतार सिंह, सुमन कुमार गुप्ता, संनौल शैख, दिलीप प्रामाणिक, सोनू कुमार यादव, सचिन मंडल, नितेश कुमार यादव, नंदलाल साह सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

टोटो और बाइक की टक्कर में दो युवक घायल

बिभा संवाददाता

तालझारी। तालझारी थाना क्षेत्र के बालापोखर मस्कलैया में रविवार दोपहर करीब 3 बजे टोटो व मोटरसाइकिल के बीच जोरदार टक्कर हो गई। ग्रामीणों के अनुसार, हादसा टोटो चालक की लापरवाही से हुआ है। वही टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक व टोटो पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और बाइक पर सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं घायलों की पहचान राजमहल थाना क्षेत्र के मुंडमाला निवासी विक्की कुमार (पिता शिवकुमार) और नितेश कुमार के रूप में हुई है। इधर घटना कि सूचना मिलते ही तालझारी थाना के एएसआई अनिल दुबे दल बल के साथ मौके पर पहुंच कर दोनों घायलो को इलाज के लिए साहेबगंज सदर अस्पताल भेजा दिया। जहां उनका प्राथमिक उपचार किया गया।

कृष्णा नगर में नगर परिषद अध्यक्ष का भव्य नागरिक अभिनंदन

साहेबगंज को स्वच्छ व सुंदर बनाएंगे : रामनाथ

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। शहर के कुलीपाड़ा, कृष्णा नगर में विजय वर्मा के निवास स्थान के समीप रविवार को नव निर्वाचित नगर परिषद अध्यक्ष रामनाथ पासवान उर्फ छोटू पासवान का भव्य नागरिक अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। यह आयोजन समाजसेवी विजय वर्मा एवं समस्त कृष्णानगर वासियों के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ। वहीं कार्यक्रम में निर्धारित समय पर जैसे ही नगर परिषद अध्यक्ष कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे, लोगों ने फूल-मालाओं से उनका जोरदार स्वागत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए समाजसेवी विजय वर्मा ने अध्यक्ष को अंगवस्त्र ओढ़ाकर एवं माला पहनाकर सम्मानित किया। इस दौरान अध्यक्ष रामनाथ पासवान ने उपस्थित नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनके समाधान के लिए सुझाव भी लिए। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि शहर की जनता ने उन्हें अपना बहुमूल्य मत देकर इस पद तक पहुंचाया है, इसलिए जनता की हर समस्या उनकी अपनी जिम्मेदारी है। उन्होंने आश्वासन दिया कि शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए नाली, सड़क, स्ट्रीट लाइट एवं कचरा उठाव जैसी बुनियादी व्यवस्थाओं को मजबूत किया जाएगा, ताकि लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। साथ ही उन्होंने कहा कि किसी भी समस्या के समाधान के लिए नागरिक सीधे उनके कार्यालय में आकर उनसे मिल सकते हैं। मौके पर मो. कलीमुद्दीन, अनिल पासवान, शेखर पासवान, उदय कुमार सिंह, सज्जाद खान, राजू अंसारी, अशोक सिन्हा, दिनेश वर्मा, संजय पासवान सहित कृष्णानगर के दर्जनों महिला एवं पुरुष उपस्थित थे।

75वें वर्ष में पहुंचा हरिनाम संकीर्तन, तीसरे दिन भी उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

बिभा संवाददाता

राजमहल। राजमहल प्रखंड के कमलैन बगीचा कन्हैयास्थान गांव में बुद्ध पूर्णिमा से आरंभ हुई पांच दिवसीय हरिनाम संकीर्तन सह मेला रविवार को तीसरे दिन भी पूरे उत्साह और भक्ति भाव के साथ जारी रहा। संकीर्तन स्थल पर दूर-दराज के गांवों से सैकड़ों श्रद्धालु पहुंचकर श्रीराधा-कृष्ण की लीलाओं का रसपान कर रहे हैं। वहीं रविवार को पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर की शेफाली दासी ने भगवान श्रीकृष्ण के सजान गोष्ठ, अलीपुरद्वार की गायत्री देवी ने सुबोल मिलन, साहिबगंज के भोलानाथ पांडेय ने अन्न भिक्षा, दक्षिण दिनाजपुर की दिनोवाला दासी ने दान लीला, रायगंज की राधा दासी ने कलंक भंजन तथा मुर्शिदाबाद की दुलाली सिंह ने उत्तर गोष्ठ लीला का विस्तारपूर्वक वर्णन किया। विभिन्न कीर्तन मंडलियों द्वारा प्रस्तुत इन लीलाओं को सुनने के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। इस दौरान पूरे गांव का माहौल हरे कृष्ण हरे राम के भक्ति स्वर से गुंजायमान है, जिससे क्षेत्र में आध्यात्मिक ऊर्जा का वातावरण बना हुआ है। वहीं समिति के अध्यक्ष कालीचरण मंडल ने बताया कि इस हरिनाम संकीर्तन की शुरूआत वर्ष 1952 में स्थानीय मजदूरों द्वारा अनावश्यक खर्चों को रोककर की गई थी। तब से यह परंपरा हर वर्ष बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित होती आ रही है। आज भी आसपास के दर्जनों गांवों के ग्रामीणों के आर्थिक सहयोग से यह आयोजन शांतिपूर्ण और सफलतापूर्वक संपन्न होता है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष हरिनाम संकीर्तन का 75 वां वर्ष पूरा होने के कारण आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है।

गंगा स्वच्छता अभियान: मॉडल कॉलेज व नगर परिषद के संयुक्त प्रयास से मुक्तेश्वर धाम घाट पर भव्य श्रमदान

बिभा संवाददाता

राजमहल। निर्मल गंगा, अविरल गंगा के संकल्प को साकार करने के लिए राष्ट्रीय गंगा मिशन के राष्ट्रीय महासचिव प्रह्लाद रॉय गोयनका के मार्गदर्शन और मॉडल कॉलेज राजमहल के संयुक्त तत्वावधान में रविवार मुक्तेश्वर धाम गंगा घाट पर एक विशेष श्रमदान कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस अभियान में नगर परिषद साहिबगंज ने भी सक्रिय सहभागिता निभाई।वही प्रातः 6:30 बजे प्रारंभ हुए इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, युवाओं और स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी ने मिलकर घाट की सफाई की और लोगों को जल प्रदूषण के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया। मुख्य उद्देश्य गंगा तट को स्वच्छ बनाना, जलीय जीवों का संरक्षण सुनिश्चित करना और प्लास्टिक व रासायनिक कचरे से होने वाली क्षति के प्रति जन-जागरूकता फैलाना था। वही इस अवसर पर शिक्षा केंद्र निदेशक अनिकेत कुमार सिंह, सिटी मैनेजर रवि कुमार, वार्ड पार्षद रंजीत प्रसाद साहा, डॉ. रणजीत कुमार सिंह, डॉ. रमजान अली, डॉ. अमित कुमार (एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी, मॉडल कॉलेज राजमहल) एवं डॉ. शैलेश कुमार मिश्रा सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। वही प्रतिभागियों ने घाट पर सफाई करते हुए स्पष्ट संदेश दिया कि गंगा में कभी भी प्लास्टिक, पूजन सामग्री, रैपर या अन्य गंदगी न डालें। जल संरक्षण को जीवन का आधार बताते हुए सभी से आने वाली पीढ़ियों के लिए नदियों को सुरक्षित रखने की अपील की गई। वही छात्रों ने घाट पर साबुन-शैम्पू का उपयोग कर रहे श्रद्धालुओं को किया जागरूक वही डॉ. रणजीत कुमार सिंह ने अपने संबोधन में कहा, ‖घाट पर कई श्रद्धालु साबुन, शैम्पू, दातून का उपयोग करते हैं तथा कपड़े साफ करते देखे गए। हमारे छात्रों ने उन्हें इसके दुष्परिणामों के बारे में विस्तार से समझाया। गंगा हमारी माँ है, जिस जल से हम पूजा करते हैं, उसी में गंदगी करना अनुचित है।‖ मौके पर प्रिया कुमारी, निती कुमारी, अंकिता दास, रोश परवीन, नेहा कुमारी, आशिया परवीन, मधु कुमारी, रजनी कुमारी, इशा कुमारी, बबली कुमारी, चांदनी कुमारी, घंटी कुमारी, निशा कुमारी, सचिन कुमार, जय कुमार एवं आदेश कुमार। सामूहिक संकल्प के साथ हुआ समापन वही यह आयोजन समाज में स्वच्छता, जल संरक्षण और पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने में मील का पत्थर साबित हुआ। कार्यक्रम का समापन सभी उपस्थित लोगों ने सामूहिक रूप से यह संकल्प लेकर किया कि गंगा की स्वच्छता हेतु यह अभियान

तीन दिवसीय जनगणना को लेकर प्रशिक्षण संपन्न

बिभा संवाददाता

तालझारी। मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना को लेकर प्रगणक एवं सुपरवाइजर का तीन दिवसीय प्रशिक्षण रविवार को सम्पन्न हो गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षक मनोज कुमार एवं रिचर्ड वेलेंटाइन हेम्ब्रम ने प्रतिभागियों को हाउस लिस्टिंग एंड हाउसिंग सेंसस, एनपीआर अपडेशन तथा एचएलबी क्रिएशन से जुड़े तकनीकी पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी।

प्रशिक्षण में मोबाइल एप के संचालन, डेटा संग्रहण की प्रक्रिया, प्रश्नावली भरने के नियम एवं फील्ड स्तर पर आने वाली समस्याओं के समाधान पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही प्रतिभागियों को मॉक ड्रिल के माध्यम से व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया, ताकि वे फील्ड में सटीक और त्रुटिरहित आंकड़े एकत्र कर सकें। प्रशिक्षकों ने बताया कि 1 मई से 15 मई के बीच नागरिक स्वयं मोबाइल के माध्यम से सेल्फ गणना कर सकते हैं, जिसका डेटा स्वतः प्रगणक के मोबाइल ऐप पर उपलब्ध हो जाएगा। इसके बाद 16 मई से प्रगणक घर-घर जाकर ऐप के जरिए जनगणना का कार्य करेंगे। वहीं मकान सूचीकरण का कार्य 15 जून तक पूरा किया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान यह भी स्पष्ट किया गया कि एकत्र किए गए सभी आंकड़ों की गोपनीयता सुनिश्चित की जाएगी। इस अवसर पर सभी प्रगणक एवं सुपरवाइजर उपस्थित थे।

कोच जयवर्धने ने बुमराह, सूर्यकुमार सहित सीनियर खिलाड़ियों का बचाव किया

चेन्नई ।

आईपीएल के 19 वें सत्र में मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है और उसे लगातार हार झेलने पड़ी है। सीएसके के खिलाफ अहम मैच में भी टीम हार गयी। इससे उसके प्लेऑफ में पहुंचने की राह तकरीब बंद हो गयी है। टीम के खराब प्रदर्शन का कारण स्टार खिलाड़ियों का असफल होना भी रहा है, जिससे वे प्रशंसकों के निशाने पर है हालांकि टीम के मुख्य कोच मेहेला जयवर्धने टीम के शीर्ष खिलाड़ियों का बचाव करते हुए कहा कि टीम की हार के लिए जसप्रीत बुमराह, सूर्यकुमार यादव जैसे स्टार खिलाड़ियों को दोष देना गलत है। साथ ही कहा कि फार्म हासिल करने के लिए इन खिलाड़ियों के लिए एक ही मैच भी पर्याप्त है। इस सत्र में मुम्बई 9 में से 7 मैच हारकर टीम अंक तालिकाा में 8वें पायदान पर है। उसे सीएसके के खिलाफ मैच में भी हार झेलनी पड़ी है। इसके बाद से सोशल मीडिया पर सवाल उठ रहे हैं। प्रशंसक जानना चाहते हैं कि आखिर क्यों फ्रेंचाइजी अपने शीर्ष खिलाड़ियों बुमराह, सूर्यकुमार और तिलक वर्मा से अच्छा प्रदर्शन नहीं ले पा रही है। इसी को लकर जयवर्धने ने इन खिलाड़ियों का बचाव किया है।

आईपीएल में आज होगा मुम्बई इंडियंस और सुपर जायंट्स में मुकाबला

मुंबई ।

मुम्बइ इंडियंस आईपीएल में सोमवार को अपने घरेलू मैदान वानखेड़े स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स से मुकाबला करेगी। मुंबई इंडियंस का लक्ष्य इस मैच को बड़े अंतर से जीतकर प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखना रहेगा। मुम्बई अभी नौवे नंबर पर है और उसके केवल चार अंक हैं। मुम्बई अभी अंक तालिका में नौवें स्थान पर है, जिसने नौ मैचों में से सिर्फ दो में जीत हासिल की है।

उसके लिए जीत हालांकि आसान नहीं होगी क्योंकि पिछ्ले मैच में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) से टीम को 8 विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा था जिससे वह दबाव में है। उसके प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें तभी बनी रहेंगी जब वह बचे हुए सभी मैच बड़े अंतर से जीते।

मुम्बई के लिए ये आसन नहीं होगा उसके बल्लेबाजसूर्यकुमार यादव फार्म में नहीं है, तिलका वर्मा का प्रदर्शन ही केवल अच्छा रहा है। कप्तान हार्दिक पंड्या भी गेंद औ बल्ले दोनो से ही विफल रहे है। वहीं गेंदबाजी की बात करें तो जसप्रीत बुमराह भी फ्लॉप साबित हुए हैं जिससे टीम बड़े स्कोर का भी बचाव नहीं कर पा रही।

वहीं दूसरी ओर इस बीच, सुपरजायंट्स की टीम आठ मैचों में दो जीत के साथ ही अंक तालिका में सबसे नीचे है। अब टीम का लक्ष्य किसी प्रकार ये मैच जीतकर अपनी प्लेऑफ की संभावनाएं बनाये रखने पर रहेंगी। उसके लिए ये आसान नहीं रहेगा क्योंकि टीम की बल्लेबाज और गेंदबाजी अब तक विफल रही है। आंकड़ों की बात करें तो दोनो ही टीमों के बीच अब तक 8 मुकाबले हुए हैं जिसमें से मुम्बई ने 2 जबकि लखनऊ ने 6 जीते हैं। दोनो की ही संभावित टीमें इस प्रकार हैं मुंबई इंडियंस- हार्दिक पंड्या (कप्तान), विल जैक, रयान रिकेलटन (विकेटकीपर), सूर्यकुमार

यादव, नमन धीर, तिलक वर्मा, रॉबिन मिंज, ट्रेंट बोल्ट, कृष भगत, जसप्रीत बुमराह, एएम गजनफर। इम्पैक्ट प्लेयर- शार्दुल ठाकुर लखनऊ सुपर जायंट्स- ऋषभ पंत (कप्तान/विकेटकीपर), मुकुल चौधरी, जोश इंग्लिस, आयुष बडोनी, मिशेल मार्श, एडेन मार्कराम, जॉर्ज लिंडे, दिग्वेश सिंह राठी, प्रिंस यादव, मोहम्मद शमी, मोहसिन खान

इम्पैक्ट प्लेयर- हिम्मत सिंह

आईपीएल सीएसके मुम्बई को सबसे अधिक बार हराने वाली पहली टीम बनी

चेन्नई ।

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में यहां मुंबई इंडियंस के खिलाफ मिली जीत के साथ ही एक बड़ा रिकार्ड भी अपने नाम कर लिया है। अब सीएसके की टीम मुंबई इंडियंस को 20 वीं बार हराने वाली पहली टीम बन गयी है। दोनों टीमों के बीच अब तक कुल 41 आईपीएल मैच खेले गए हैं, जिसमें से सीएसके ने 20 में जीत हासिल की है, जबकि मुंबई इंडियंस ने 21 मैचों जीत हासिल की है। मुंबई के खिलाफ सर्वाधिक जीत दर्ज करने वाली टीमों की सूची में चेन्नई के बाद पंजाब किंग्स का नाम आता है, जिसने 35 मैचों में 17 जीत दर्ज की हैं, जिसमें एक सुपर ओवर की जीत भी शामिल है। इस जीत ने चेन्नई सुपर किंग्स को आईपीएल अंक तालिका में छठे स्थान पर पहुंचा दिया है। अब नौ मैचों में 8 अंकों के साथ ही सीएसके प्लेऑफ की दौड़ में बनी हुई है।

अगर वह अपने बचे हुए पांच मैचों में से चार में जीत हासिल कर लेते हैं, तो उनके लिए प्लेऑफ की राह बन सकती है। वहीं मुंबई इंडियंस को इस हार से करारा झटका लगा है। वह अब नौवें स्थान पर बनी हुई है। आईपीएल 2024 में खेले गए नौ मैचों में से उसे केवल सिर्फ दो में जीत मिली है। इससे अब उसके

शीर्ष-4 में पहुंचने की उम्मीदें लगभग खत्म हो गई हैं। अगर मुंबई इंडियंस अपने बाकी बचे सभी पांच मैच भी जीत जाती है, तो लीग स्टेज के अंत में उनके पास केवल 14 अंक होंगे। हालांकि, पिछले चार आईपीएल सीजन के आंकड़ों पर गौर करें तो सिर्फ एक बार ऐसा हुआ है जब किसी टीम ने लीग स्टेज में 14 अंक लेकर प्लेऑफ में जगह बनाई हो।

भारतीय टीम शायद ही बांग्लादेश दौरे पर जाये - सैकिया

मुम्बई ।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) का बांग्लादेश दौरा संकट में पड़ता नजर आ रहा है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया के बांग्लादेश दौरे को लेकर ताजा बयान से ये ही संकेत मिले हैं। सैकिय ने कहा, आईपीएल के बाद हमारा घरेलू शेड्यूल काफी व्यस्त है। अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज है, उसके बाद इंग्लैंड का दौरा है। इस दौरे के बाद हम सत्र के बाकी हिस्से पर विचार करेंगे।

बीसीसीआई सचिव के इस बयान को भारतीय टीम के आगामी व्यस्त कार्यक्रम से और बल मिलता है। आईपीएल 2026 के 31 मई को समाप्त होने के बाद, भारत का शेड्यूल इस प्रकार है- 6 से 10 जून तक मोहाली में अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट। इसके बाद 14 से 20 जून के बीच धर्मशाला, लखनऊ और चेन्नई में अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज होगी। फिर टीम इंडिया जून के अंत में आयरलैंड के खिलाफ दो टी20 मैच और 1 से 19 जुलाई तक इंग्लैंड के खिलाफ पांच टी20 और तीन एकदिवसीय मैच खेलने के लिए इंग्लैंउ एगी। इंग्लैंड में व्हाइट-बॉल सीरीज के बाद, भारत 23 से 26 जुलाई तक जिम्बाब्वे में तीन टी20 मैच खेलेगा। भारत का घरेलू सीजन 27 सितंबर से वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन एकदिवसीय और पांच टी20 मैचों की सीरीज से शुरू होगा, और इससे पहले श्रीलंका दौरे पर भी जाने की संभावना है।

यह स्पष्ट है कि भारतीय टीम का कार्यक्रम बेहद व्यस्त है, और ऐसे में बांग्लादेश के साथ सीरीज के लिए समय निकाल पाना एक बड़ी चुनौती होगी। इससससे साफ है कि जिस प्रकार बांग्लादेश बोर्ड ने बीसीसीआई से संबंध खराब किये थे। उसे अब उनकी कीमत अदा करनी पड़ेगी।

राजस्थान रॉयल्स को त्तलसमूह और अदार पूनावाला ने 13,750 करोड़ रुपये में खरीदा

मुम्बई ।

आईपीएल टीम राजस्थान रॉयल्स का मालिकाना अधिकार अब स्टील किंग के नाम से लोकप्रिय लक्ष्मी निवास मित्तल, उनके बेटे आदित्य मित्तल और वैक्सीन निर्माता अदार पूनावाला समूह को मिला है। मित्तल और पूनावाला ने इस फ्रेंचाइजी और इसकी सहयोगी टीमों का अधिग्रहण किया है। यह सौदा लगभग 1.65 अरब डॉलर (लगभग 13,750 करोड़ रुपये) में हुआ है, जिससे टीम को एक नया मालिक मिला है।

इससे पहले अमेरिका के एक भारतीय मूल के कारोबारी काल सोमानी ने 1.63 अरब डॉलर (15,290 करोड़ रुपये) में रॉयल्स को खरीदने के लिए सौदा किया था पर धन जुटाने के साथ ही नियामक अनिश्चितताओं और अन्य बाधाओं के कारण यह करार पूरा नहीं हो पाया। इससे अब मित्तल परिवार और अदार पूनावाला रॉयल्स को खरीदे सामने आये।

इस सौदे के 2026 की तीसरी तिमाही तक पूरा होने की उम्मीद है।

इसके लिए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई), भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) और आईपीएल गवर्निंग काउंसिल की मंजूरी मिलना जरुरी रहेगा। नये मालिकाना ढांचे के तहत मित्तल परिवार के पास टीम की लगभग 75 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी, जबकि अदार पूनावाला के पास लगभग 18 प्रतिशत हिस्सा रहेगा। वहीं वर्तमान मालिक मनोज बडाले सहित मौजूदा निवेशक शेष हिस्सेदारी अपने पास रखेंगे।

नए बोर्ड में लक्ष्मी मित्तल, आदित्य मित्तल, वनीशा मित्तल-भाटिया, अदार पूनावाला और मनोज बडाले शामिल होंगे। मनोज बडाले, जिन्होंने 2008 में मात्र 67 मिलियन डॉलर में टीम खरीदी थी, अब एक सलाहकार की भूमिका में टीम से जुड़े रहेंगे।

इस अधिग्रहण पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए लक्ष्मी एन मित्तल ने कहा कि उन्हें क्रिकेट से बेहद प्यार है और उनका परिवार राजस्थान से जुड़ा है, ऐसे में राजस्थान रॉयल्स का हिस्सा बनकर वे बहुत खुश हैं। उन्होंने बताया कि वे बचपन से क्रिकेट खेलते और इस खेल को देखते आ रहे हैं।

वहीं आदित्य मित्तल ने भी आईपीएल टीम का हिस्सा बनने पर अपनी खुशी व्यक्त की है जबकि अदार पूनावाला, जिन्होंने

पहले आरसीबी (रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु) के लिए बोली लगाई थी, उन्होंने आदित्य मित्तल के साथ साझेदारी करने पर प्रसन्नता जताई। पूनावाला ने कहा कि राजस्थान रॉयल्स एक शानदार आईपीएल टीम है और वे इसकी भविष्य की तरक्की में अपना योगदान देने के लिए उत्सुक हैं।

टी20 विश्व कप टीम के लिए टीम चयन से संतुष्ट हैं हरमनप्रीत अमनजोत की कमी खलेगी

मुम्बई ।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा है कि आईसीसी टी20 विश्कप के लिए जो टीम उन्हें मिली है। वह अच्छी टीम है और अब उनका लक्ष्य टी20 विश्व कप 2026 जीतना रहेगा। विश्वकप 12 जून से इंग्लैंड और वेल्स में शुरु हो रहा है। हरमनप्रीत ने कहा कि पिछ्ले साल एकदिवसीय विश्वकप में मिली जीत से प्रेरित होकर उनकी टीम इस बार भी बेहतर प्रदर्शन करेगी। भारतीय टीम ग्रुप ए में है और विश्वकप में अपने अभियान की शुरुआत 14 जून को पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले से करेगी। इस ग्रुप में ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, नीदरलैंड्स और दक्षिण अफ्रीका जैसी काफी अच्छी टीमें भी शामिल हैं।

हरमनप्रीत ने टीम की घोषणा के बाद कहा, मैं निश्चित रूप से इस टीम को जीत का प्रबल दावेदार मानती हूं। आज हमने जिस टीम को चुना है, उसमें चैंपियन बनने की पूरी क्षमता है। किसी पर कोई दबाव नहीं, कोई अति-आत्मविश्वास नहीं। टी20 क्रिकेट का मतलब सिर्फ अच्छा क्रिकेट खेलना है।

इस टीम के चयन में सबसे बड़ी चुनौती ऑलराउंडर अमनजोत कौर की अनुपस्थिति रही, जो पिछले कुछ महीनों से क्रिकेट से दूर हैं। हरमनप्रीत ने कहा कि ये एक बड़ा झटका बताया क्योंकि इस खिलाड़ी का विकल्प तलाशना बेहद कठिन हालांकि, टीम संतुलन बनाए रखने के लिए अनुभवी स्पिनर राधा यादव को टीम में शामिल किया गया है।

राधा ने हाल के महीनों में इंडिया ए टीम के साथ खेलते हुए प्रभावी प्रदर्शन किया था। हरमनप्रीत ने कहा, अमनजोत हमारी एक अहम खिलाड़ी हैं, लेकिन वह अभी उपलब्ध नहीं हैं। वह पिछले 4-5 महीनों से क्रिकेट से दूर हैं। उनकी जैसी खिलाड़ी ढूंढना मुश्किल था पर हम कोशिश कर रहे हैं। हमने राधा को टीम में वापस बुलाया है, वह भी एक ऑलराउंडर हैं।

वहीं इसके अलावा हरलीन देओल के स्थान पर भारती फुलमाली को शामिल किया गया है। टीम ने मध्यक्रम में अधिक आक्रामक बल्लेबाजी के लिए भारती को अवसर दिया है। हरमनप्रीत ने कहा कि टी20 मे मध्यक्रम की जरुरतों को देखते हुए ही भारती को शामिल करना अधिक सही रहेगा। हरलीन हालांकि अभी भी टेस्ट टीम का हिस्सा बनी हुइ हैं।

हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज हारने के बावजूद, कप्तान का ध्यान खेल के महत्वपूर्ण चरणों में अपनी रणनीति को सही ढंग से लागू करने पर है। उन्होंने टी20 में पावरप्ले की भूमिका को अहम बताया, जहाँ बल्लेबाजी करते हुए अधिकतम रन बनाना और गेंदबाजी करते हुए विकेट लेना महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा, हम पावरप्ले और मिडिल-ओवर्स, दोनों के लिए कड़ी मेहनत करना चाहते हैं, क्योंकि ये भी खेल में बड़ी भूमिका निभाते हैं। हमारे पास एक योजना है और हमने दक्षिण अफ्रीका के दौरे से जो कुछ भी सीखा है, उसे हम यहां लागू करेंगे। हरमनप्रीत ने टीम चयन में निरंतरता बनाए रखने पर भी जोर दिया और जेमिमा रोड्रिग्स जैसी खिलाड़ियों का समर्थन करते हुए कहा कि वे आगे भी अच्छा प्रदर्शन करती रहेंगी।

अब प्लेऑफ में पहुंचने मुम्बई इंडियंस को खेल से अधिक चमत्कार की जरुरत

मुम्बई ।

आईपीएल के 19 सत्र में चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के खिलाफ मिली आठ विकेट की करारी हार से मुम्बई इंडियंस की टीम को एक और बड़ा झटका लगा है।

इससे अब टीम के पलेऑफ में पहुंचने की संभावनाएं भी तकरीबन समाप्त हो गयी हैं। ऐसे में प्रशंसक ये जानना चाहते हैं कि क्या टीम की अब भी कोई संभावना बची है तो उसका जवाब है कि ये राह बेहद कठिन ओर संशयपूर्ण है।

इस हार के बाद अब टीम को प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए किसी चमत्कार और अन्य टीमों के परिणामों पर निर्भरता की जरूरत है। यह मौजूदा सीजन में मुंबई इंडियंस की नौ मैचों में सातवीं हार थी, जिसने वह अंक तालिका में नौवे स्थान पर फिसल गयी है।

इस निराशाजनक प्रदर्शन के बाद, प्लेऑफ के लिए उनका गणितीय समीकरण बेहद कठिन हो गया है। यदि मुंबई इंडियंस अपने बाकी बचे सभी पांचों मैच जीत भी लेती है, तब भी वे लीग चरण में उसके अधिकतम 14 अंकों ही हो पाएंग। ऐसे में आईपीएल के 10-टीम फॉर्मेट में 14 अंक के साथ शीर्ष 4 में जगह बनाना संभव नहीं है। इसलिए, मुंबई को न केवल अपने सभी मैच जीतने होंगे, बल्कि उन्हें यह भी उम्मीद करनी होगी कि कोई अन्य टीम 14 अंकों के साथ बेहतर नेट रन रेट के साथ उनसे आगे न निकले। मुंबई इंडियंस के लिए आने वाले दिन किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं हैं।

उनका अगला मुकाबला 4 मई को अपने घरेलू मैदान वानखेड़े में लखनऊ सुपरजायंट्स से है, जो उनके लिए 'करो या मरो' की स्थिति है।

यदि वे यह मैच हार जाते हैं, तो वे आधिकारिक तौर पर आईपीएल 2024 प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने वाली पहली टीम बन सकते हैं। लखनऊ के बाद उनका सफर और भी कठिन होने वाला है। 10 मई को उन्हें मौजूदा रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का सामना करना है, जिनसे वे इस सीजन में पहले ही 18 रनों से हार चुके हैं।

इसके बाद, मुंबई को अपने अंतिम तीन मैचों में 14 मई को पंजाब किंग्स के खिलाफ धर्मशाला में, 20 मई को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ ईडन गार्डन्स में, और 24 मई को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अपने घरेलू मैदान पर खेलना है। इन मैचों में कप्तान हार्दिक पंड्या और उनकी टीम जीत पाती है या नहीं ये देखना होगा।

साइ ने राष्ट्रीय शिविर से करीब 40 मुक्केबाजों का नाम हटाया

चयन ट्रायल में भाग नहीं ले सकेंगे

नई दिल्ली । भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने राष्ट्रीय शिविर से करीब 40 मुक्केबाजों के नाम हटा दिये हैं। इससे अब इनके राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों के लिए चयन ट्रायल में भाग लेने पर संशया छा गया है। इससे खिलाड़ियों के साथ ही भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएआई) की भी मुश्किलें बढ़ गयी हैं। बीएआई की पिछले साल दिसंबर में जारी चयन नीति के अनुसार, 30 मार्च से 5 अप्रैल तक आयोजित चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ कप में 20 भार वर्गों (पुरुष और महिला दोनों में 10-10) में शीर्ष दो स्थान हासिल करने वाले कुल 40 मुक्केबाजों को राष्ट्रीय शिविर में शामिल किया जाना था। वहीं इन मुक्केबाजों को राष्ट्रमंडल खेल, एशियाई खेल और विश्व मुक्केबाजी कप दो के लिए भारतीय टीमों के चयन हेतु मूल्यांकन परीक्षणों के लिए पात्र माना गया था। इन सभी खिलाड़ियों ने महासंघ द्वारा तय की गई प्रक्रिया का पालन करते हुए शिविर में अपनी जगह बनायी थी। महासंघ ने माना है कि सूची में 40 नाम नहीं हैं और वे इस मामले को सुलझाने के लिए साइ के साथ लगातार संपर्क में हैं पर अभी तक कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला है। इस गंभीर स्थिति के कारण 5 मई को शुरू होने वाली मूल्यांकन प्रक्रिया को एक दिन के लिए स्थगित कर दिया गया है, और अब यह 6 मई से शुरू होगी। यह देरी सीधे तौर पर इन मुक्केबाजों के भविष्य पर असर डाल रही है, क्योंकि चयन प्रक्रिया की समय-सीमा नजदीक आ रही है। वहीं जिन मुक्केबाजों में से एक ने अपनी निराशा व्यक्त करते हुए कहा, हमें बताया गया था कि सीओएएस कप जीतने पर हमें शिविर में जगह मिल जाएगी। पिछले साल भी यही नीति थी, इसलिए मुझे समझ नहीं आ रहा कि समस्या क्या है। चोट के कारण राष्ट्रीय चैंपियनशिप में हिस्सा नहीं ले पाने के बाद, शिविर में शामिल होना और राष्ट्रमंडल व एशियाई खेलों के लिए प्रतिस्पर्धा करना मेरे लिए एकमात्र तरीका है। यह स्थिति उन एथलीटों के लिए सबसे बड़ी मुश्किले है जिन्होंने इन बड़े अंतरराष्ट्रीय मंचों पर देश का प्रतिनिधित्व करने की उम्मीदें पाल रखी हैं।यह घटना ऐसे समय में हुई है जब राष्ट्रमंडल खेल 23 जुलाई से 2 अगस्त तक बर्मिंघम, इंग्लैंड में होने वाले हैं, जबकि एशियाई खेल 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक जापान के आइची और नागोया में निर्धारित हैं।

सीएसके की जीत के बाद कार्तिक ने धोनी के अंदाज में किया गन सेलिब्रेशन

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से नये खिलाड़ी कार्तिक शर्मा ने आईपीएल के 19 वें सत्र में शानदार प्रदर्शन करते हुए मुम्बई इंडियंस के खिलाफ अपनी टीम की आठ विकेट से जीत में अहम भूमिका निभाई है। कार्तिक ने इस मैच में तेजी से खेलते हुए शानदार अर्धशतक लगाया। इस युवा बल्लेबाज ने न केवल अपना पहला आईपीएल अर्धशतक लगाया बल्कि जीत के बाद पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के ही अंदाज में गन सेलिब्रेशन किया। कार्तिक ने 40 गेंदों में नाबाद 54 रन बनाकर अपनी टीम को जीत के लक्ष्य तक पहुंचाया। अपनी इस महत्वपूर्ण उपलब्धि का जश्न उन्होंने एक अनोखे अंदाज में मनाया, जिसकी चर्चा हर तरफ हो रही है। उन्होंने बताया कि यह सेलिब्रेशन उन्होंने पहले से ही सोच रखा था हालांकि, धोनी के इस जेस्चर से प्रेरित होने की अटकलों को इस युवा बल्लेबाज ने खारिज करते हुए कहा कि ये उनका अपना ही अंदाज था। इस बल्लेबाज ने कहा, मैंने पहले ही तय कर लिया था कि अगर आज रन बनाऊंगा तो ऐसे ही जश्न मनाउंगा। उनके अनुसार, यह उनकी कड़ी मेहनत और व्यक्तिगत सफलता का जश्न मनाने का उनका तरीका था, जिसमें किसी और का कोई प्रभाव नहीं था।

विनेश ने राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट में बृजभूषण से सुरक्षा को लेकर चिंता जतायी बोली किसी भी अप्रिय घटना के लिए सरकार होगी जिम्मेदार

नई दिल्ली ।

खेल में वापसी कर रहीं शीर्ष महिला पहलवान विनेश फोगाट ने कहा है कि गोंडा में होने वाले आगामी राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग कुश्ती टूर्नामेंट के दौरान वह अपनी और अपनी टीम की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। विनेश के अनुसार वह उन छह महिला पहलवानों में से एक हैं जिन्होंने भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह पर यौन उत्पीड़न के आरोप में मामला दर्ज कराया था। गोंडा क्षेत्र में बृजभूषण का प्रभाव है और ऐसे में वह उनके या उनकी टीम के खिलाफ कोई किसी प्रकार की साजिश रच सकता है। विनेश ने सरकार को चेताया है कि अगर प्रतियोगिता के दौरान कोई भी अप्रिय घटना घटती है, तो इसके लिए केन्द्र सरकार जिम्मेदार होगी। डेढ़ साल के बाद संन्यास से वापसी कर रही विनेश ने एक वीडियो संदेश में आरोप लगाया कि गोंडा में बृजभूषण का दबदबा है। उन्होंने आशंका जतायी की बृजभूषण के करीबी व्यक्ति प्रतियोगिता में गड़बड़ी कर परिणामों को बदल सकते हैं, जिसमें रेफरी की नियुक्ति, अंकों का निर्धारण और मैट चेयरमैन का चुनाव जैसी महत्वपूर्ण बातें शामिल हैं। विनेश ने कहा, यह टूर्नामेंट ऐसी जगह आयोजित किया जा रहा है जहां उनका (बृजभूषण का) काफी प्रभाव है। किसी मुकाबले में कौन रेफरी होगा, कितने अंक दिए जाएंगे, मैट चेयरमैन कौन होगा, सब कुछ उनके और उनके लोगों के नियंत्रण में है। विनेश ने कहा, मैं उन छह महिला पहलवानों में से एक हूं जिन्होंने ब्रजभूषण के शिकायत दर्ज कराई है। मामला अभी अदालत में है और गवाहों से पूछताछ चल रही है। उससे जुड़े किसी स्थान पर प्रतिस्पर्धा करना, जहां अधिकतर लोग उससे संबंधित हो सकते हैं, मुझ पर अत्याधिक मानसिक दबाव बनाता है। उन्होंने संदेह व्यक्त किया कि ऐसे माहौल में वह अपना सौ फीसदी प्रदर्शन कर पाएंगी।

विनेश ने कहा कि वह देश के लिए फिर से पदक जीतना चाहती हैं पर वापसी की इस स्पर्धा में निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को लेकर उन्हें संदेह है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्हें किसी विशेष विशेषाधिकार की अपेक्षा नहीं है, केवल यह चाहती हैं कि परिणाम उनके प्रदर्शन के अनुकूल हों। विनेश ने पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए मीडिया और खेल समुदाय से आयोजन स्थल पर उपस्थित रहने का आग्रह किया। विनेश गोंडा में महिलाओं के 57 किलोग्राम भार वर्ग में प्रतिस्पर्धा करेंगी, जबकि इससे पहले वह 50 किलोग्राम और 53 किलोग्राम वर्ग में प्रतिस्पर्धा कर चुकी हैं।

पांड्या ने माना मुम्बई इंडियंस का प्रदर्शन हर क्षेत्र में खराब रहा

चेन्नई ।मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले में मिली हार पर निराशा जतायी है। पांड्या ने ये भी माना है कि इस हार से उनकी टीम की प्लेऑफ की उम्मीदों को भी करारा झटका लगा है। सीएसके से मिली 8 विकेट की हार से मुम्बई के अब प्लेऑफ में पहुंचने बचे हुए सभी मैच जीतने के अलावा रन रेट को भी काफी बेहतर बनाना होगा। इसके अलावा अन्य मैचों के परिणामों पर भी नजरें रखनी होंगी। इस हार के साथ ही मुम्बई अब तक खेले गए नौ मैचों में केवल दो जीत ही पाई है। इस निराशाजनक प्रदर्शन के बाद, टीम के कप्तान पांड्या ने माना है कि उनकी टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। पांड्या ने कहा कि उनकी टीम हर क्षेत्र में सीएसके से पीछे रही। उन्होंने कहा, सीएसके ने हमसे बेहतर गेंदबाजी, बल्लेबाजी और फील्डिंग की। पांड्या ने हालांकि ये भी दिया कि टीम ने पूरे सत्र में खराब नहीं खेला। उन्होंने कहा कि इस पिच पर 180-190 का स्कोर एक अच्छा प्रतिस्पर्धी लक्ष्य माना जाता पर हमारी टीम शुरुआती ओवरों से ही पिछड़ गयी और पूरे मैच के दौरान दबाव में रही। अभी तक के मैचों में टी के खराब प्रदर्शन को भी ये एक कारण रहा है।वहीं अपनी टीम की रणनीति को सही बताते हुए हार्दिक ने कहा कि उन्होंने उपलब्ध गेंदबाजी विकल्पों के साथ ही योजना बनाई थी पर उस योजना को मैदान पर सही तरीके से अमल में नहीं लाया जा सका। यह एक गंभीर समस्या है, जो न केवल योजना बनाने पर बल्कि उसे निष्पादित करने की टीम की क्षमता पर भी सवाल उठाती है। उन्होंने निराशा के साथ कहा, गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों में वे हमसे बेहतर थे। हमने जो विकल्प थे, उसी के साथ गए, लेकिन अमल सही नहीं हो पाया। इस हार ने मुंबई इंडियंस के लिए प्लेऑफ में पहुंचने के गणितीय समीकरण को लगभग असंभव बना दिया है।

नए स्क्रैप नियमों से ऑटो उद्योग को 2026 में 25,000 करोड़ के नुकसान की आशंका

कंपनियों को पिछले दशकों के वाहनों की ईपीआर देनदारी के लिए करना होगा बड़ा बजटीय प्रावधान

नई दिल्ली।

भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग को वित्त वर्ष 2025-26 में 25,000 करोड़ का बड़ा वित्तीय झटका लग सकता है। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा अधिसूचित पर्यावरण संरक्षण (उपयोग समाप्त हो चुके वाहन) नियमावली, 2025 में एक नए प्रावधान ने उद्योग की चिंता बढ़ा दी है, जिसके तहत वाहन निर्माताओं को अतीत में बेचे गए वाहनों के लिए विस्तारित उत्पादक जिम्मेदारी (ईपीआर) हेतु बजटीय प्रावधान करना होगा। उद्योग अधिकारियों के अनुसार यह समस्या जनवरी 2025 में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा अधिसूचित नियमावली के नियम 4 (6) से उपजी है। यह नियम कहता है कि यदि विनिर्माता अपना परिचालन बंद कर देता है, तो उसे परिचालन बंद होने तक बाजार में पहले से उपलब्ध कराए गए सभी वाहनों के संबंध में अपनी विस्तारित उत्पादक जिम्मेदारी (ईपीआर) का पालन करना होगा। यह प्रावधान शुरू में सीधा-सादा लग सकता था, लेकिन ऑडिटरों द्वारा इसकी गंभीरता की ओर इशारा करने पर वाहन विनिर्माता सकते में आ गए। एक प्रमुख उद्योग कार्यकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि यह नियम लेखा मानक इंड एएस एएस 37 - प्रावधान, आकस्मिक देनदारियां और आकस्मिक संपत्ति को सीधे सक्रिय करता है। इसका सीधा अर्थ है कि वाहन निर्माताओं को पिछले 20 वर्षों में बेचे गए निजी वाहनों और 15 वर्षों में बेचे गए वाणिज्यिक वाहनों के लिए ईपीआर प्रमाणपत्रों की अनुमानित लागत हेतु बड़ा वित्तीय प्रावधान करना होगा। एक अन्य उद्योग अधिकारी ने स्पष्ट किया कि भले ही कंपनियों का बाजार से बाहर निकलने का कोई इरादा न हो, यह नियम उन्हें ऐसे प्रावधान करने पर मजबूर करेगा, जिससे बड़ी धनराशि फंस जाएगी और उनका लाभ बुरी तरह प्रभावित होगा। यह स्थिति उद्योग के वित्तीय स्वास्थ्य के लिए एक बड़ी चुनौती बन गई है। इस गंभीर चिंता को लेकर उद्योग निकाय सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने भी मंत्रालय के समक्ष अपनी बात रखी है। उद्योग के विशेषज्ञों का मानना है कि एक बार जब कंपनियों के बहीखातों में ये बड़े प्रावधान दर्ज हो जाएंगे, तो वित्त वर्ष 2025-26 में पूरे भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग का लाभ काफी कम हो जाएगा, जिससे क्षेत्र के विकास और निवेश पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

रेडिसन भारत में बढ़ाएगा होटल चेन, 2026 तक 160 का लक्ष्य

2030 तक 500 होटलों का लक्ष्य, मेट्रो शहरों में देखी जा रही हल्की सुस्ती

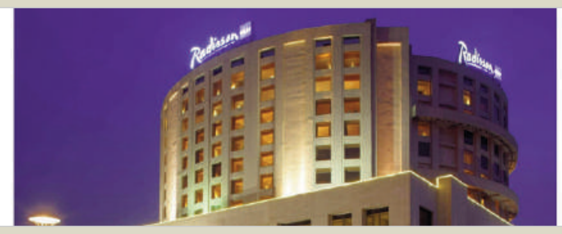

नई दिल्ली।

वैश्विक आतिथ्य श्रृंखला रेडिसन होटल ग्रुप भारत में अपने परिचालन का तेजी से विस्तार करने की तैयारी में है। कंपनी ने दिसंबर 2026 तक देश में अपने परिचालन वाले होटलों की संख्या 157-160 तक और कमरों की संख्या 19,000-19,500 तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। समूह 2030 तक भारत में 500 होटलों के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए भी प्रतिबद्ध है। वर्तमान में रेडिसन भारत में 142 होटलों (17,000 कमरों) का संचालन करता है, जबकि 84 अन्य निर्माणाधीन हैं। कंपनी के दक्षिण एशिया के प्रबंध निदेशक और मुख्य परिचालन अधिकारी के मुताबिक इस साल 18 और होटल खुलने से 2,000-2,500 अतिरिक्त कमरे जुड़ेंगे। मांग के माहौल पर उन्होंने पश्चिम एशिया संकट के मिश्रित प्रभावों का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि प्रमुख शहरी बाजारों में कुछ सुस्ती देखी गई, लेकिन टियर-2 और टियर-3 शहरों पर इसका ज्यादा असर नहीं पड़ा। मार्च में कुछ चुनिंदा महानगरों में प्रति उपलब्ध कमरे के राजस्व में 27-28 प्रतिशत की गिरावट आई थी। सुधार का आकलन करने के लिए अप्रैल के रुझान महत्वपूर्ण होंगे।

विधानसभा चुनाव और कच्चा तेल इस सप्ताह बाजार की दिशा तय करेंगे

पांच राज्यों के चुनावी नतीजों पर रहेगी निवेशकों की पैनी नजर, तिमाही नतीजे भी बाजार को देंगे दिशा

मुंबई। इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजारों की दिशा मुख्य रूप से पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों के नतीजों और पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण कच्चे तेल की कीमतों से तय होगी। विश्लेषकों ने यह अनुमान व्यक्त किया है कि ये दोनों कारक मिलकर निवेशकों की धारणा और बाजार की चाल पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालेंगे। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार इस सप्ताह शेयर बाजार में मुख्य रूप से दो बड़े घटनाक्रमों पर निवेशकों की नजर रहेगी - पहला, पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के परिणाम और दूसरा, पश्चिम एशिया में तनाव के बीच कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव। सोमवार, 4 मई से पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुडुचेरी के पांच विधानसभा चुनावों के लिए मतों की गिनती शुरू होगी। एक बाजार विश्लेषक ने बताया कि सबसे तात्कालिक कारक इन चुनावों के परिणाम होंगे। निवेशक विशेष रूप से यह देखने में उत्सुक हैं कि क्या केंद्र में सत्ताधारी दल पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस को चुनौती दे पाता है और उन राज्यों (केरल, तमिलनाडु) में सार्थक पैठ बना पाता है जहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की इस समय सीमित उपस्थिति है। उन्होंने कहा कि कच्चा तेल सबसे महत्वपूर्ण व्यापक आर्थिक कारक बना हुआ है। हॉर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास बढ़ते तनाव के बीच ब्रेंट तेल की कीमतें लगातार ऊंचे स्तर पर बनी हुई हैं, जिससे भारत जैसी आयात-निर्भर अर्थव्यवस्था के लिए मुद्रास्फीति का जोखिम बढ़ गया है। कच्चे तेल की लगातार ऊंची कीमतें रुपये पर दबाव डालती हैं और कॉर्पोरेट मार्जिन तथा राजकोषीय गतिशीलता पर भी असर डालती हैं। इसके अलावा कई महत्वपूर्ण व्यापक आर्थिक आंकड़े भी इस सप्ताह जारी होंगे, जिनमें एचएसबीसी विनिर्माण पीएमआई (4 मई), सेवा और कंपोजिट पीएमआई (6 मई) और विदेशी मुद्रा भंडार के आंकड़े (8 मई) शामिल हैं। अंबुजा सीमेंट्स, बीएचईएल, हीरो मोटोकॉर्प, महिंद्रा एंड महिंद्रा और बजाज ऑटो जैसी प्रमुख कंपनियों के चौथी तिमाही के नतीजे भी घोषित किए जाएंगे, जो निवेशकों के लिए महत्वपूर्ण होंगे।

सीआईएल-सैम को जयपुर मेट्रो से 918 करोड़ का ऑर्डर मिला

नई दिल्ली।

बुनियादी ढांचा क्षेत्र की कंपनी सीगल इंडिया लिमिटेड के संयुक्त उद्यम सीआईएल-सैम इंडिया को जयपुर मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (जेएमआरसी) से 918.04 करोड़ रुपये का एक महत्वपूर्ण ऑर्डर मिला है। यह अनुबंध जयपुर मेट्रो के फेज-2 विस्तार के डिजाइन और निर्माण कार्यों से संबंधित है। सीगल इंडिया ने रविवार को बताया कि उसके संयुक्त उद्यम सीआईएल-सैम इंडिया को यह ठेका दिया गया है। इसमें जयपुर मेट्रो फेज-2 के तहत 10.8 किलोमीटर के ऊंचे वायडक्ट और दस एलिवेटेड मेट्रो स्टेशनों का डिजाइन व निर्माण शामिल है। सीआईएल-एसएएम इंडिया में सीगल इंडिया की 74 फीसदी और सैम इंडिया बिल्टवेल प्राइवेट लिमिटेड की 26 फीसदी हिस्सेदारी है। परियोजना की कुल बोली लागत 918.04 करोड़ रुपए (18 फीसदी जीएसटी सहित) है, जिसे 34 महीने की समय सीमा में पूरा किया जाना है।

केंद्र की हरी झंडी, 37,500 करोड़ से कोयला गैसीकरण को मिलेगा बंपर प्रोत्साहन

स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन, आयात निर्भरता घटाने और आत्मनिर्भरता बढ़ाने में मिलेगी मदद

नई दिल्ली।

द्रीय मंत्रिमंडल जल्द ही कोयला गैसीकरण परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए एक बड़ी प्रोत्साहन योजना को मंजूरी दे सकता है। सूत्रों ने बताया कि इस योजना का वित्तीय परिव्यय 37,500 करोड़ रुपये होगा, जिसका मुख्य उद्देश्य स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देना और देश की आयात निर्भरता को कम करना है। सूत्रों के अनुसार, कोयला मंत्रालय ने इस योजना का कैबिनेट नोट पहले ही तैयार कर लिया है। प्रस्तावित योजना का मकसद देश भर में सतह कोयला और लिग्नाइट गैसीकरण परियोजनाओं में तेजी लाना है। इसका लक्ष्य एलएनजी, यूरिया, अमोनियम नाइट्रेट, अमोनिया, कोकिंग कोल, मेथनॉल और डीएमई जैसी महत्वपूर्ण वस्तुओं पर आयात निर्भरता घटाकर आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना है। इसके साथ ही यह ईंधन और रसायनों के उत्पादन के लिए घरेलू कोयला और लिग्नाइट संसाधनों के उपयोग को बढ़ाएगा, जिससे 2030 तक 10 करोड़ टन कोयला गैसीकरण क्षमता के राष्ट्रीय लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद मिलेगी। यह एक एकीकृत योजना है जिसमें कोई श्रेणी नहीं है, और एक एकल परियोजना के लिए अधिकतम 3,000 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता का प्रावधान है। गौरतलब है कि पिछली प्रोत्साहन योजना में निजी क्षेत्र को अधिकतम 1,000 करोड़ रुपये और पीएसयू को 1,350 करोड़ रुपये प्रति परियोजना दिए जाते थे।

बीते सप्ताह खाद्य तेल बाजार में तेजी का रुख, सरसों-पाम ऑयल उछले, मूंगफली फिसली

सस्ती सरसों की मांग बढ़ी, औद्योगिक मांग से पाम तेल मजबूत, सरकार को स्टॉक बनाने की सलाह

नई दिल्ली।

बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन मंडियों में सरसों तेल-तिलहन, सोयाबीन तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) और बिनौला तेल के दाम में सुधार देखा गया। सस्ते भाव और बढ़ी मांग के चलते यह तेजी आई। हालांकि, ऊंचे भाव के कारण मूंगफली तेल-तिलहन में गिरावट दर्ज की गई, जबकि सोयाबीन तेल स्थिर रहा। बाजार सूत्रों के अनुसार सोयाबीन तेल से सस्ता होने के कारण सरसों तेल की मांग में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है, खासकर कम आय वर्ग में। समीक्षाधीन सप्ताह में आवक कम रहने से सरसों तेल-तिलहन के दाम सुधर गए। हालांकि, विशेषज्ञों ने बढ़ती खपत पर चिंता जताते हुए सरकार को सरसों का बफर स्टॉक बनाने की सलाह दी है, ताकि भविष्य में कमी से बचा जा सके। सटोरियों की सक्रियता पर भी नजर रखने को कहा गया है। सोयाबीन तिलहन में डी-आयल्ड केक (डीओसी) की मांग बढ़ने से सुधार आया, लेकिन आयातकों द्वारा लागत से नीचे बिकवाली के कारण सोयाबीन तेल स्थिर रहा। दूसरी ओर, ऊंचे दामों के कारण मूंगफली तेल-तिलहन में गिरावट दर्ज हुई। सरकार को मूंगफली और सोयाबीन का भी स्टॉक बनाने की सलाह दी गई है। सरकार द्वारा आयात शुल्क मूल्य में वृद्धि और गर्मियों में औद्योगिक मांग बढ़ने से कच्चा पामतेल और पामोलीन के दाम भी बढ़े। उपलब्धता कम रहने के बीच बिनौला तेल के दाम में भी सुधार आया। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 160 रुपये के सुधार के साथ 7,000-7,025 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दादरी मंडी में बिकने वाला सरसों तेल 150 रुपये के सुधार के साथ 14,350 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 25-25 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,400-2,500 रुपये और 2,400-2,545 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 375-375 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 6,525-6,575 रुपये और 6,175-6,250 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दूसरी ओर मांग की कमी और आयातित सोयाबीन डीगम तेल की लागत से कम दाम पर बिकवाली होने के बीच, दिल्ली में सोयाबीन तेल 16,000 रुपये प्रति क्विंटल, इंदौर में सोयाबीन तेल 15,850 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 12,550 रुपये प्रति क्विंटल पर स्थिर रुख के साथ बंद हुए।दूसरी ओर, मूंगफली तिलहन का दाम 100 रुपये की गिरावट के साथ 6,650-7,125 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 250 रुपये की गिरावट के साथ 15,750 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 30 रुपये की गिरावट के साथ 2,500-2,800 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 225 रुपये के सुधार के साथ 13,650 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलीन दिल्ली का भाव 100 रुपये बढ़कर 15,450 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव भी 150 रुपये की मजबूती के साथ 14,300 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

सुधार के आम रुख के अनुरूप, बिनौला तेल का दाम 150 रुपये के सुधार के साथ 15,100 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

शीर्ष 10 कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 2.20 लाख करोड़ बढ़ा

भारती एयरटेल, टीसीएस और बजाज फाइनेंस को फायदा, जबकि कई बैंकों को हुआ नुकसान

मुंबई।

छुट्टियों के चलते कम कारोबारी सत्रों वाला पिछला सप्ताह भारतीय शेयर बाजार के लिए मिली-जुली तस्वीर लेकर आया। जहां एक ओर बीएसई सेंसेक्स ने मामूली बढ़त दर्ज की, वहीं देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से चार के बाजार मूल्यांकन में भारी उछाल दर्ज किया गया। इन चार कंपनियों ने संयुक्त रूप से 2.20 लाख करोड़ रुपये से अधिक का बाजार पूंजीकरण जोड़ा, जिसमें दिग्गज रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे बड़ी लाभार्थी बनकर उभरी। हालांकि, बैंकिंग और कुछ अन्य प्रमुख क्षेत्रों की छह कंपनियों को सामूहिक रूप से 1.24 लाख करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ा। पिछले सप्ताह छुट्टियों के कारण कम कारोबारी सत्रों के बावजूद देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से चार के संयुक्त बाजार मूल्यांकन में 2.20 लाख करोड़ रुपये का भारी उछाल दर्ज किया गया। इस अवधि में रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे अधिक लाभ में रही। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन अकेले 1,39,655.8 करोड़ रुपये बढ़कर 19,36,303.30 करोड़ रुपये पर पहुँच गया, जिससे यह देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी रही।

भारती एयरटेल ने भी शानदार प्रदर्शन किया, जिसका मूल्यांकन 43,503.51 करोड़ रुपये बढ़कर 11,49,222.13 करोड़ रुपये हो गया। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और बजाज फाइनेंस भी लाभ कमाने वाली कंपनियों में शामिल रहे, जिससे इन चार कंपनियों के संयुक्त मूल्यांकन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। हालांकि, सभी कंपनियों के लिए यह सप्ताह फायदेमंद नहीं रहा। दूसरी ओर एचडीएफसी बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), आईसीआईसीआई बैंक, लार्सन एंड टुब्रो, हिंदुस्तान यूनिलीवर और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के मूल्यांकन में कुल मिलाकर 1.24 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आई। आईसीआईसीआई बैंक को सर्वाधिक 45,364.62 करोड़

रुपये का नुकसान हुआ, जिससे इसका बाजार पूंजीकरण घटकर 9,04,980.78 करोड़ रुपये रह गया, जबकि एसबीआई का मूल्यांकन 30,922.57 करोड़ रुपये गिरकर 9,85,829.96 करोड़ रुपये पर आ गया। वर्तमान में रिलायंस इंडस्ट्रीज देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी हुई है, जिसके बाद एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल और भारतीय स्टेट बैंक का स्थान आता है।

डी-मार्ट का मुनाफा 19 प्रतिशत बढ़कर 656.42 करोड़ हुआ

नई दिल्ली।

वित्त वर्ष 2025-26 की मार्च तिमाही में खुदरा श्रृंखला डी-मार्ट का स्वामित्व और संचालन करने वाली कंपनी एवेन्यू सुपरमार्ट्स लिमिटेड का मुनाफा सालाना आधार पर 19.17 प्रतिशत बढ़कर 656.42 करोड़ रुपये हो गया। एवेन्यू सुपरमार्ट्स ने शेयर बाजार को बताया कि उसने एक साल पहले की जनवरी-मार्च तिमाही में 550.79 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। समीक्षाधीन तिमाही के दौरान परिचालन से राजस्व 18.9 प्रतिशत बढ़कर 17,683.86 करोड़ रुपये हो गया। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह आंकड़ा 14,871.86 करोड़ रुपये था। कंपनी ने अपने तिमाही नतीजों में बताया था` कि वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में कर पश्चात लाभ (पीटीए) मार्जिन 3.7 प्रतिशत रहा, जबकि वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में यह 3.7 प्रतिशत था।÷मार्च तिमाही में एवेन्यू सुपरमार्ट्स का कुल खर्च 18.5 प्रतिशत बढ़कर 16,797.86 करोड़ रुपये रहा।

मारुति सुजुकी की रिकॉर्ड बिक्री बाजार हिस्सेदारी 42 फीसदी पहुंची

अप्रैल में 1.91 लाख से अधिक वाहनों की बिक्री

नई दिल्ली।

देश की सबसे बड़ी कार विनिर्माता मारुति सुजुकी इंडिया ने नए वित्त वर्ष 2026-27 की शुरुआत दमदार तरीके से की है। कंपनी ने अप्रैल में रिकॉर्ड 1,91,122 इकाइयों की घरेलू बिक्री दर्ज करते हुए अपनी बाजार हिस्सेदारी को पिछले वित्त वर्ष के 39 प्रतिशत से बढ़ाकर 42 प्रतिशत कर लिया है। उद्योग के अनुमानों के मुताबिक, अप्रैल महीने में कंपनी ने अपनी बाजार हिस्सेदारी में लगभग तीन प्रतिशत अंकों की वृद्धि दर्ज की है। यह वृद्धि कंपनी की यात्री कारों के साथ-साथ एसयूवी सेगमेंट के महत्वपूर्ण योगदान से संभव हुई है। मारुति सुजुकी के एक वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी ने बताया कि इस प्रदर्शन के साथ कंपनी ने नए वित्त वर्ष की शानदार शुरुआत की है और बाजार हिस्सेदारी भी हासिल की है। अप्रैल में यात्री कारों की बिक्री 96,725 इकाई रही, जबकि एसयूवी सेगमेंट ने 55,065 इकाइयों की अब तक की सबसे अधिक बिक्री दर्ज की, जो पिछले वर्ष की तुलना में

141.6 प्रतिशत अधिक है। कंपनी एसयूवी बाजार में भी शीर्ष स्थान के करीब पहुंच गई है। इससे पहले कंपनी की सर्वाधिक घरेलू बिक्री दिसंबर 2025 में 1,82,165 इकाई थी।

एनपीएस में बड़ा बदलाव, जुलाई 2026 से जेब पर बढ़ेगा बोझ, जानें नए चार्ज नियम

टियर-2, डॉर्मेंट खातों और विभिन्न निवेश स्कीम्स पर पड़ेगा सीधा असर

नई दिल्ली।

नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) में निवेश करने वाले करोड़ों सब्सक्राइबर्स के लिए एक महत्वपूर्ण खबर है। पेंशन फंड रेगुलेटर पीएफआरडीए ने एनपीएस खातों पर लगने वाले सालाना मेंटेनेंस चार्ज (एएमसी) में बदलाव की घोषणा की है, जो जुलाई 2026 से लागू होंगे। 29 अप्रैल को जारी इस सर्कुलर का मकसद शुल्कों में एकरूपता लाना और मौजूदा विसंगतियों को दूर करना है।

इन नए नियमों का सीधा असर आपके टियर-1, टियर-2 और निष्क्रिय (डॉर्मेंट) खातों पर पड़ेगा, जिससे आपकी रिटायरमेंट प्लानिंग की लागत में बदलाव आ सकता है। टियर-1 और टियर-2 खाते हुए बराबर एनपीएस सब्सक्राइबर्स के लिए एक अहम बदलाव टियर-2 खातों से संबंधित है। अब तक टियर-1 और टियर-2 खातों के मेंटेनेंस चार्जेस में अंतर था, लेकिन पीएफआरडीए ने अब इन्हें एक समान कर दिया है। इसका अर्थ है कि टियर-2 खाते पर भी वही सालाना मेंटेनेंस चार्ज लगेगा जो उसी सेक्टर के टियर-1 खाते पर लागू होता है। यह उन निवेशकों के लिए मायने रखता है जो टियर-2 को बचत के एक लचीले विकल्प के तौर पर देखते थे, क्योंकि अब इसकी लागत बढ़ जाएगी। हालांकि, छोटे निवेशकों को राहत देते हुए, अगर किसी तिमाही के अंत में टियर-2 खाते का बैलेंस 1,000 रुपये या उससे कम है, तो कोई मेंटेनेंस चार्ज नहीं लिया जाएगा। हर स्कीम पर अलग चार्ज इसके अलावा पीएफआरडीए ने स्पष्ट किया है कि एक ही पीआरएएन (परमानेंट रिटायरमेंट अकाउंट नंबर) के तहत हर पेंशन स्कीम को अब एक अलग खाता माना जाएगा। इसका मतलब है कि यदि आपने इक्विटी, कॉर्पोरेट बॉन्ड और सरकारी सिक्योरिटी जैसी विभिन्न स्कीम्स में पैसा लगाया है, तो हर स्कीम पर अलग से मेंटेनेंस चार्ज लग सकता है। इससे उन निवेशकों की कुल लागत बढ़ सकती है जिन्होंने अपने निवेश को कई स्कीम्स में बांट रखा है।

एलपीजी की महंगाई का झटका, दिल्ली के खाने का स्वाद होगा महंगा

- दिल्ली के फूड वेंडर्स बेहाल, रेस्टोरेंट्स रेट बढ़ाने की तैयारी में! छंटनी का भी खतरा

नई दिल्ली।

दिल्ली के लजीज पकवानों का स्वाद अब महंगा होने वाला है। वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में हुई रिकॉर्ड 50 प्रतिशत की वृद्धि ने शहर के होटल और रेस्टोरेंट उद्योग को गहरे संकट में डाल दिया है। इस अप्रत्याशित बढ़ोतरी के चलते कारोबारियों ने मेन्यू कार्ड के दाम बढ़ाने की चेतावनी दी है, जिससे आम आदमी की जेब पर सीधा असर पड़ेगा। राजधानी के खाद्य व्यापार पर इस वक्त एक तरह का आर्थिक शॉक लगा है, जिसने तंदूर की आंच से ज्यादा व्यापारियों के माथे पर चिंता की लकीरें गरम कर दी हैं। 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत में एक ही बार में 993 रुपये का इजाफा हुआ है, यह बीते तीन महीनों में तीसरी बढ़ोतरी है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण वैश्विक ऊर्जा बाजार में अस्थिरता इसका मुख्य कारण है। नेशनल रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया का कहना है कि उद्योग पहले से ही बढ़ती लागत से जूझ रहा था, ऊपर से इस भारी इजाफे ने कमर तोड़ दी है। उन्होंने बताया कि बाजार में गैस सिलेंडरों की भारी कमी और कालाबाजारी की खबरें हैं। जो सिलेंडर पहले 1,300-1,600 रुपये में मिलते थे, अब खुले बाजार में 3,000-4,000 रुपये में बिक रहे हैं। एक मध्यम आकार का रेस्टोरेंट प्रतिदिन 2 से 5 सिलेंडर का उपयोग करता है, जिससे दैनिक परिचालन लागत हजारों रुपये बढ़ गई है। यदि यही स्थिति बनी रही, तो छोटे ढाबे और रेस्टोरेंट बंद होने के कगार पर होंगे, साथ ही बड़े पैमाने पर छंटनी का खतरा भी है।

एक सप्ताह में 24 कैरेट सोना 2,960 और 22 कैरेट 2,850 तक लुढ़का

नई दिल्ली।

देश के सर्राफा बाजार में इस सप्ताह सोने की कीमतों में जोरदार गिरावट दर्ज की गई है, जिसने शादी-ब्याह के सीजन में खरीदारी करने वालों को बड़ी राहत पहुंचाई है। पिछले एक हफ्ते में 24 कैरेट सोना 2,960 रुपए प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हुआ है, जबकि 22 कैरेट सोने के दाम में 2,850 रुपए और 18 कैरेट सोने की कीमत में 2,180 रुपए की कमी दर्ज की गई है। इस गिरावट के चलते अब सोना खरीदना पहले से अधिक किफायती हो गया है। रविवार 3 मई को राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,51,230 प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है, वहीं 22 कैरेट 1,38,500 और 18 कैरेट 1,13,500 रुपए प्रति 10 ग्राम बिक रहा है। मुंबई, कोलकाता और रायपुर जैसे प्रमुख शहरों में 24 कैरेट सोना 1,50,930 प्रति 10 ग्राम उपलब्ध है, जबकि 22 कैरेट 1,38,350 पर मिल रहा है। हालांकि, चेन्नई में 24 कैरेट सोने का भाव सर्वाधिक 1,52,730 प्रति 10 ग्राम दर्ज किया गया है। अहमदाबाद और भोपाल में 24 कैरेट सोना 1,51,030 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बिक रहा है। बाजार में यह गिरावट हाल की अस्थिरता के बाद आई है। इससे पहले 30 अप्रैल को दिल्ली में 24 कैरेट सोने

की कीमत में करीब 2,000 रुपए की तेजी दर्ज की गई थी, जिसके बाद सोना 1,54,800 रुपए प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गया था। शुक्रवार को मजदूर दिवस और बुद्ध पूर्णिमा के कारण सर्राफा बाजार बंद रहने से कीमतों में स्थिरता बनी रही।

सांसद सांस्कृतिक महोत्सव सह स्वदेशी मेला का समापन

बिभा संवाददाता

रांची। रांची के आड्रे हाउस में तीन दिवसीय सांसद सांस्कृतिक महोत्सव सह स्वदेशी मेला का समापन रविवार को हो गया। मौके पर केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। इस मौके पर मेघवाल ने कहा कि एक मई को बुद्ध पूर्णिमा के दिन महोत्सव प्रारंभ हुआ। आज हम समापन उत्सव मना रहे हैं। लेकिन कल भी हम उत्सव मनाएंगे और कल का दिन उत्सव का दिन रहेगा। उन्होंने सफल आयोजन के लिए रक्षा राज्य मंत्री सहित सभी लोगों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी।

उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन स्थानीय कलाकारों के संग लोगों के लिए प्रेरणा का स्तंभ बनेगा। मुख्य अतिथि मेघवाल ने स्वदेशी मेले में लगे स्टॉल का भ्रमण किया।

इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री सह नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी भी सांसद सांस्कृतिक महोत्सव सह स्वदेशी मेला के आयोजन में शामिल हुए। उन्होंने महोत्सव के सफल आयोजन पर रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ को बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम सचमुच में बहुत ही अच्छा है आने वाले समय में एक उदाहरण कायम करेगा।

इस आयोजन के जरिये घरेलू उत्पाद को बढ़ावा मिलेगा और उत्पादों को लोकल बाजार में जगह मिलेगी। उन्होंने कहा कि स्वदेशी को जीवन में उतरना होगा। हम सभी कोशिश करे की मोटे अनाज का सेवन करें।

इस अवसर पर भाजपा के संगठन मंत्री कर्मवीर, महापौर रोशनी खलको, उपमहापौर नीरज कुमार,महानगर अध्यक्ष वरुण साहू,पूर्व राज्य सभा सांसद अजय मारू भी मौजूद थे।

इस मौके पर रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने बताया कि 125 स्टॉल लोगों को निःशुल्क उपलब्ध कराया गया था। जो पूर्णत स्वदेशी को समर्पित था। उन्होंने कहा झारखंड की संस्कृति,पहचान,विविधता,परंपरा, लोक कला साथ ही यहां के लोक नृत्य, संगीत को एक ही छत के नीचे कला संस्कृति के माध्यम से उनका संरक्षण और संवर्धन के लिए स्थानीय कलाकारों को प्रोत्साहित करने का वृहद अलौकिक,सुंदर कार्य सांसद सांस्कृतिक महोत्सव स्वदेशी मेला के माध्यम से किया गया है,जो हमारे स्वदेशी कला संस्कृति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने का एक सशक्त माध्यम भी है। तीन दिनों में हजारों लोगों ने सांसद सांस्कृतिक महोत्सव सह स्वदेशी मेले का आनंद लिया। महिलाओं के जरिये निर्मित पापड़,खजला,बड़ी,मंगोड़ी,विभिन्न प्रकार के अचार,ब्लैक राइस,रेड राइस,एनर्जी चॉकलेट मड़ुवा के लड्डू,रागी की कुकीज,चॉकलेट सहित कई उत्पाद की लोगों ने खरीददारी की। इसी के साथ हर्बल मसाला,घरेलू दवा,मेटल की तस्वीर,जूट बैग,उन से बने हैंडमेड फ्लावर,लिपिन आर्ट,ब्लू कार्ड पेंटिंग की तस्वीर भी कम मूल्य पर मिल रही थी।

श्री अन्न आहार कुटीर में झारखंड के पारंपरिक मोटे अनाज से बने मड़वा समोसा,मड़वा चोप,निमकी,भुजिया चॉकलेट,बिस्किट जैसे खाद्य पदार्थ का लोगों ने खरीदारी कर खूब आनंद उठाया।

उन्होंने बताया कि सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत 70 से भी ज्यादा स्कूलों एवम महाविद्यालय के बच्चों ने रंगारंग प्रस्तुति दी, जिसमें देश भक्ति, शिव तांडव, वंदे मातरम,छउ नृत्य,कथक एवं यहां के पारंपरिक लोक नृत्य के संग हजारों बच्चों एवं बच्चों ने सामूहिक रुप से अपनी प्रस्तुति दी। बच्चों एवं बच्चियों सहित स्कूल व एकेडमी सहित संस्था को सांसद ने सर्टिफिकेट व मोमेंटो देकर सम्मानित किया।

देशभर के ख्याति प्राप्त कलाकारों द्वारा अद्भुत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से गरबा नृत्य,डालखाई,झूमर,पाईका नृत्य,कथक नृत्य ने सांस्कृतिक महोत्सव की शोभा बढ़ाई। वहीं,जनजातीय नृत्य,सामूहिक नृत्य,लघु नाटिका, शास्त्रीय संगीत व नृत्य,असम का बिहू नाच गौरैया नाच सहित उलगुलान नाटक की प्रस्तुति ने सांस्कृतिक महोत्सव में लोगों को आनंदित किया।

स्वदेशी मेला में लोगों ने सांस्कृतिक आयोजन के संग अन्न आहार कुटीर में झारखंड के पारंपरिक व्यंजनों का लुफ्त उठाया। साथ ही यहां से बने उत्पादों सहित मोटे अनाज रागी,ज्वार,बाजरा,मड़वा से बनी चीजो की खरीदारी की।

वहीं, रांची के इशांक ने मात्र सात वर्ष की आयु में श्रीलंका और भारत के बीच स्थित लगभग 29 किलोमीटर लंबे पाक जलडमरूमध्य को पार कर एक ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम की है। समिति की ओर से इशांक को एक लाख एक रुपये का चेक प्रदान कर सम्मानित किया गया।

संक्षिप्त खबरें

रांची में चलाया गया एंटी-क्राइम चेकिंग अभियान

रांची(बिभा)। राजधानी रांची में आपराधिक घटनाओं पर अंकुश लगाने और कानून-व्यवस्था को मजबूत करने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में है। रांची के एसएसपी राकेश रंजन के निर्देश पर सिटी एसपी, ट्रैफिक एसपी और ग्रामीण एसपी के नेतृत्व में अपराधियों और असमाजिक तत्वों के खिलाफ अभियान तेज कर दिया गया है। इसी कड़ी में रविवार की रात में राजधानी के विभिन्न हॉट स्पॉट और संवेदनशील इलाकों में पुलिस की ओर से व्यापक एंटी-क्राइम चेकिंग अभियान चलाया गया। एसएसपी के सख्त निर्देश के बाद शहर के मुख्य चौक-चौराहों पर भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है। शहर के प्रवेश और निकास द्वारों के साथ-साथ भीड़भाड़ वाले इलाकों में भी पुलिस संदिग्धों की तलाश कर रही है। इस दौरान दोपहिया और चार पहिया वाहनों की डिक्की और कागजातों की जांच की जा रही है। बिना नंबर प्लेट वाली गाड़ियों और संदिग्ध रूप से घूम रहे युवकों से कड़ी पूछताछ की जा रही है। उन इलाकों को चिन्हित किया गया है जहां पूर्व में झपट्टामारी या लूट जैसी घटनाएं अधिक हुई हैं। एसएसपी राकेश रंजन ने बताया कि राजधानी की सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि थाना प्रभारियों को निर्देश दिया है कि शाम के समय गश्त बढ़ाई जाए और पीसीआर वैन लगातार भ्रमणशील रहें। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य शहर में शांति व्यवस्था बनाए रखना और आम नागरिकों के मन में सुरक्षा का भाव पैदा करना है। अपराधियों के मन में पुलिस का खौफ होना जरूरी है ताकि वे किसी भी घटना को अंजाम देने से पहले सौ बार सोचें।

राधा-कृष्ण मंदिर में श्रद्धालुओं के बीच अन्नपूर्णा महाप्रसाद का वितरण

रांची(बिभा)। श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर में 264वें श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा सेवा महाप्रसाद का आयोजन रविवार को बेहद श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ किया गया। श्री कृष्ण प्रणामी सेवाधाम ट्रस्ट के तत्वावधान में डॉ. संत शिरोमणि स्वामी सदानंद महाराज के सानिध्य में आयोजित इस कार्यक्रम में श्री राधा रानी का विशेष श्रृंगार कर पूजा-अर्चना की गई। दोपहर 12 बजे मंदिर के पुजारी अरविंद कुमार पांडेय ने महाप्रसाद का विधिवत भोग लगाया। इसके बाद मसालेदार वेजिटेबल खिचड़ी, जलजीरा शर्बत और सत्तू पानी का वितरण किया गया। ट्रस्ट के प्रवक्ता संजय सर्राफ ने बताया कि दिनभर मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही और तीन हजार से अधिक लोगों ने दर्शन किए। उन्होंने कहा कि मंदिर में प्रतिदिन दोपहर 12 से 2 बजे तक महाप्रसाद वितरण किया जाता है। उन्होंने बताया कि अबतक 1500 श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद वितरित किया गया है। यह सेवा आगे भी जारी रहेगी। कार्यक्रम के दौरान भजन संध्या भी आयोजित हुई, जिसमें मनीष सोनी ने राधा-कृष्ण एवं श्याम भजनों की प्रस्तुति दी। भजनों पर श्रद्धालु झूम उठे और मंदिर परिसर भक्तिमय माहौल से गूंज उठा। बाद में सामूहिक महाआरती की गई। अनुष्ठान में महिला पुरुष सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे।

टाटानगर स्टेशन पर मोबाइल चोरी का खुलासा, शातिर चोर गिरफ्तार

जमशेदपुर(बिभा)। टाटानगर रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के सामान और खासकर मोबाइल फोन की सुरक्षा को लेकर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सुरक्षा बलों को शनिवार रात एक अहम सफलता हाथ लगी। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी) की संयुक्त टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक शातिर मोबाइल चोर को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपित की पहचान बागबेड़ा के गांधीनगर निवासी सोनू कुमार राव उर्फ गडजला के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान उसके पास से एक चोरी का मोबाइल फोन बरामद किया गया। पूछताछ और जांच में सामने आया कि यह मोबाइल महाराष्ट्र निवासी यात्री ऋषिकेश अशोक घोराड़े का है, जिसे आरोपित ने स्टेशन परिसर या ट्रेन के भीतर मौका पाकर चुरा लिया था। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार सोनू कुमार राव का आपराधिक इतिहास पहले से रहा है। वह पूर्व में भी चोरी और रेल से जुड़े अन्य अपराधों में संलिप्त रह चुका है। उसकी गिरफ्तारी को रेलवे स्टेशन क्षेत्र में सक्रिय मोबाइल चोर गिरोह पर बड़ी कार्रवाई के रूप में देखा जा रहा है। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि इससे ऐसे अपराधों पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी। यह पूरी कार्रवाई वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त (आरपीएफ) चक्रधरपुर और रेल पुलिस अधीक्षक अजीत कुमार जमशेदपुर के निर्देश एवं मार्गदर्शन में अंजाम दी गई। संयुक्त टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर स्टेशन परिसर में निगरानी बढ़ाई और संदिग्ध गतिविधि पर नजर रखते हुए आरोपी को धर दबोचा। चक्रधरपुर रेल थाना प्रभारी अवधेश कुमार के अनुसार गिरफ्तारी के बाद आरोपित को आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूरी कर रेल थाना टाटानगर के सुपुर्द कर दिया गया है। फिलहाल पुलिस उससे गहन पूछताछ कर रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि वह किसी संगठित गिरोह का हिस्सा है या अकेले ही वारदात को अंजाम देता था। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि उसने पहले किन-किन यात्रियों को अपना शिकार बनाया है।

भारतीय श्रमजीवी पत्रकार संघ ने सदस्यता ग्रहण अभियान कार्यक्रम का किया आयोजन

पुलिस और मीडिया के बीच बेहतर संवाद और समन्वय होना बेहद जरूरी : एसएसपी

बिभा संवाददाता

रांची : शहर में पत्रकारों के संगठन को मजबूत करने की दिशा में एक अहम पहल देखने को मिली। भारतीय श्रमजीवी पत्रकार संघ द्वारा सदस्यता ग्रहण अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में पत्रकारों ने हिस्सा लेकर संगठन की सदस्यता ग्रहण की।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एसएसपी राकेश रंजन, सिटी एसपी पारस राणा, ट्रैफिक एसपी राकेश सिंह, ग्रामीण एसपी गौरव गोस्वामी मौजूद रहे और साथ ही मिशन ब्लू फाउंडेशन के अध्यक्ष पंकज सोनी साथ थे, वहीं प्रेस क्लब के अध्यक्ष शंभूनाथ चौधरी, सचिव अभिषेक सिंहा साथ ही प्रेस क्लब के सदस्य विजय गोप, चंदन वर्मा, प्रतिमा कुमारी, संजय सुमन, अशोक गोप मौजूद थे। अधिकारियों ने पत्रकारों की भूमिका को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ बताते हुए उनके कार्यों की सराहना की।

अपने संबोधन में अधिकारियों ने सदस्यता ग्रहण करने वाले सभी पत्रकारों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि एक मजबूत और संगठित पत्रकार संघ समाज के लिए बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि पत्रकार और पुलिस, दोनों ही समाज के दो अहम स्तंभ हैं, जिनकी जिम्मेदारी आम जनता तक सही और सटीक जानकारी पहुंचाना और कानून-व्यवस्था को बनाए रखना है। एसएसपी राकेश रंजन ने कहा कि पुलिस और मीडिया के बीच बेहतर संवाद और समन्वय होना बेहद जरूरी है, क्योंकि यही तालमेल कई बार बड़ी से बड़ी चुनौतियों को भी आसान बना देता है। वहीं सिटी एसपी पारस राणा और ट्रैफिक एसपी राकेश सिंह ने कहा कि पत्रकारों का काम जोखिम भरा होता है, लेकिन उनकी निष्पक्ष रिपोर्टिंग ही समाज को सही दिशा देने का काम करती है।

ग्रामीण एसपी गौरव गोस्वामी ने भी अपने विचार साझा करते हुए कहा कि मीडिया और पुलिस के बीच विश्वास और सहयोग का रिश्ता जितना मजबूत होगा, समाज उतना ही सुरक्षित और जागरूक बनेगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि भविष्य में भी यह संवाद और सहयोग इसी तरह निरंतर बना रहेगा।

अधिकारियों ने एक स्वर में कहा कि पत्रकार और पुलिस दोनों ही अपने-अपने कर्तव्यों के प्रति सदैव तत्पर रहते हैं और जनता के हित में मिलकर काम करते हैं, ऐसे में आपसी समन्वय ही दोनों की ताकत है। कार्यक्रम के दौरान संगठन की नई कार्यकारिणी की भी घोषणा की गई। जिसमें प्रदेश अध्यक्ष झ धर्मेंद्र गिरी, जिला अध्यक्ष -जावेद अख्तर, कार्याध्यक्ष -प्रदीप ठाकुर, महासचिव -शकील अख्तर, मीडिया प्रभारी -अंकुश यादव, संगठन सचिव -सैयद रमीज जावेद बनाए गए। इसके अलावा सचिव पद पर प्रशांत मित्रा, रूपम कुमारी, पिंटू दुबे और राकेश कुमार को जिम्मेदारी दी गई।

भारतीय सेना द्वारा प्रयागराज में आयोजित उत्तर प्रौद्योगिकी संगोष्ठी का उदघाटन आज

बिहान भारत

प्रयागराज : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 4 मई, 2026 को प्रयागराज में उत्तर प्रौद्योगिकी संगोष्ठी (नॉर्थ टेक सिम्पोजियम) 2026 का उद्घाटन करेंगे। यह संगोष्ठी भारतीय सेना की उत्तरी कमान और मध्य कमान तथा सोसायटी ऑफ इंडियन डिफेंस मैन्युफैक्चरर्स (एसआईडीएम) द्वारा संयुक्त रूप से 4 से 6 मई, 2026 तक प्रयागराज, उत्तर प्रदेश में आयोजित की जा रही है। यह संगोष्ठी संपूर्ण भारतीय सेना में परिचालन संबंधी चुनौतियों से निपटने के लिए अत्याधुनिक स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के प्रदर्शन और एकीकरण हेतु एक जीवंत मंच के रूप में कार्य करेगी। इस पहल की भावना को संगोष्ठी के लिए चुने गए विषय 'रक्षा त्रिवेणी संगम - जहां प्रौद्योगिकी, उद्योग और सैनिक कौशल का संगम होता है' से भलीभांति व्यक्त किया जा सकता है। इस प्रदर्शनी में देश भर के एमएसएमई, निजी रक्षा प्रौद्योगिकी फर्मों, स्टार्टअप्स और सैन्य कर्मियों सहित कई प्रतिभागी शामिल होंगे। 284 कंपनियां अपने नवीनतम नवाचारों और प्रौद्योगिकियों को प्रदर्शित करने के लिए स्टॉल लगा रही हैं।

इस आयोजन का उद्देश्य फील्ड तैनाती, रखरखाव प्रक्रियाओं के लिए उपयुक्त प्रौद्योगिकियों की पहचान करना और खरीद प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करना है, ताकि भारतीय सेना के लिए एक स्थायी, आत्मनिर्भर रक्षा प्रणाली को बढ़ावा दिया जा सके। भारतीय सेना अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों की परिचालन प्रासंगिकता और बदलती सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए निरंतर नवाचार की आवश्यकता पर जोर देती रही है। नॉर्थ टेक सिम्पोजियम 2026 से रक्षा बलों, वैज्ञानिकों, उद्योग जगत के नेताओं और शैक्षणिक समुदाय के बीच एक सेतु के रूप में कार्य करने की उम्मीद है, जो राष्ट्रीय सुरक्षा और तकनीकी उत्कृष्टता को मजबूत करने के उद्देश्य से सहयोग को बढ़ावा देगा।

8 साल से लंबित जेपीएससी नियुक्ति : छात्रों ने बाबूलाल मरांडी को सौंपा ज्ञापन

बिभा संवाददाता

रांची : झारखंड में सहायक प्राध्यापक नियुक्ति प्रक्रिया में हो रही अत्यधिक देरी को लेकर छात्रों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। पंचपरगनिया एवं समाजशास्त्र विषय के अभ्यर्थियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने नेता प्रतिपक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी से उनके आवास पर मुलाकात कर अपनी समस्याएं रखीं।

झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) द्वारा वर्ष 2018 में जारी विज्ञापन संख्या 04/2018 के तहत शुरू हुई सहायक प्राध्यापक नियुक्ति प्रक्रिया अब तक पूरी नहीं हो सकी है। विशेष रूप से पंचपरगनिया, हो और समाजशास्त्र विषयों में नियुक्ति लंबे समय से लंबित है, जिससे हजारों अभ्यर्थियों का भविष्य अधर में लटका हुआ है।

अभ्यर्थियों का कहना है कि बार-बार साक्षात्कार स्थगित होने के कारण प्रक्रिया में अनिश्चितता बनी हुई है। कई NET/JRF योग्य उम्मीदवारों को शोध निर्देशक (गाइड) नहीं मिल पा रहे हैं, जिससे उनका पीएचडी पंजीयन भी प्रभावित हो रहा है। मामले को गंभीर बताते हुए बाबूलाल मरांडी ने कहा कि राज्य के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में स्थायी शिक्षकों की भारी कमी है, जिससे शिक्षा व्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने आश्वासन दिया कि इस मुद्दे को सरकार के समक्ष प्रमुखता से उठाया जाएगा और जल्द समाधान के लिए प्रयास किए जाएंगे। मरांडी ने नई शिक्षा नीति 2020 का उल्लेख करते हुए कहा कि क्षेत्रीय और जनजातीय भाषाओं को बढ़ावा देना जरूरी है, परंतु नियुक्ति में देरी से इसके उद्देश्य पर असर पड़ रहा है।

पूर्व रेलवे का मार्च मैराथनः यात्रा को आरामदायक बनाने के लिए चौबीसों घंटे प्रयास

बिहान भारत

कोलकाताः यह सुनिश्चित करने के लिए कि हर ट्रेन यात्रा सुरक्षित, आरामदायक और विश्वसनीय बनी रहे, पूर्व रेलवे श्री मिलिंद देऊस्कर, महाप्रबंधक, पूर्व रेलवे के दूरदर्शी नेतृत्व में चौबीसों घंटे कार्य कर रही है। मार्च 2026 के पूरे महीने के दौरान, समर्पित टीमें पर्दे के पीछे लगातार मेहनत करते हुए बड़े पैमाने पर रोलिंग स्टॉक बेड़े का आवश्यक ह्लमेजर हेल्थ चेक-अपह्न कर रही हैं। आधी रात से लेकर दिन के व्यस्त समय तक, यह 24/7 प्रतिबद्धता सुनिश्चित करती है कि पटरियों पर चलने वाली हर ट्रेन सर्वोत्तम स्थिति में हो, जो यात्रियों की हर यात्रा को सुगम और आरामदायक बनाने के रेलवे के वादे को दशार्ती है।

मार्च में किए गए कार्यों का विशाल पैमाना रेलवे कर्मचारियों की उस समर्पण भावना को दशार्ता है, जिसके बल पर क्षेत्र की जीवनरेखा को बनाए रखा जाता है। कुल 162 यात्री कोच, जिनमें आधुनिक एलएचबी और पारंपरिक आईसीएफ मॉडल शामिल हैं, का पूर्ण रूप से रखरखाव किया गया ताकि पहियों से लेकर अंदरूनी लाइट तक सब कुछ यात्रियों के लिए पूरी तरह कार्यशील रहे। इसी के साथ, 146 लोकल ट्रेन कोच (ईएमयू/एमईएमयू), जो लाखों दैनिक यात्रियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, की भी सर्विसिंग की गई। भारी परिचालन पक्ष भी उतना ही सक्रिय रहा, जहां 7 शक्तिशाली इलेक्ट्रिक इंजनों का गहन रखरखाव किया गया और 696 मालगाड़ियों के डिब्बों की सर्विसिंग की गई, ताकि देश की आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति बिना किसी बाधा के जारी रह सके।

पूर्व रेलवे की यह निरंतर कार्य संस्कृति एक ही लक्ष्य पर केंद्रित है– हर उस व्यक्ति को निश्चिंत यात्रा अनुभव प्रदान करना, जो प्लेटफॉर्म पर कदम रखता है। मार्च में किए गए इन गहन रखरखाव कार्यों के कारण तकनीकी देरी या खराबी की संभावनाओं में काफी कमी आई है। चाहे वह लंबी दूरी की एक्सप्रेस ट्रेन हो या स्थानीय उपनगरीय ट्रेन, कारखानों में इंजीनियर और तकनीशियन दिन-रात काम कर रहे हैं ताकि सुरक्षा और आराम के उच्चतम मानकों को बनाए रखा जा सके।

इस समर्पण को रेखांकित करते हुए, पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री शिबराम माझि ने कहा हमारी टीमें दिन-रात काम करती हैं ताकि हर यात्री को सुरक्षित और आरामदायक यात्रा का अनुभव मिल सके।

द ग्रीन विसिलः रेल स्वच्छता को नई परिभाषा देने के लिए पूर्व रेलवे की महीने भर की यात्रा

बिहान भारत

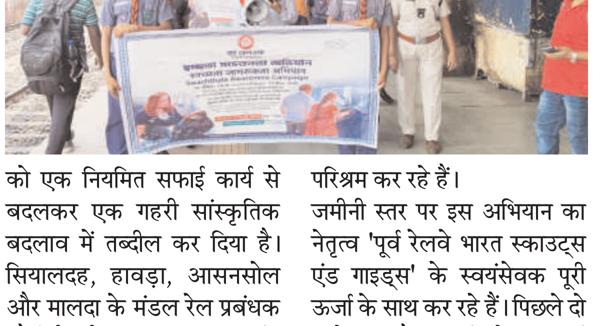

कोलकाताः कल्पना कीजिए एक ऐसे रेलवे प्लेटफॉर्म की जहां हवा में ताजगी हो, फर्श चमक रहे हों और हर यात्री अपने चॉकलेट के रैपर को कूड़ेदान में डालने के लिए जागरूक हो। यह केवल एक कल्पना नहीं है; बल्कि पूर्व रेलवे नेटवर्क पर महीने भर चलने वाले 'स्वच्छता जागरूकता अभियान' के माध्यम से गढ़ा जा रहा दैनिक यथार्थ है। 15 अप्रैल से 14 मई तक चलने वाला यह व्यापक आंदोलन पटरियों को पर्यावरणीय बदलाव के मंच में बदलकर ॠस्वच्छ भारत स्वच्छ रेलॠ की अवधारणा को फिर से परिभाषित कर रहा है।

इस पूरे मिशन को पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक श्री मिलिंद देऊस्कर के दूरदर्शी नेतृत्व में संचालित किया जा रहा है, जिन्होंने इस अभियान को एक नियमित सफाई कार्य से बदलकर एक गहरी सांस्कृतिक बदलाव में तब्दील कर दिया है। सियालदह, हावड़ा, आसनसोल और मालदा के मंडल रेल प्रबंधक चौबीसों घंटे इस मिशन का समर्थन कर रहे हैं ताकि उनके संबंधित मंडलों का कोई भी कोना अनछुआ न रहे। उनके साथ पर्यावरण और हाउसकीपिंग प्रबंधन जैसे समर्पित विभाग शामिल हैं, जिनके कर्मचारी हजारों दैनिक यात्रियों के लिए स्वच्छता के उच्चतम मानकों को बनाए रखने हेतु पर्दे के पीछे अथक परिश्रम कर रहे हैं।

जमीनी स्तर पर इस अभियान का नेतृत्व 'पूर्व रेलवे भारत स्काउट्स एंड गाइड्स' के स्वयंसेवक पूरी ऊर्जा के साथ कर रहे हैं। पिछले दो दिनों, 1 और 2 मई को, गति नई ऊंचाइयों पर पहुंच गई क्योंकि इन युवा नेताओं ने प्लेटफॉर्मों और ट्रेनों का रुख किया। आसनसोल मंडल में अभियान के 16वें दिन को चिह्नित करते हुए, आसनसोल-सियालदह इंटरसिटी एक्सप्रेस के संबंध में आसनसोल स्टेशन पर एक महत्वपूर्ण अभियान चलाया गया। केवल सफाई तक सीमित न रहकर, उन्होंने यात्रियों के साथ सीधे संवाद स्थापित किया और प्लास्टिक कचरे को कम करने तथा कूड़ेदान के उचित उपयोग के महत्व को समझाकर उन्हें ह्लस्वच्छता दूतह्न बनने के लिए प्रेरित किया।

साथ ही, सियालदह और हावड़ा मंडलों में नैहाटी और हालिशहर के समूहों ने दमदम जंक्शन और नैहाटी स्टेशन जैसे व्यस्त केंद्रों पर यह संदेश फैलाया। ॠहर ट्रैक पर बदलाव के वाहक बनेंॠ के प्रेरणादायक नारे के साथ उनका उद्देश्य दुकानदारों और यात्रियों को यह समझाना था कि स्वच्छ स्टेशन एक स्वस्थ राष्ट्र की पहली सीढ़ी है। यह सेवा भावना चलती ट्रेनों तक भी पहुँची, जहाँ चित्तरंजन से मधुपुर के बीच पटना इंटरसिटी और पूर्वा एक्सप्रेस में जागरूकता अभियान चलाया गया, ताकि स्वच्छता का संदेश रेलगाड़ियों की गति के साथ

दूर-दूर तक पहुँचे।

इस अथक कार्य के अंतिम लाभार्थी यात्री हैं, जो अब अधिक आरामदायक यात्रा, कम स्वास्थ्य जोखिम और हमारी राष्ट्रीय परिवहन प्रणाली में गर्व की नई भावना का आनंद ले रहे हैं। हालांकि, रेलवे प्रशासन इस बात पर जोर देता है कि ॠस्वच्छ रेलॠ का सपना केवल अधिकारियों द्वारा पूरा नहीं किया जा सकता। यात्रियों की सक्रिय मदद, जागरूकता और सहयोग के बिना इन उच्च मानकों को बनाए रखना असंभव है। हर बार जब कोई यात्री कचरा न फैलाने का विकल्प चुनता है या किसी और को ऐसा करने से रोकता है, तो वे सीधे राष्ट्र की प्रगति में योगदान देते हैं। यह अभियान हर नागरिक के लिए रेलवे को अपने घर की तरह मानने का एक हार्दिक आह्वान है।

महीने भर चलने वाली इस पहल की प्रगति पर विचार करते हुए, पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री शिबराम माझि ने कहा कि वे रेलवे कर्मचारियों और आम जनता के बीच एक अद्भुत तालमेल देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि जहां महाप्रबंधक और मंडल रेल प्रबंधक के नेतृत्व में टीमें दिन-रात काम कर रही हैं, वहीं इस अभियान की वास्तविक सफलता उस मुस्कान में दिखाई देती है, जो एक यात्री को साफ-सुथरे कोच में चढ़ते समय मिलती है। उन्होंने अंत में सभी यात्रियों से आग्रह किया कि वे भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के साथ मिलकर पूर्व रेलवे को स्वच्छता के क्षेत्र में देश का एक आदर्श बनाएं।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली** ।
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com